@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 1 सितंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 292 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यूपी में घुमंतू जातियों के लिए गठित होगा बोर्ड : सीएम योगी

● प्रदेश सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करेगी।

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विमुक्त व घुमंतू जातियों के कल्याणार्थ आयोजित 'विमुक्त जाति दिवस' समारोह में शिरकत करते हुए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करेगी। साथ ही इन जातियों के लोगों को कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'विमुक्त जाति दिवस' पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियां देश की वह वीर जातियां हैं, जिन्होंने विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि इन जातियों ने कभी मुगलों के खिलाफ तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी। अंग्रेजों ने इनके पराक्रम से भयभीत होकर वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया और इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इन जातियों को इससे मुक्ति मिली। उन्होंने कहा कि 'विमुक्त जाति दिवस' उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है, जब इन समुदायों को आजादी के मायने समझ आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार पूरी ईमानदारी से विमुक्त और घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में शिक्षा और आवास की दिशा में अनेक योजनाएं लागू की गई हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मायावती ने तैयारियां तेज कीं

● बसपा पदाधिकारियों को दिए विशेष निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने बिहार इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी और पूरे कार्यक्रम का दिशा निर्देशन वह खुद करेंगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'बिहार विधानसभा के लिए जल्द अगले कुछ महीनों में ही होने वाले चुनाव में बसपा उम्मीदवारों के चयन समेत पार्टी के हर स्तर की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पिछले दो दिनों की बैठक में गहन चर्चा और समीक्षा की गई। इस दौरान अकेले अपने बल पर चुनाव लड़ने के फैसले के मद्देनजर आने वाले दिनों में पार्टी के अलग-अलग कार्यक्रमों की रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया गया।' मायावती ने बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी और तन-मन-धन से आगे बढ़ने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि अगले महीने से बिहार में बसपा की यात्रा और जनसभाएं शुरू हो जाएंगी। इस संबंध में भी मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी हैं। बसपा सुप्रीमो ने स्पष्ट कहा है कि सभी कार्यक्रम उनके दिशा-निर्देशन में होंगे। इसकी विशेष जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद और केंद्रीय कोआर्डिनेटर व राज्यसभा सांसद रामजी गौतम के साथ-साथ बिहा इकाई को सौंपी गई है। अपने पोस्ट में मायावती ने लिखा, 'बिहार एक बड़ा राज्य है और इसलिए वहां की जरूरतों को देखते हुए सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांटा गया है। इसी हिसाब से पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग से उनकी जिम्मेदारी सौंपने का फैसला भी बैठक में लिया गया।'

इंजन में आग की चेतावनी के बाद दिल्ली लौटा एयर इंडिया का विमान

नई दिल्ली। एयर इंडिया की दिल्ली से इंदौर जा रही एक उड़ान को रविवार सुबह टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। सूत्रों ने बताया कि विमान में 90 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट एआई2913 के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग की चेतावनी मिली। एहतियात बरतते हुये उस इंजन को बंद कर दिया गया और विमान को एक ही इंजन पर दिल्ली वापस लाया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 6.15 बजे एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। एयर इंडिया ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुये एक बयान में कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए ग्राउंड कर दिया गया है और यात्रियों को दूसरे विमान से इंदौर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही नागर विमानन नियामक डीजीसीए को इसकी सूचना दे दी गयी है।

प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक

सीमा शांति और सहयोग पर हुई चर्चा

एजेंसी

तियानजिन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने चीन यात्रा के निमंत्रण और द्विपक्षीय बैठक के लिए चीनी राष्ट्रपति का धन्यवाद किया। इस बीच, उन्होंने कहा कि हम आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पिछले साल कजान में हमारी बहुत ही सार्थक चर्चा हुई। हमारे संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा, हमारे विशेष प्रतिनिधियों के बीच बॉर्डर मैनेजमेंट के संबंध में सहमति बनी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है।

दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी फिर से शुरू की जा रही हैं। हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हैं। इससे पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ की सफल अध्यक्षता के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बधाई दी। उन्होंने अपने बयान के आखिरी में फिर से चीन यात्रा के निमंत्रण और बैठक के लिए धन्यवाद दिया।

'भारत-चीन संबंधों में सकारात्मक प्रगति', राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात के बाद बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों पक्षों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर सहमति जताई। पीएम मोदी ने इस मुलाकात से संबंधित तस्वीर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। पीएम मोदी ने लिखा, 'एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान तियानजिन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सार्थक बैठक हुई। हमने कजान में पिछली बैठक के बाद भारत-चीन संबंधों में सकारात्मक प्रगति की समीक्षा की। हमने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर सहमति जताई और पारस्परिक सम्मान, हित और संवेदनशीलता के आधार पर सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।'

जस्टिस नाथ बोले- आवारा कुत्तों ने दुनियाभर में फेमस किया

● उनकी भी दुआएं मिल रहीं ● 10 दिन पहले फैसला सुनाया था

एजेंसी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ ने शनिवार को कहा- मैं लंबे समय से कानून जगत में अपने छोटे-मोटे कामों के लिए जाना जाता था। मैं आवारा कुत्तों का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे न केवल देश में बल्कि दुनियाभर में फेमस कर दिया। केरल के तिरुवनंतपुरम में नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी (NALSA) की तरफ से आयोजित मानव-वन्यजीव संघर्ष पर एक क्षेत्रीय सम्मेलन में बोलते हुए जस्टिस नाथ ने कहा कि वह भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई को भी शुक्रिया अदा करना चाहते हैं जिन्होंने यह केस उन्हें सौंपा। दरअसल, 22 अगस्त को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि जिन कुत्तों को पकड़ा जाता है, उनकी नसबंदी और टीकाकरण कर जहां से उठाया है, वहीं वापस छोड़ दिया जाए। ये आदेश दिल्ली समेत पूरे देश में लागू होगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- नेशनल लेवल पर पॉलिसी जरूरी, अब अक्टूबर में सुनवाई

● जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा- इसके लिए नेशनल लेवल पर पॉलिसी बननी चाहिए। हमने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है।

● देश के बाकी हाईकोर्ट में जहां भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर किया जाए। अगली सुनवाई आठ हफ्ते बाद अक्टूबर के लिए लिस्ट कर दी है।

देश में आफत की बारिश

उत्तराखंड- पावर प्रोजेक्ट टनल में फंसे 19 कर्मचारियों का रेस्क्यू

राजस्थान में किले की दीवार ढही; पंजाब में दीवार गिरने से शख्स दबा, मौत

एजेंसी

पठानकोट/देहरादून/दिल्ली। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में धौलीगंगा पावर प्रोजेक्ट की टनल में फंसे 19 कर्मचारियों को रविवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। शनिवार को लैंडस्लाइड के चलते टनल का रास्ता बंद हो गया था। उधर पंजाब के आठ जिलों के 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है

पंजाब में मानसा के जवाहरके गांव में बारिश के कारण ईंट भट्ठे के गोदाम की दीवार गिर गई। इसके नीचे दबकर साइकिल सवार किसान की मौत हो गई। राजस्थान के हनुमानगढ़ में स्थित भटनेर दुर्ग की दीवार बारिश की वजह से ढह गई। उधर IMD के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने

रविवार को एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सितंबर में उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। अगले महीने राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सितंबर में सामान्य (167.9 मिमी) से ज्यादा बारिश होगी।

दीपावली से पहले कारोबारियों को अदा कर दिया जाएगा उनका जीएसटी रिफंडः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 31 अगस्त। दिल्ली सरकार ने राजधानी के कारोबारियों की दीपावली को और बेहतर व शानदार बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि दिल्ली के व्यापारियों का वर्ष 2019 से लंबित लगभग 1600 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड दीपावली से पहले अदा कर दिया जाएगा, ताकि व्यापारी इस पर्व को और खुशहाली से मना सकें। इस मसले को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कैंप ऑफिस 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' में व्यापार एवं कर विभाग (जीएसटी) की एक विशेष बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जीएसटी आयुक्त नंदिनी पालीवाल, वित्त सचिव शूरवीर सिंह तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में दिल्ली के व्यापारियों के हित में यह विशेष निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस लंबित धनराशि के भुगतान की दिशा में पूर्ववर्ती सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि यह संपूर्ण रिफंड दीपावली से पहले व्यापारियों को अदा कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि रिफंड निपटान प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए दिल्ली जीएसटी विभाग ने आईआईटी–हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह मॉड्यूल डेटा एनालिटिक्स, डेटा ऑटोमेशन और त्वरित जांच प्रक्रिया पर आधारित होगा, जिससे रिफंड आवेदन

शीघ्रता से निपट सकेंगे और कारोबारियों को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी बकाया, निर्विवादित और वास्तविक रिफंड आवेदनों का निपटारा संबंधित नियमों के अनुसार जल्द–से–जल्द किया जाए और इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। **शेष पृष्ठ 3 पर**

राहुल का नाम लिए बिना रिजिजू बोले-वे चर्चा नहीं चाहते : ये सिर्फ पॉलिटिकल ड्रामा

● इससे विपक्ष का नुकसान, हमारा बहुमत, हमें कोई समस्या नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि अगर किसी दल का नेता बहस या चर्चा में रुचि नहीं रखता और सिर्फ राजनीतिक ड्रामा करना चाहता है तो विपक्ष का नुकसान हो रहा है, सरकार का नहीं।

किरण रिजिज ने कहा कि सांसद जनता की आवाज उठाने आए हैं संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू शनिवार (30 अगस्त) को बेंगलुरु में 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसदीय प्रणाली' विषय पर वकीलों के संगठन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं युवा सांसदों से कहता हूं कि जब आपका नेता

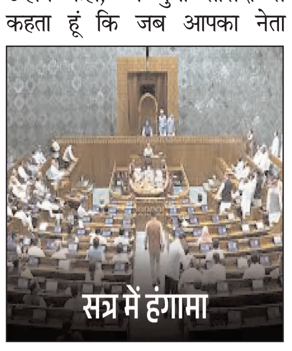

आपको संसद में हंगामा करने के लिए कहे तो उसका विरोध करें। आप संसद में जनता की आवाज उठाने के लिए आए हैं, न कि केवल हंगामा करने के लिए। विपक्षी सांसदों ने स्पीकर की चेयर की तरफ कागज फेंके थे संसद में 12 अगस्त को दोनों सदनों में बिहार SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई।

शाम 4:30 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा होने लगा। विपक्षी सांसदों ने कागज फाड़कर स्पीकर की कुर्सी की ओर फेंके। इस दौरान भाजपा सांसद जगदंबिका पाल सदन की कार्यवाही चला रहे थे। उन्होंने कहा- उपनेता (विपक्ष) की ओर से इशारा किया गया। इसके बाद कागज फाड़कर चेयर की ओर फेंके गए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- आपने सदन की गरिमा गिराई है। देश आपको माफ नहीं करेगा। आपके क्षेत्र के लोग आपसे दुखी होंगे।

किरेन रिजिजू ने कहा-
सरकार बहुमत में है और चाहे तो विधेयक पास करवा लेगी, लेकिन इससे विपक्ष के सांसदों का ही नुकसान होगा।

अब तेजस्वी यादव ने कर दी विवादित टिप्पणी

नीतीश कुमार को बता दिया 'चिट मिनिस्टर'

एजेंसी

पटना। बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' में भाषा की सारी सीमाएं टूट गईं। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की गई। अब, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' को लेकर नीतीश सरकार पर विवादित टिप्पणी कर दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विवादित बयान देते हुए उन्हें 'चिट मिनिस्टर' बता डाला। राजद नेता ने कहा कि नीतीश सरकार के पास अपना कोई विजन नहीं है। बिहार की जनता इनके चाल और चरित्र को समझ चुकी है और अब परिवर्तन लाएगी। पटना में रविवार को मीडिया से बातचीत में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो चीटिंग कर ही रहे हैं। उनका अपना विजन तो है नहीं। वह मुख्यमंत्री की तरह नहीं, बल्कि 'चिट मिनिस्टर' की तरह काम कर रहे हैं। इनके पास अपना कोई विजन

नहीं है। बिहार की जनता इनके चाल और चरित्र को पहचान गई है। अब परिवर्तन लाएगी।'दरअसल, बिहार मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को महिलाओं के रोजगार के लिए नई योजना 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की स्वीकृति दी।

'मन की बात' : खेल दुनिया में जम्मू -कश्मीर को मिली पहचान : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

● मोदी बोले- प्राकृतिक आपदाएं हमारे देश की परीक्षा ले रहीं ।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बाढ़ और तबाही की घटनाओं के बीच जम्मू -कश्मीर में हाल में खेलों के दो बड़े आयोजन हुए हैं जिन्होंने राज्य को खेलों की दुनिया में नयी पहचान दी है। श्री मोदी ने आकाशवाणी से रविवार को प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 125वीं कड़ी में कहा ' बाढ़ और बारिश की इस तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो बहुत खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इन पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया लेकिन जब इन उपलब्धियों के बारे में जानेंगे तो बहुत खुशी होगी। राज्य के पुलवामा के एक स्टेडियम में पुलवामा का पहला डे नाईट क्रिकेट मैच खेला गया जिसमें रिकॉर्ड संख्या में लोग एकत्रित हुए। पहले ऐसा होना असंभव था लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है। ये मैच 'रॉयल प्रीमियर लीग' का हिस्सा है, जिसमें जम्मू- कश्मीर की अलग-अलग टीमें खेल रही हैं। इतने सारे लोग, खासकर युवा, पुलवामा में रात के समय, हजारों की तादाद में क्रिकेट का आनंद लेते दिखें-ये नजारा वाकई देखने लायक था।'

श्री मोदी ने राज्य के एक और खेल आयोजन का जिक्र करते हुए कहा ÷दूसरा आयोजन जिसने ध्यान खींचा, वो है देश में हुआ पहला ' खेलो इंडिया जल स्पोर्ट्स उत्सव' और वो भी श्रीनगर की डल झील पर हुआ। सचमुच, ऐसा उत्सव आयोजित करने के लिए ये कितनी खास जगह है।

इसका उद्देश्य है जम्मू-कश्मीर में जल क्रीड़ा को और लोकप्रिय बनाना है। इसमें पूरे भारत से 800 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया। महिला एथलीट भी पीछे नहीं रही और इसमें उनकी भागीदारी भी लगभग पुरुषों के बराबर थी। मैं उन सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने इसमें भाग लिया। विशेष बधाई मध्य प्रदेश को, जिसने सबसे ज्यादा मेडल जीते, उसके बाद हरियाणा और ओडिशा का स्थान रहा। जम्मू-कश्मीर की सरकार और वहाँ की जनता की आत्मीयता और मेहमान नवाजी की मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ।' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस खेल उत्सव का अनुभव लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने ऐसे दो खिलाड़ियों से बात की जिन्होंने इसमें हिस्सा लिया, उनमें से एक हैं ओडिशा की रश्मिता साहू और दूसरे हैं श्रीनगर के मोहसिन अली। श्री मोदी से बातचीत करते हुए रश्मिता साहू ने कहा 'मैं कैनोइंग प्लेयर हूँ। मैं 2017 से कैनोइंग शुरू किया था और मैंने राष्ट्रीय स्तर में, नेशनल चैंपियनशिप और नेशनल गेम्स में हिस्सा लिया है। मेरे पास 41 मेडल्स है जिनमें 13 स्वर्ण पदक, 14 रजत और 14 कांस्य पदक हैं। मैं जिस गाँव से आती हूँ उसमें खेल की कोई सुविधा नहीं है। नदी में बोटिंग करते कैनोइंग के बारे में पता चला था तो मैं जगतपुर में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र गई और खेल से जुड़ी। मैं पहली बार कश्मीर गई थी। वहां खेलो इंडिया, पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स आयोजित किया गया था। उसमें मेरे दो इवेंट थे और मैंने दोनों में गोल्ड मेडल हासिल किए हैं 7 मैं सब बच्चों से यही कहूंगी कि खेल को छोड़ो मत, खेल से बहुत आगे जा सकते हैं।' खिलाड़ी मोहसिन अली ने श्री मोदी से कहा, 'मैंने गोल्ड मेडल जीता। कश्मीर में यह खेल पहली बार हुआ है । मेरी पूरी फैमिली खुश है। स्कूल वाले भी सब खुश हैं, कश्मीर में सब बोलते हैं आप गोल्ड मेडलिस्ट हो।

मनोज जरांगे का अनशन जारी, बोले-मराठा आरक्षण पाने के लिए यह अंतिम लड़ाई

-बातचीत के लिए रिटायर्ड जज को भेजने की सीएम फडणवीस की आलोचना की

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे और सरकार द्वारा नियुक्त प्रतिनिधिमंडल के बीच शनिवार को बातचीत बेनतीजा रही। मुंबई के आजाद मैदान में जरांगे का अनशन रविवार को भी जारी रहा। मुंबई पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन के लिए दी गई अनुमति शनिवार को एक और दिन के लिए बढ़ा दी। आजाद मैदान स्थित धरना स्थल और उसके आसपास यातायात प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों की भीड़ के कारण वाहनों की आवाजाही पर असर पड़ा। कुछ प्रदर्शनकारियों को सड़कों पर नहाते देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मनोज जरांगे ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे को बातचीत के लिए भेजे जाने पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की आलोचना की। न्यायमूर्ति शिंदे मराठा आरक्षण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष हैं। जरांगे ने कहा कि मराठों को आरक्षण देने की घोषणा करने वाला सरकारी प्रस्ताव जारी करना न्यायमूर्ति शिंदे का काम नहीं है। सीएम फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की मांगों को कानूनी और संवैधानिक ढांचे के भीतर पूरा करने के लिए काम कर रही है। वहीं, एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा था कि इन मुद्दों को हल करने के लिए एक संवैधानिक संशोधन जरुरी है, क्योंकि कुल आरक्षण की एक सीमा है। जरांगे ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि सभी मराठाओं को ओबीसी के तहत आने वाली कृषि प्रधान जाति ''कुनबी'' के रूप में मान्यता दी जाए, ताकि समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिल सके। जरांगे ने कहा कि यह आंदोलन आरक्षण पाने के लिए समुदाय की ''अंतिम लड़ाई'' है। बता दें मनोज जारंगे पाटिल मराठा आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार से आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर हैं और शनिवार को राज्य सरकार ने पहली बार उनसे चर्चा शुरू की। न्यायमूर्ति शिंदे ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ शनिवार को भूख हड़ताल स्थल पर जारंगे पाटिल से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब 40 मिनट तक चर्चा हुई। जारंगे ने पुरजोर मांग की कि सरकार को यह फैसला सुनाना चाहिए कि मराठवाड़ा के मराठा कुनबी हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि हैदराबाद-सतारा राजपत्र के मुताबिक सभी को कुनबी प्रमाण पत्र दिए जाएं। वहीं न्यायमूर्ति शिंदे ने कहा कि हैदराबाद राजपत्र में मिले कुनबी रिकॉर्ड मिल गए हैं और उन्हें और समय दिया जाना चाहिए। यह कहते हुए कि प्रमाण पत्र रविवार से शुरू किए जाने चाहिए, उन्हें इसके लिए एक मिनट का भी समय नहीं दिया जाएगा, जारंगे ने स्पष्ट किया कि आरक्षण के मुद्दे पर उन्हें और समय नहीं मिलेगा।

जम्मू-कश्मीर में दुर्घटनावश गोली लगने से सैनिक की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल जिले में दुर्घटनावश गोली लगने से सैनिक की मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के कांस्टेबल छोटू कुमार मानसबल इलाके में पहुंचने के बाद एक ट्रक से कूद रहे थे, तभी उनकी सर्विस राइफल से दुर्घटनावश गोली चल गई। अधिकारियों ने बताया, ''उनकी राइफल का 'ट्रिगर' गलती से दब गया। कांस्टेबल कुमार को ठोड़ी के नीचे गोली लग गई जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

एयर इंडिया के विमान में आग के संकेत के बाद दिल्ली लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानों में आए दिन कुछ न कुछ खराबी की खबरें आ रहीं हैं। इसी बीच आज दिल्ली से इंदौर जा रहा एयर इंडिया का एक विमान रविवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग का संकेत मिलने के चलते वापस लौट आया। विमान में सवार सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एयरलाइन ने बिना कोई और जानकारी दिए कहा, 31 अगस्त को दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरने वाला एआई 2913, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दिल्ली लौट आया क्योंकि कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन में आग का संकेत मिला था। एयर इंडिया ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विमान को जांच के लिए रोक दिया गया है और यात्रियों को एक दूसरे विमान में शिफ्ट किया जा रहा है, जो जल्द ही इंदौर के लिए उड़ान भरेगा। एयर इंडिया ने बताया कि मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए, कॉकपिट क्रू ने इंजन बंद कर दिया और दिल्ली लौट आया, जहां विमान सुरक्षित रूप से उतरा। एयरलाइन ने कहा कि हवाई सुरक्षा नियामक डीजीसीए को घटना के बारे में जानकारी दे दी गई है।

सितंबर में फिर शुरु होगी चारधाम यात्रा, अब तक 27.57 लाख तीर्थयात्री कर चुके दर्शन

चमोली (एजेंसी)। मानसून के थमते ही सितंबर में चारधाम यात्रा शुरु हो जाएगी। बद्रीनाथ एवं केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी यह बात बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कही। उन्होंने बताया कि कपाट खुलने से 29 अगस्त तक बदरीनाथ धाम में 1285296 और केदारनाथ धाम में 1472385 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। इस तरह दोनों धामों में 2757681 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। बता दें वर्तमान में बरसात के मौसम में हुई अतिवृष्टि आपदा से प्रदेश को जन धन की क्षति हुई है उसका असर चारधाम यात्रा पर भी हुआ है, यात्रा मार्ग कई बार भूस्खलन से अवरुद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया एसडीआरएफ एनडीआरएफ सहित पुलिस प्रशासन तीर्थयात्रियों की मदद कर रहे हैं। बद्रीनाथ केदारनाथ यात्रा अवरोधों के बावजूद चलती रही है। उन्होंने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि मौसम की स्थिति एवं पूर्वानुमान का आंकलन कर ही यात्रा करें।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में युद्ध कौशल 3.0 बड़ा युद्ध अभ्यास किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहां एक ओर चीन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के मतभेदों को खत्म करने की कोशिश की हैं वहीं, दूसरी और भारत दुनिया को दिखा रहा हैं कि वह अपनी भूमि के साथ एक इंच का भी समझौता नहीं करेगा। इसी कड़ी में भारतीय सेना ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में युद्ध कौशल 3.0 नामक एक बड़ा युद्ध अभ्यास किया है। यह अभ्यास ऊंचे, दुर्गम इलाकों और कठोर मौसम की स्थितियों में युद्ध की तैयारियों को परखने के लिए किया गया था। इस अभ्यास में ड्रोन, एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और अन्य उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य यह दिखाना था कि भारतीय सेना भविष्य के युद्धों के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें जमीन, हवा, अंतरिक्ष और साइबर जैसे कई डोमेन में एक साथ काम करने की क्षमता को प्रदर्शित किया गया। अभ्यास में खास तौर पर अश्विनी प्लाटूनों को भी शामिल किया गया, जो नई तकनीकों और युद्ध रणनीतियों को मिलाकर काम करते हैं। यह अभ्यास तब हुआ है जब चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर अपनी दावेदारी करता रहा है। यह अभ्यास चीन को यह सीधा संदेश देता है कि भारत अपनी सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है और अपनी जमीन के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। यह दिखाता है कि भारत कूटनीतिक बातचीत के साथ-साथ अपनी सैन्य ताकत को भी लगातार मजबूत कर रहा है।

सीवर टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात में दुखद घटना सामने आई है, जहाँ बिगाही गांव में एक नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। इस घटना में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब एक मजदूर मुबीन (26) शटरिंग हटाने के लिए सीवर टैंक में उतरा और जहरीली गैस के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मुबीन को बचाने के लिए उसके साथी मजदूर सर्वेश कुशवाहा (32) और मकान मालिक सुरेंद्र गुप्ता उर्फ अमन (22) भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस के प्रभाव में आकर अपनी जान गँवा बैठे। मुबीन के भाई इसरार (22) ने भी उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी गैस से प्रभावित हुआ। लोगों ने सभी को बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने मुबीन, सुरेंद्र और सर्वेश को मृत घोषित कर दिया। इसरार का इलाज अभी भी जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये सभी युवक बिना किसी सुरक्षा उपकरण के टैंक में उतरे थे, जो इस हादसे का एक मुख्य कारण बना। इस घटना की जाँच जारी है।

भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और इसके लिए कुर्बानी देती : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के उन आरोप का खंडन किया है कि भारतीय जनता पार्टी यूज एंड थ्रो (इस्तेमाल करो और छोड़ दो) की राजनीति करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और इसके लिए कुर्बानी भी देती रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अखिलेश यादव से ही यह सवाल किया कि उन्हें कब इस्तेमाल किया गया था, क्योंकि बीजेपी राष्ट्र के लिए काम करती है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश ने बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में हिस्सा लेकर बीजेपी पर आरोप लगाया था कि वहां लोगों और पार्टियों को इस्तेमाल करके छोड़ देती है। गिरिराज सिंह ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर भी हमला बोला। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के बयान को लेकर उन्होंने कहा कि यह टीएमसी का दुर्भाग्य है और ममता बनर्जी को इसके लिए माफी माँगनी चाहिए। उन्होंने टीएमसी को मुड़कटवा पार्टी कहकर कहा कि जब उनके खिलाफ कोई चुनाव जीतता है, तब उस लटका दिया जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि टीएमसी को गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि इस तरह के मजाक का उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। चुनाव आयोग द्वारा तीन लाख लोगों को नोटिस भेजे जाने के मामले पर, गिरिराज सिंह ने आयोग के कदम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत का नागरिक ही वोट देगा, और जो नागरिक नहीं है, उसे वोट देने का अधिकार नहीं है।

आज गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़, यहीं होगा उनका अस्थायी पता

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अगले सप्ताह छतरपुर के गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले हैं। शहरी विकास मंत्रालय ने उनके लिए सरकारी बंगला आंवटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ अगले हफ्ते सोमवार को 15 गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले हैं। चूंकि धनखड़ को अभी तक सरकारी बंगला अलॉट नहीं हुआ है। इसके बाद बंगले की मरम्मत और साज-सज्जा पूरी होने तक वे अस्थायी रूप से छतरपुर फार्महाउस में रहने वाले है।

सरकार के सूत्रों का कहना था कि धनखड़ ने शहरी विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर नियमों के तहत मिलने वाले सरकारी आवास की मांग की है। हालांकि मंत्रालय ने अभी तक उन्हें बंगला अलॉट नहीं किया है। शहरी विकास मंत्रालय के अधीन आने वाले डायरेक्टर ऑफ एस्टेट ने धनखड़ के लिए 34 एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग स्थित टाइप-8 का बंगला खाली कराया है, लेकिन सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों की ओर से उपराष्ट्रपति सचिवालय को बताया हैं कि इस बंगले की मरम्मत और साज-सज्जा का काम पूरा होने में करीब तीन महीने का समय लगेगा। परंपरा के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री को दिल्ली के लुटियन जोन में टाइप-8 श्रेणी का बंगला आवंटित होता है। इसके अलावा, अगर वे चाहें उन्हें उनके पैतृक स्थान पर दो एकड़ भूमि दी जाती है। धनखड़ ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पद संभाला था और 21 जुलाई 2025 को उन्होंने अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अब उन्हें सरकारी आवास की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

उत्तराखंड में 24 घंटों में 369 फीसदी ज्यादा बारिश, पुल बहा, गांवों से संपर्क टूटा

-कई जिलों में भूस्खलन, बाढ़ से जनहानि, बागेश्वर सबसे ज्यादा प्रभावित

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड में पिछले 24 घंटों में करीब 369 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई, जिससे कई जिलों में भूस्खलन, अचानक बाढ़ और जनहानि हुई। बागेश्वर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जहां सामान्य 4 मिमी की तुलना में 84 मिमी बारिश हुई और करीब 2,000 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। कपकोट तहसील में भारी बारिश के कारण कई घर तबाह हो जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल हुआ है, जबकि तीन अन्य लापता हैं।

मीडिया रिपोर्ट में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि उत्तराखंड के चमोली जिले में ज्योतिर्मठ-मलारी राजमार्ग पर शनिवार देर रात भारी बारिश के कारण तमक बरसाती नाले में आई बाढ़ से एक पुल बह गया जिससे नीति घाटी के सीमांत क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा गांवों और सीमा पर तैनात सैनिक व अर्धसैनिक बलों का मोटर संपर्क टूट गया। चमोली जिला प्रशासन ने बताया कि सुराहीथोटा और जुम्मा के बीच तमक नाले के ऊपरी क्षेत्र में भारी बारिश से देर रात बाढ़ आ गई जिससे वहां बना सीमेंट और कंक्रीट का पुल बह गया।

अलकनंदा नदी की सहायक जलधारा धौलीगंगा के किनारे स्थित इस क्षेत्र में हुई घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुल बहने से तमक से आगे नीति घाटी के सीमांत क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा जनजातीय गांवों और सीमा पर तैनात सैनिक एवं अर्धसैनिक बलों का मोटर संपर्क ठप हो गया। करीब तीन साल पहले भी यहां से करीब पांच किलोमीटर आगे जुम्मा मोटर पुल भी इसी तरह बह गया था।

इस बीच, बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग, चमोली और ज्योतिर्मठ के बीच दो स्थानों-भनीरपानी और पागलनाला पर मलबा आने से बंद है। जिला प्रशासन का कहना है कि मार्ग पर यातायात बहाल करने के लिए मशीनों से मलबा हटाया जा रहा है। केदारनाथ को चमोली से जोड़ने वाला कुंड-चमोली राष्ट्रीय राजमार्ग भी बैरागना के समीप भूस्खलन से अवरुद्ध है जिसे खोलने के प्रयास जारी हैं।

अमेरिकी शुल्क से जयपुर, जोधपुर सहित पूरे राजस्थान के हस्तशिल्प निर्यातक परेशान : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए शुल्कों से राज्य के हस्तशिल्प उद्योग से जुड़े निर्यातक परेशान हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हस्तशिल्प के प्रमुख केंद्र जयपुर और जोधपुर इस स्थिति का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगत रहे हैं। गहलोत ने चेतावनी दी कि निर्यात में कमी से राज्य की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है और इन उद्योगों में कार्यरत कारीगरों और श्रमिकों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने स्थिति को अप्रिय बताया और केंद्र से शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा ''केंद्र सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे तथा निर्यातकों को भरोसा दिलाना होगा कि सरकार उनके साथ हर स्थिति में खड़ी है ताकि उनका मनोबल प्रभावित न हो एवं सभी की आजीविका चलती रहे।'' गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को अमेरिकी शुल्क से प्रभावित व्यापारियों के लिए विशेष पैकेज भी तैयार करना चाहिए।

अफजल अंसारी ने संघ प्रमुख भागवत के बयान का किया समर्थन, नफरत की राजनीति बंद होना चाहिए

जम्मू(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद अफजल अंसारी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने एकता का आह्वान कर नफरत की राजनीति को नकारा था, की प्रशंसा करके पूर्वी यूपी में एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। साथ ही, अंसारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कड़ी आलोचना कर उन पर सामाजिक सद्भाव को नष्ट करने और आम नागरिकों के संघर्षों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

गाजीपुर में जिले की बिजली आपूर्ति पर समीक्षा बैठक के बाद अंसारी ने भागवत की एकता और भाईचारे पर हालिया टिप्पणी का स्वागत किया। अंसारी ने कहा, भागवत ने कहा कि देश को एकता और भाईचारे की ज़रूरत है और नफ़रत का कारोबार बंद होना चाहिए। यह स्वागत योग्य है और मैं उनकी सराहना करता हूँ। अन्य धार्मिक नेताओं को भी इससे सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने वाला दुनिया में आरएसएस से बड़ा कोई संगठन नहीं है। अगर इसके प्रमुख कहते हैं कि हर मंदिर और तीर्थस्थल में शिवलिंग ढूँढ़ने से देश कमज़ोर होगा, तब इस बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। मैं उनके शब्दों का स्वागत करता हूँ और दूसरों को भी उनके सकारात्मक संदेश का स्वागत करना चाहिए।

सपा सांसद ने कहा कि इस्लाम सदियों से भारत का अभिन्न अंग रहा है, इस तथ्य को भागवत ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, इस्लाम कोई नया धर्म नहीं है, यह भारत में बहुत लंबे समय से है और भागवत ने इस सच्चाई को स्पष्ट कर दिया है।

हालाँकि, जब अंसारी ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर उनके निजी जीवन को लेकर निशाना साधा, तब सुर तुरंत राजनीति की ओर मुड़ गए। उन्होंने कहा, दिल्ली में बैठे आका का कोई परिवार नहीं है और उत्तर प्रदेश में बैठे आका का भी कोई परिवार नहीं है। इस पर, अंसारी के बगल में बैठे सपा विधायक जय किशन साहू ने चुटकी लेकर कहा कि वे कोशिश कर रहे हैं। अंसारी ने तुरंत जवाब दिया, मैं एक लाइसेंस प्राप्त परिवार की बात कर रहा हूँ, बिना लाइसेंस वाले परिवार की नहीं। यह उनका दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उन्हें संतान का आशीर्वाद नहीं दिया। अंसारी ने कहा कि मोदी और योगी बिना परिवार वाले हैं, यहाँ तक कि अपनी सात पीढ़ियों का जिक्र कर उन्होंने अपने व्यंग्य को और तीखा बनाने के लिए चाणक्य का भी जिक्र किया।

राजनीतिक मोर्चे पर, अंसारी ने बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव को भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अवध और मगध वाले बयान की प्रशंसा कर कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस बार बिहार में तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनने वाले है। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम क्यों नहीं लिया गया, तब अंसारी ने कहा, रहने दीजिए। वह एक बड़े नेता हैं।

अखिलेश का दावा कहा- बिहार से भाजपा का सफाया होना तय

पटना (एजेंसी)। सपा प्रमुख एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया है कि इस बिहार से भाजपा का सफाया हो जाएगा। अखिलेश ने कहा, मैं तेजस्वी यादव को वोटर अधिकार यात्रा के लिए बधाई देता हूं। इस यात्रा से बिहार के लोगों को यह समझ में आ रहा है कि कैसे उनके अधिकार छीने जा रहे हैं। बिहार का संदेश पूरे देश में जाएगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार बिहार में सौहार्द की जीत होगी। जनता भविष्य बनाने के लिए मतदान करेगी। तेजस्वी यादव ने पहले भी काम करके दिखाया है। एक समय ऐसा था, जब रिकॉर्ड संख्या में नौकरियां दी गई थीं। अब युवाओं को उम्मीद है कि तेजस्वी फिर सरकार में आएंगे तो उन्हें रोजगार मिलेगा। इस बार रोजगार का पलायन नहीं, भाजपा का पलायन होगा।

भाजपा की नीतियों पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा के एसआईआर वाले फैसले सिरफिरे हैं। ये लोग चुनाव आयोग के पीछे छिपकर चुनाव लड़ना चाहते हैं और आयोग के अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अब यह चुनाव आयोग नहीं, जुगाड़ आयोग बन गया है। उत्तर प्रदेश में हमने देखा है, भाजपा को 26 प्रतिशत और 36 प्रतिशत वोट मिलता है, लेकिन वोटिंग हो जाती है 77 प्रतिशत। वर्दी पहनाकर अधिकारियों से वोट डलवाए गए। सरकार और चुनाव आयोग की यह तिकड़ी अब खत्म होगी। बिहार में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश यादव ने स्पष्ट कहा, इसमें सोचने की क्या बात है? तेजस्वी यादव ने काम करके दिखाया है। तेजस्वी यादव ने भी भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने यात्रा में हिस्सा लिया है। आने वाले दिनों में देश का बच्चा-बच्चा बिहार से निकले संदेश को समझेगा। तेजस्वी ने कहा, भाजपा सिर्फ अफवाह फैलाने में माहिर है। इस बार बिहार की जनता पूरी तरह जागरूक है। बिहार लोकतंत्र की जननी है और हम लोकतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे। सरकार और चुनाव आयोग जो साजिश रच रहे हैं, उसे हम सफल नहीं होने देंगे।

इस बार ला-नीना से भारत में पड़ेगी जोरदार सर्दी ! अरब सागर में बन रहा नया सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल मानसून ने पूरे देश में मेहरबान नजर आ रहा है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में लगातार नए सिस्टम बन रहे हैं, जिससे मानसून पूरे सीजन में मजबूत बना रहा। नतीजतन उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक सभी हिस्सों में अच्छी और जोरदार बारिश हुई है। मौसम विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बार मानसून की ताकत के पीछे एक अहम कारण है प्रशांत महासागर क्षेत्र में एल-नीनो के बजाय ला-नीना का सक्रिय होना। यही जलवायु पैटर्न आने वाली सर्दियों पर भी असर डालेगा।

अमेरिका की एजेंसी ने पूर्वानुमान में कहा है कि सितंबर से नवंबर के बीच ला-नीना बनने की संभावना करीब 53 फीसदी है, जबकि साल के अंत तक यह संभावना 58 फीसदी तक जा सकती है। एक बार सक्रिय होने पर यह स्थिति सर्दियों के ज्यादातर समय तक बनी रह सकती है और शुरुआती वसंत तक असर डाल सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बार सक्रिय होने वाला ला-नीना अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, जिसका मतलब है कि इसके प्रभाव हर जगह स्पष्ट तौर पर दिखाई न दें, लेकिन यह सर्दियों का एक मजबूत खाका जरूर तैयार करेगा।

ला-नीना एक प्राकृतिक जलवायु प्रणाली है, जिसमें भू-मध्यरेखीय प्रशांत महासागर का सतही जल सामान्य से ठंडा हो जाता है। इसका सीधा असर ऊपरी वायुमंडलीय पैटर्न पर पड़ता है और वैश्विक मौसम प्रभावित होता है। इसके विपरीत, एल-नीनो के दौरान समुद्र का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। दोनों ही परिस्थितियां उत्तरी गोलार्ध की सर्दियों में सबसे ज्यादा असर डालती हैं। आमतौर पर ला-नीना भारत में सामान्य या उससे ज्यादा मानसून लाता है और इसके चलते कड़ाके की ठंड भी पड़ती है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक ला-नीना के असर पूरी दुनिया में अलग-अलग रूप में दिखाई देते हैं। भारत और एशिया के कई हिस्सों में यह भारी बारिश और कड़ाके की सर्दियां लेकर आता है। अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में यह सूखा पैदा करता है, जबकि अटलांटिक क्षेत्र में तूफानों की तीव्रता बढ़ा देता है। वहीं एल-नीनो भारत में भीषण गर्मी और सूखे की वजह बनता है, जबकि दक्षिणी अमेरिका में अतिरिक्त बारिश का कारण बनता है।

पिछले दशक में 2020 से 2022 तक लगातार तीन साल ला-नीना सक्रिय रहा, जिसे ÷ट्रिपल डिप ला-नीना÷ कहा गया। इसके बाद 2023 में एल-नीनो ने दस्तक दी। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से अब एल-नीनो और ला-नीना जैसी घटनाएं पहले से ज्यादा बार और ज्यादा तीव्रता के साथ

सामने आ सकती हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए भारत में इस बार कड़ाके की ठंड पड़ने की पूरी संभावना है और मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को इसके लिए तैयार रहने की सलाह दी है।

दिल्ली में बाढ़ की चेतावनी, खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना

नई दिल्ली। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण राजधानी में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिसके चलते प्रशासन ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया है। यमुना का जलस्तर 205.41 मीटर पर पहुंच गया है। 2-3 दिन में यमुना का जलस्तर और बढ़ सकता है। इससे पहले बुधवार रात 8 बजे पुराने रेलवे ब्रिज पर जलस्तर 205.35 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, हथिनीकुंड बैराज से करीब 41 हजार क्यूसेक पानी हर घंटे छोड़ा जा रहा है लेकिन दिल्ली में वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 56 हजार क्यूसेक और ओखला से करीब 46 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, पल्ला क्षेत्र में टेंट और राहत सामग्री लगा दी गई है। सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण, राजस्व, स्वास्थ्य, दिल्ली पुलिस समेत सभी विभाग अलर्ट पर हैं। बाढ़ नियंत्रण के लिए राजस्व विभाग की ओर से नोडल अधिकारी प्रीत विहार एसडीएम संदीप यादव ने कहा कि यमुना का जलस्तर 206 मीटर पहुंचने पर राहत और बचाव कार्य शुरू होंगे। दिल्ली बोट क्लब में 40 बोट और गोताखोरों की टीम तैयार है। निचले इलाकों जैसे यमुना बाजार, आईटीओ और कश्मीरी गेट में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पिछले साल की बाढ़ से सबक लेते हुए प्रशासन ने बचाव दल और राहत सामग्री जुटाई है। प्रशासन ने निवासियों से नदी किनारे न जाने और केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से अपडेट लेने की अपील की है। मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दी है लेकिन यमुना के जलस्तर में गिरावट की उम्मीद से राहत है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर चाकू से गोदा

नई दिल्ली। नांगलोई में गाली गलौज का विरोध करने पर तीन आरोपियों ने दो भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया। घायलों की पहचान पवन (26) और अमन (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने पवन के बयान पर शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 27 अगस्त को चाकूबाजी की शिकायत मिली। पवन ने बताया कि वह नांगलोई कैंप नंबर-दो में रहते हैं और बुध बाजार रोड की गली में उनकी कपड़े की दुकान है। 27 अगस्त रात को वह अपनी दुकान बंद कर रहे थे। इसा दौरान पड़ोस में रहने वाले तीन सगे भाई राहुल, आनंद और राज ने नशे की हालत में दुकान के बाहर आकर राहगीरों से गाली-गलौज करने लगे। पवन और अमन ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने चाकू से हमला कर भाग गए। घायलों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मलयाली समाज संग हर्षोल्लास से मनाया ओणम उत्सव

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 31 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल 'मुख्यमंत्री सेवा सदन' में मलयाली समाज के साथ ओणम उत्सव बड़े हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने न केवल पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों में सहभाग किया, बल्कि स्वयं अतिथियों को ओणम के पारंपरिक व्यंजन परोसकर उन्हें घर जैसा अपनापन दिया। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने उपस्थित मलयाली समाज और अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि आप सबको मेरी ओर से ओणम के इस पावन पर्व की ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएँ। यह मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है कि आप सब आज मेरे घर, इस 'जन सेवा सदन' में आए और इस त्योहार का शुभारंभ यहीं से किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओणम केवल फसल और समृद्धि का पर्व नहीं, बल्कि यह भाईचारे, एकता और साझा खुशियों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगभग 10 लाख मलयाली

परिवार रहते हैं, जिन्होंने न केवल अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखा है बल्कि दिल्ली को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध भी किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज ओणम केवल केरल राज्य का उत्सव नहीं है, बल्कि यह अब पूरे भारत और विश्वभर में फैले मलयाली समाज के कारण वैश्विक पर्व बन गया है। यह समाज अपनी मेहनत, ईमानदारी, सहयोगभाव और राष्ट्रप्रेम के लिए पूरे देश में विशेष स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार हर समुदाय को बराबर सम्मान देती है। मलयाली समाज ने दिल्ली को अपनी विविधता, मेहनत और सेवा भाव से और समृद्ध बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आइए, हम सब मिलकर इस पर्व से प्रेरणा लें और दिल्ली को भी ऐसा ही परिवार बनाएं, जहां हर धर्म, हर समाज, हर परंपरा को बराबरी का सम्मान मिले और सब मिलकर दिल्ली को आगे बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने सभी मलयाली परिवारों और नागरिकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आने वाले दस दिनों तक दिल्ली इस पर्व की उमंग और उल्लास में डूबी रहेगी। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाने की दिशा में मिलकर कार्य करें।

दिल्ली के 40% छात्र प्राइवेट ट्यूशन पर निर्भर

दिल्ली में पढ़ाई कर रहे बच्चों के लिए प्राइवेट ट्यूशन अब एक सामान्य हिस्सा बन चुका है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) का शिक्षा पर व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (सीएमएस) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी में करीब 10 में से 4 स्कूली छात्र प्राइवेट कोचिंग ले रहे हैं, जो राष्ट्रीय औसत (27त्र) से कहीं ज्यादा है। दिल्ली इस मामले में देशभर में छठे स्थान पर है। सूची में सबसे ऊपर त्रिपुरा है, जहां लगभग 79त्र छात्र ट्यूशन पर निर्भर हैं। पश्चिम बंगाल और ओडिशा इसके बाद आते हैं। दिल्ली की लड़कियां लड़कों के मुकाबले ज्यादा कोचिंग ले रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42.7त्र लड़कियां और 36.5त्र लड़के ट्यूशन क्लास में जाते हैं। खासकर सीनियर क्लासेज में यह आंकड़ा तेजी से बढ़ जाता है। सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली में हायर सेकेंडरी स्तर पर छात्रों की ट्यूशन पर निर्भरता सबसे ज्यादा देखी गई है। इस स्तर पर 59.2त्र छात्र प्राइवेट कोचिंग ले रहे हैं। शहरी इलाकों में यह आंकड़ा और भी अधिक है, जहां 61त्र विद्यार्थी ट्यूशन ले रहे हैं। इसमें लड़कियां (61.8त्र) लड़कों (60.3त्र) से थोड़ी आगे हैं। वहीं, ग्रामीण दिल्ली की बात करें तो यहां ट्यूशन लेने वाले छात्रों का प्रतिशत काफी कम होकर 31.4त्र रह जाता है। सिर्फ संख्या ही नहीं, बल्कि खर्च में भी दिल्ली आगे है। जहां देशभर में परिवार सालाना औसतन 2,409 रुपये कोचिंग पर खर्च करते हैं, वहीं दिल्ली में यह खर्च 5,643 रुपये है यानी दोगुना से भी ज्यादा। शहरी दिल्ली में छात्र औसतन 5,812 रुपये खर्च करते हैं, जबकि ग्रामीण इलाके में यह आंकड़ा ?2,865 है। दिल्ली की लड़कियां भी लड़कों से ज्यादा खर्च कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बोर्ड एग्जाम और कॉम्पिटिटिव टेस्ट की तैयारी इस ट्रेंड को और बढ़ा रही है। अभिभावक चाहते हैं कि उनके बच्चे बेहतर अंक और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करें, इसलिए वे ट्यूशन पर अधिक खर्च करने को मजबूर हैं।

दीपावली से पहले कारोबारियों को अदा कर दिया जाएगा उनका जीएसटी रिफंडः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि समयबद्ध रिफंड से कारोबारियों को पूंजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी, उनकी मुकदमेबाजी की लागत घटेगी और समग्र रूप से दिल्ली की आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य व्यापारियों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस को मजबूत बनाना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार कारोबारी जगत की आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझते हुए, उनके हितों की रक्षा और संवर्धन के लिए लगातार ठोस व प्रभावी प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में हमारी सरकार ने ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड का गठन भी किया है। विशेष बात यह है कि इस बोर्ड में दिल्ली के व्यापारियों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है, ताकि उनकी समस्याओं व हितों का सही मायनों में समाधान हो सके।

इमारत की तीसरी मंजिल पर बनी कमरे की जर्जर छत गिरी

नई दिल्ली। लगातार हो रही बारिश के बीच सोमवार सुबह मोहन गार्डन इलाके में एक इमारत की तीसरी मंजिल पर बने जर्जर कमरे की छत भरभराकर गिर गई। कमरे में मौजूद तीन लोग मलबे में फंस गए, जिन्हें पड़ोसियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकालकर पास के अस्पताल में भर्ती कराया। तीनों को मामूली चोट लगी है जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है। दमकल विभाग को सोमवार सुबह 7.42 बजे बजे मोहन गार्डन के सिद्धात्री एंक्लेव इलाके में एक इमारत के गिरने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। जांच में पता चला कि तीन मंजिला इमारत के ऊपरी तल पर दो कमरे बने हैं। इसकी छत गार्डर पर टिकी है। यहां एक व्यक्ति का परिवार जिसमें पति-पत्नी उनके चार बच्चे व उनके एक रिश्तेदार रहते हैं। सुबह हल्की बारिश हो रही थी। परिवार के तीन सदस्य कमरे में मौजूद थे। अचानक तेज आवाज के साथ कमरे की छत भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। लोगों ने 35 साल के सुभाष और उनकी भाभी प्रीति और एक बच्चे को मलबे से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने तीनों को बाहर निकालकर पास के अस्पताल लेकर गए। सुभाष के पैर में चोट लगा है, वहीं अन्य दोनों को मामूली चोटें लगी।

NAME CHANGE
I hitherto known as MADHU CHAUDHRI alias MADHU CHAUDHARY D/o RAM SWAROOP W/o SURENDER KUMAR, R/o A - 158 / F-6, Dilshad Colony, Delhi - 110095 have changed my name and shall hereafter be known as MADHU CHAUDHARY.

NAME CHANGE
I, RAMAN KUMAR S/o MOHAN LAL residing at 279, Street No.-1, Near Chote Lal Building, Bhola Nath Nagar, Shahdara East Delhi, Delhi - 110032 have changed the name of my minor Son RANAK ARORA aged 12 Years and he shall hereafter be known as ARIHANT ARORA.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री हिमांशु तंवर गिफ्ट डीड के आधार पर ग्राम छतरपुर, तहसील साकेत (एम.बी. रोड), नई दिल्ली के विस्तारित आबादी लाल डोरा में स्थित, खसरा नंबर 619/7 मिनट (0-8) में शामिल 400 वर्ग गज की निर्मित संपत्ति नंबर 1 की पूर्ण छत के अधिकार (आकाश तक) के साथ फ्रीहोल्ड आवासीय संपूर्ण दूसरी मंजिल के मालिक हैं। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और इसका वित्त पोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा कौशांबी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Shobha Devi W/o Mr. Mhakar is the owner of Freehold Residential House No. 127, area measuring 800 sq. yard., i.e., 668.88 sq. mtrs., out of Khata No. 00293 Khasra No. 323/2, Situated at Village Shahdara Tehsil & District Gautam Budh Nagar U.P. by virtue of Gift Deed dated 28.08.2025, which is duly regd., as Doc no. 28215, Book no. 1, Vo. No. 47672, on Pages No. 283-300, on this Dated 28.08.2025, SR - Greater Noida Gautam Budh Nagar., in the chain Document below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Balraj died on 12.04.2019., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Burari Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, AKSHAY GOEL S/o ANURAG GOEL R/o 259, Block HD, HD Duplex Villas, Sector 135, Noida, PO: Maharishi Nagar, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201304 have changed the name of my minor daughter ANVIKA aged 4 years and she shall hereafter be known as ANVIKA GOEL.

NAME CHANGE
It is for general information that I DAVESH MAHTO S/o SAKALDEEP MAHTO residing at Plot No.- 3-B , Off - 3A- 3B , Kh No.-115 , Near Dayal Market, Alipur, PO - Alipur, North West Delhi - 110036 declare that the name of mine has been wrongly written as DEVESH MEHTO in my minor son namely NITISH KUMAR in his 10th Class Educational Document. The actual name of mine is DAVESH MAHTO which may be amended accordingly.

Lost & found
SO No: 430/2014 Delhi Police LR No3161407 /2025 INDERJEET KATHURIA ,S/O RAM KISHAN KATHURIA, R/O A-49,BHIM SEN DHINGRA MARG, NEAR GOL CHAKKAR , KIRTI NAGAR, RAMESH NAGAR, WEST DELHI,-15, Have Lost my ORIGINAL PROPERTY DOCUMENT vide registration no 3772, Vol No 3822, page no 60 to 68 date 16.7.1981 sub Registrar delhi .My perpetual lease deed of Property No. 144, Guru Harkishan Nagar, Paschim Vihar, Delhi-110087,

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHEETU GULATI BAJAJ D/O VIJAY KUMAR EX. WIFE OF LATE SH. GAURAV BAJAJ R/O 43, BHAGYA LAXMI APARTMENT, ROHINI SECTOR-9, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 declare that my husband expired on dated 29.04.2021 and death certificate was issued with Registration No. D-2021:9-56053-000985 dated 03.05.2021. Further I remarried with SUMIT SAGGI S/O VIJAY SAGGI on 26.01.2023 vide marriage certificate No. 90730000213483. Further I have changed the name of mine and my minor son namely ADVITH BAJAJ aged 07 years and we shall hereafter be known as SHEETU SAGGI and ADVITH SAGGI. Further I also declare that the name of the father of my minor son may be known as SUMIT SAGGI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SHWETA GAURAV SRIVASTAVA D/O ANIL KUMAR SRIVASTAVA Ex. Wife of ABHIJEET SINHA R/O FLAT NO-I 469, SEVENTH AVENUE, GAUR CITY 1, GREATER NOIDA WEST, DIST GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201306 declare that I got divorce from my husband vide Court Decree No. HMA No. 1574/2014 dated 15-9-2015. Further a baby boy PARV SRIVASTAVA was born to me on 9-9-2021 at Indira IVF Fertility & IVF Centere Shalimar Logices, Rana Pratap Marg, Near National PG College Hazrat Ganj, Lucknow UP through IVF, as Per Certificate dated 20-10-2021. Further I have changed the name of my minor son namely PARV SRIVASTAVA, aged 3 year, and he shall hereafter be known as AVYAN SRIVASTAVA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJNI BALA W/o NARESH KUMAR R/o House No. B-48, Raj Park, Sultanpuri, Cultanpuri C-Block, PO: Sultanpuri C Block, Dist. North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine has been wrongly written as RAJANI in my minor son namely DEVRAJ aged 15 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine is RAJNI BALA.

PUBLIC NOTICE
It is notified to the public at large that my client Sh. Sat Prakash S/o Late Sh. Prabhati, aged about 54 years R/o H. No. 65A, Gali No. 9, Nangli Vihar, Nangli Sakrawati, Najafgarh,, New Delhi-110043, has disowned & disinherited his wife Smt. Sunita, aged about 52 Yrs. & his Daughter Mrs. Shivani W/o Sh. Lakshman Kumar @ Rakesh, aged about 26 Yrs, from all his moveable & immoveable properties and also severed all his relations with them and as such have got no connections with them due to their hostile behavior as both are repeatedly beating to him & pressuring him to convert his relation from Hindu religion to Chistian religion. My client declares that he has already made a Will dated 11.06.2025 in favour of his son Rohit only regarding his properties. Anybody dealing with them will do so at his/her risk, cost and consequences. My clients shall not be responsible for their acts.
B. K. PANDEY, ADVOCATE
Chamber No. 616, Lawyers Chamber Block, District Court Dwarka Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075

NAME CHANGE
I, Nazmin W/o Mohd Zameer R/o 1423 Bazar Chitli Qabar Jama Masjid Delhi 110006 have changed my name to Nazmeen permanently

NAME CHANGE
I, PRAKASH KUMAR JHA S/O INDRASHEKHAR JHA resident of H NO-C1/83, 4TH FLOOR, YAMUNA VIHAR, SEELAMPUR, DELHI-110053 . have changed my name to PRAKASH JHA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MD SHAKEEL S/O KHALIL AHMAD Residing at H No H NO-C-236 GALI NO-09 CHAUHAN BANGER, JAFRABAD, NORTH EAST DELHI 110053 have changed my name to SHAKEEL AHMAD for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
My clients, Pappu Singh S/O Sh. Kishori Lal & his wife Prinka both resident of H.No. K-1/18/818/09 Sangam Vihar, Hamdard Nagar, South Delhi, Delhi-110062, have severed all relations with and disowned their son Kuldeep Singh and his wife Smt. Nirmal(Nimbo), from all their Movable and Immovable properties due to their misconduct. They are no longer under their control. My clients shall not be responsible for their acts or deeds in the future.
RAM PAL SINGH Advocate
CH.NO.665 LAWYERS BLOCK SAKET COURT, COMPLEX NEW DELHI-110017 M.9717877168

NAME CHANGE
I, KANCHI NAGASREENIVAS S/O KANCHI GOPALAIAH R/O C-122, 1ST FLOOR, 6th STREET, KRISHNA NAGAR, SAFDARJUNG ENCLAVE, PO SAFDARJUNG ENCLAVE, DIST SOUTH WEST DELHI, DELHI-110029 have changed the name of my minor daughter PUJITHA KANCHI alias K PUJITHA aged 13 years and he shall hereafter be known as KANCHI PUJITHA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJU VERMA S/O MATADEEN VERMA R/O B-375/2, KH NO.71/9, GROUND FLOOR, CHANDAN VIHAR, PHASE-II, NIHAL VIHAR, NANGLOI PO: NANGLOI, DIST: WEST DELHI, DELHI-110041, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as RAJU and JATIN in my minor son JATIN VERMA aged 15 years in his School Record. The actual name of mine and my minor son are RAJU VERMA and JATIN VERMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAM IKBAL S/O BHUALI R/O H.NO-7 GALI NO-15, 25 FUTA ROAD BUDH VIHAR, GHAZIABAD, PO VIJAI NAGAR, DIST GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201009 have changed my name and shall hereafter be known as RAM IQBAL.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VIKAS S/o AJAY KUMAR R/o X-1/42, Budh Vihar Ph-1, Nithari, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as VIKAS VERMA and SUJATA VERMA in my minor son PIYUSH aged 15 years in his School Records and Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-0111-004973734. The actual name of mine and my wife are VIKAS and SUJATA respectively.

NAME CHANGE
I, HARIOM S/o NARAYAN SINGH residing at 1, School Wali Gali , Samalaka Village, South West Delhi, Delhi - 110037 have changed the name of my minor Son DIVYAM aged 15 Years and he shall hereafter be known as DIVYAM SINGH.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Galphade Mangesh Manohar S/O Manohar Rahu Galphade residing at Kh 514 Room No 18,4th floor Mahipalpurnear Rajender appt new delhi 110037,Permanent Address ward No 4. VTC: Ghusar, District: Akola, Maharashtra, 444003, Declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Manohar Galphade and Durga M Galphade in my service record. The actual name of my father and my mother are MANOHAR RAHU GALPHADE AND DURGA MANOHAR GALPHADE, which may be amended accordingly.

नाम परिवर्तन
मैं गरिमा सुपुत्री श्री जय नारायण,निवासी मकान नंबर 1/19 , ई ब्लॉक ,भाग्य विहार,रानी खेड़ा ,नॉर्थ वेस्ट दिल्ली -110081 मैने अपना नाम गरिमा से बदल कर गरिमा अहिरवार रख लिया है।भविष्य में मुझे गरिमा अहिरवार के नाम से ही जाना जाए।

NAME CHANGE
I, RINKU MONDAL Mother of No-14884115N Rank- SEP/CLK Name-SANTANU MONDAL Presently residing at VILL-SARASBEDIA, PO-RAMGARH, PS-LALGARH, DIST-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721141, have changed my name from RINKU MONDAL to RINKU MANDAL for all future purposes vide Affidavit dated 30/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SWAPAN MONDAL Father of No-14884115N Rank- SEP/CLK Name-SANTANU MONDAL Presently residing at VILL-SARASBEDIA, PO-RAMGARH, PS-LALGARH, DIST-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721141, have changed my name from SWAPAN MONDAL to SWAPAN MANDAL for all future purposes vide Affidavit dated 30/08/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Vipin Sharma,** who have approached **Vastu Housing Finance Corporation Limited,** for Loan Against property **Ground Floor bearing Unit No. GF-1 (LHS), Without Roof/Terrace Rights, Area Measuring 385 Sq. Ft. (42.78 Sq. Yds.), Built-up Property No. 390-A (New No.) & 47-A (Old No.), Built on Land Area Measuring approx. 840 Sq. Ft. (93.33 Sq. Yds.), comprised in Khasra No. 619/21, situated in the abadi Lal-Dora of Village Chattarpur, New Delhi-110074., Mr. Vipin Sharma & Mrs. Kumkum Kumari** Purchased this property through 1) Sale Deed dated 24.12.2024, Vide Regd. Document No. 2024/7/I/13325, in Book No. 1, Volume No. 7578, on Page No. 41 to 74, SRO- South Hauz Khas.
It is to mention that the **1) Sale Deed** dated 24.12.2024 was executed by Mrs. Nisu in favour of 1) Mr. Vipin Sharma & 2) Mrs. Kumkum Kumari, Vide Document No. 2024/7/I/13325, in Book No. 1, Volume No. 7578, on Page No. 41 to 74, SRO- South Hauz Khas, in respect of the said Flat and the Lal Dora (47 a) is missing in the mentioned property. Surviving Membership Certificate are lost issued by SDM confirming Ghanshyam Das, Saroj Garg, and Sumer Chand Goyal are the sole legal heirs of Mr. late Surender Singh and Smc of Ghanshyam Das, is also lost showing that the following persons are his legal heirs, Manju Goyal, charu Aggarwal, Subham Goyal & Priyanka Goyal.
And the said property is going to be mortgaged in **Vastu Housing Finance Corporation Limited, Karol Bagh, New Delhi.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim, demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059a

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client SHAMBHU PRASAD S/o RAMCHANDRA PRASAD R/o H. No. 659, Gali No. 11, Baba Ji Store, Malik Pur Kohi alias Rangpuri Delhi-110037, Permanent add. Village Dulchand Pur, Post Bhandari Ps. Rahui, Distt. Nalanda, Bihar, has disowned his son Rohit Kumar and his wife namely Reena Kumari from inheritance and all his moveable and immovable properties and my client has severed all relations with them and if they will do or have done any wrongful act, they will do so on their own responsibility and my client and his family shall not in any way be held responsible. Who so ever deals with Rohit Kumar and his wife namely Reena Kumari will do so at his own risk and responsibility.
NIKHIL GAUTAM ADVOCATE
CHAMBER NO.651, DWARKA COURT COMPLEX NEW DELHI-110075

NAME CHANGE
It is for general information that I NARESH KUMAR KASHYAP S/o SON PAL KASHYAP residing at House No. D-2/51 ,Nand Nagri ,Mandoli ,PO: Mandoli Saboli ,Dist. North East Delhi - 110093 declare that the name of mine has been wrongly written as NARESH KUMAR in my minor Son namely NAITIK KASHYAP aged 15 Years in his school record . The actual name of mine is NARESH KUMAR KASHYAP which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Mohammedd Zameer S/o Mohd Zaheer R/o 1423 Bazar Chitli Qabar Jama Masjid Delhi 110006 have changed my name to Mohd Zameer permanently

NAME CHANGE
I, Praveen Kumar S/O: Shyam Lal, R/O Kh no-73/25, gali no-1A/21A, Swatantra Nagar, BANKNER, Narela , North West Delhi, Delhi-110040, have changed the name of my minor son Lakshya aged 15 years and he shall hereafter be known as LAKSHYA RATHEE.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SUNITA CHOUDHARY W/O ATUL R/O C-3, NEW DEFENCE COLONY, BHPURA, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 declare that name of husband has been wrongly written as ATUL CHOUDHARY in my minor son namely YUG CHOUDHARY aged 10 years in his school record. The actual name of my husband is ATUL which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SUNITA CHOUDHARY W/O ATUL R/O C-3, NEW DEFENCE COLONY, BHPURA, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 declare that name of husband has been wrongly written as ATUL CHOUDHARY in my minor son namely HIMANSHU CHOUDHARY aged 13 years in his school record. The actual name of my husband is ATUL which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Amardeep S/o Mr. Sarvan Kumar is the owner of Freehold Residential Built-up Property Bearing No. WZ-623, Built-on Plot No. 18, area measuring 200 sq. yds., Out of Mu. No. 361, Killa no. 147, Khewat no. 44. by virtue of SPA dated 31.05.2004 Situated in the area of Village Saleempur Mazra Madipur, Delhi State, Delhi, Abadi Known as Rishi Nagar, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi- 110043., by virtue of Regd. General Power of Attorney Along with ATS & Regd. Will (with in blood relation) dated 14.11.2022 Vide doc. No. 1889, Vol. No. 1443, Book No. 4, Page No. 178 to 181, dated 14.11.2022, SR- VIA, New Delhi. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and First Floor, without roof right front side Portion area measuring 100 sq. yds. Sold too be Mr. Tanishq Kaushik and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi.If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, hitherto known as UTTAM BALHARA S/O BHUPENDER SINGH BALHARA R/O- 159/1-B, NEB SARAI, IGNOU ROAD, SOUTH DELHI, DELHI-110068, have changed my name and shall hereafter be known as LEWIN UTTAM BALHARA.

NAME CHANGE
I, Sushil Kumar Mishra S/o Tarkeshwar Mishra R/o Flat No-B3A-403, Sushant Aquapolish, Crossing Republik, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201016 have changed the name of my minor daughter Akshi Mishra aged 09 years and she shall hereafter be known as Adwaita Mishra.

NAME CHANGE
I Rabinder kumar S/o Asgari D-36 Anand Vihar Nagli Sakrawati Najafgarh, New Delhi south West Delhi, Delhi-110043 have Change My Name Rabindar kumar For all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Aman Kumar S/O NARESH KUMAR R/O FLAT NO.B-1104, TOWER -B, THE GOLDEN PALM SOCIETY, SECTOR 168, OPPOSIT ADVANT NAVIS MALL SECTOR 168 Noida Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as AMAN KUMAR ARORA.

PUBLIC NOTICE
I HITHERTO KNOWN AS ANAMIKA SINGH DIO NARESH KUMAR R/O B-1104, GOLDEN PALM SOCIETY, SECTOR-168, NOIDA GAUTAM BUDDHA NAGAR U.P-201301. HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS ANAMIKA SINGH ARORA.

NAME CHANGE
I, Name-PARVESH KUMAR SHARMA residing at VPO-SUJTI, TEHSIL-BARAUT, DIST-BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250625, have changed my mother's name from SARLA SHARMA to SARLA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 14/09/1967 instead of her correct date of birth as 01/01/1964 vide Affidavit dated 30/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Name-PARVESH KUMAR SHARMA residing at VPO-SUJTI, TEHSIL-BARAUT, DIST-BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250625 have changed my father's name from SHRI MAHESH CHAND to MAHESH for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 04/09/1962 instead of his correct date of birth as 01/01/1964 vide Affidavit dated 30/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Rohit Kumar Vasdev s/o RAVI VASDEV r/0 928 sec 17 Faridabad Haryana have change name to ROHIT VASDEV FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, Ayub khan S/O Jabbar Miyan R/O 292 Block-P 1 T-huts Park Sultanpuri C Block Sultanpuri C Block North West Delhi Delhi - 110086, have changed the name of my minor son namely Mohd. Shahid aged 16 years and he shall hereafter be known as MD SHAHID.

NAME CHANGE
I, GUNITA DEVI wife of JC-340923M, Rank-SUB MAJ, Name-N SHANTI KUMAR SINGHA residing at VILL-MACHPARA, PO-BANSKANDI, DIST-CACHAR, ASSAM-788009, have changed my name from GUNITA DEVI to L GUNITA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 11/08/2025 before Notary Public, West Bengal.

NAME CHANGE
I Suhail Begum (Misspelled name), W/o Tasneem Uddin, R/o 2356 Shah Abul Khair Marg, Near Jama Masjid, Turkman Gate, Central Delhi-110006. The true spelling of my name is SAHAIL BEGUM, have changed my name to Sahail Tasneem after marriage. Suhail Begum, Sahail Begum and Sahail Tasneem are the same person. This declaration is for all official, legal and social purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Nutan Devi W/o Prashant Kumar Singh Permanently residing at Bangra Uijain, Bangra, Siwan, Bihar-841245 Presently residing at Qtr No-154/03 Me Line 505 ABW Delhi Cantt PIN-110010 declare that name of mine has been wrongly written as Nvtan Devi in my minor son Arpit Kumar Singh aged 15 years in his School Records. The actual name of mine is Nutan Devi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MOHD MUSTAFA MALIK S/o MUNNA KHAN MALIK, R/o H.No.A-443 Block-A Jawahar Mohalla, Patparganj, Po. Patparganj East Delhi-110091 declare that name of mine and my father has been wrongly written as MOHAMAD MUSTAFA and MUNNA KHAN in my 10th class educational Documents and name of mine and my father has been wrongly written as MD MUSTAFA and MUNNA KHAN in my 12th and BA. L.L.B Educational Documents. The actual name of mine and my father are MOHD MUSTAFA MALIK and MUNNA KHAN MALIK, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED DATED 02.08.2010 EXECUTED BETWEEN MRS. RAMPALI IN FAVOUR OF MRS. BRAHMWATI IN RESPECT OF P LOT OF LAND AREA MEASURING 50 SQ.YDS. PART OF KHASRA NO. 1467, SITUATED SHANTI KUNJ, PART 2, VILLAGE LONI (CHAKBANDI AREA), PARGANA AND TEHSIL LONI, DISTT: GHAZIABAD, U.P., DULY REGD. AS DOC. NO. 20158, ORIGINAL SALE DEED DATED 16 .08.201 3 EXECUTED BETWEEN MRS. BRAHMWATI IN FAVOUR OF MRS. BABITA IN RESPECT OF P LOT OF LAND AREA MEASURING 25 SQ.YDS. PART OF KHASRA NO. 1467, SITUATED SHANTI KUNJ, PART 2, VILLAGE LONI (CHAKBANDI AREa), PARGANA AND T EHSIL LONI, DISTT: GHAZIABAD, U.P ., DULY REGD. AS DOC. NO. 36414 & ORIGINAL SALE DEED DATED 17.10.2014 EXECUTED BETWEEN MRS. BABITA RANI IN FAVOUR OF MRS. BALA DEVI IN RESPECT OF PLOT OF LAND AREA MEASURING 25 SQ.YDS. PART OF KHAS R A NO. 1467, SITUATED SHANTI KUNJ, PART 2, VILLAGE LONI (CHAKBANDI AREA), PARGANA AND T EHSIL LONI, DISTT: GHAZIABAD, U.P ., DULY REGD. AS DOC. NO. 28434 IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 28549 ON PAGES 75 90 ON DT. 17.10.20 14 IN THE OFFICE OF SRO IV, GHAZIABAD. HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. ARUN KUMAR S/O MR. ASHOK PAL SINGH AND SAID OWNER MR. ARUN KUMAR PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 10.12.2024 EXECUTED BY MRS. SITA DEVI. NOW MRS. KUSUM W/O SUNIL R/O BAGHPAT BUDHERA, U.P. 250611 IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. ARUN KUMAR, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH EASY HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032 MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I, Praveen Kumar S/O: Shyam Lal, R/O Kh no-73/25, gali no-1A/21A, Swatantra Nagar, BANKNER, Narela , North West Delhi, Delhi-110040, have changed the name of my minor son Lakshya aged 15 years and he shall hereafter be known as LAKSHYA RATHEE.

NAME CHANGE
I, Akanksha D/o Shri Ashok Singh & W/o Shri Anupam Kumar Anveshi, permanent R/o 89 Gola Road, Bazar Samiti, Panchsil Nagar, Dinapur-Cum-Khagaul, Patna, Bihar-800012, presently residing at J-19, First Floor, Paryavaran Complex, Neb Sarai, South Delhi, Delhi-110068, have changed my name to Akanksha Anveshi for all purpose.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Rahul Kumar alias Rahul Randhawa S/o Rajkumar R/o 164/FF Shakti Khand-III, Indirapuram Ghaziabad , Indirapuram , Shipra Sun City Ghaziabad Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as Rahul Randhawa.

NAME CHANGE
I, Musarraf Khan/ Musarraf Ali S/o Sabir R/o H.No.134, Street No.3, Azad Chowk, Old KArdam Puri Extn., Babar Pur, Delhi-110094 have changed my name to Musharraf Khan.

NAME CHANGE
I, Farzana W/o Musharraf Khan R/o H.No.134, Street No.3, Azad Chowk, Old KArdam Puri Extn., Babar Pur, Delhi-110094 have changed my name to Farzana Begum.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Shrey Mittal (25% undivided share) & Mrs. Lata Mittal (75% undivided share) is the owner of Freehold Residential Built-Up Property No. C-101, area measuring 152 sq. yard i.e., 127.09 sq. mtrs., out of Khasra no. 732 min, situated in the revenue estate of village Nawada, Delhi State Delhi, area abadi known as Colony Block-C, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Sale Deed dated 19.03.2019 which is duly registered as Doc. No. 5816, Book No. 1, Volume no. 4178, Pages. 41-49, SR- II-B, Janakpuri New Delhi. in the chain Document below mentioned documents not available i.e. (1) Original Sale Deed dated 29.06.1972, (2) Original Notarized General Power of Attorney, ATS & Will dated 22.12.1986, & (3) Original Notarized General Power of Attorney, ATS & Will dated 04.03.1987, (4) Original Notarized General Power of Attorney, ATS & Will dated 27.11.1990,(5) Original ATS and Will dated 29.08.2018 & (6) Original ATS and Will dated 19.11.1998,now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Same Property sold too be Mr. Mukesh Kumar and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Ghaziabad, Uttar Pradesh.If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

तय समय में कार्य करे एंजेसी, नहीं तो होगी कार्रवाई : निगमायुक्त नीरज

एजेंसी

हिसार। निगमायुक्त नीरज ने शहर के विकास कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान निगमायुक्त अधिकारियों के साथ टाउन पार्क पहुंचे और टाउन पार्क में चल रहे नवीनीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया।निरीक्षण में पाया गया कि मेन गेट, ऑडिटोरियम, झील में पत्थर लगाने का कार्य, लाईटों के कार्य, बागवानी के कार्य लगभग 80 प्रतिशत हो चुका है। हालांकि पार्क के पीछे के कार्य, शौचालयों का कार्य और पार्किंग आदि कार्यों में देरी पाएगी गई। निगमायुक्त ने शनिवार का इस निरीक्षण के दौरान अधिकारियों, ठेकेदार और कंसल्टेंसी एजेंसी को निर्धारित तय समय में बाकी सभी कार्य पूर्ण किए जाए। साथ उन्होंने कार्य में देरी के लिए दोनों एंजेसियों को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि अगर तय समय में कार्य पूरा नहीं हुआ तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एक्सईएन जयवीर डूडी, एमई अमित बेरवाल, जेई अजय सिहाग, ठेकेदार और कसंल्टैन्सी एंजेसी से संदीप सैनी मौजूद रहे।

प्रदेशभर में फूंके जाएंगे कांग्रेस और राहुल गांधी के पुतले : बड़ौली

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली सोनीपत के गोहाना में पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया बयानों की निंदा की और कई राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल भाजपा के नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि हैं। राहुल गांधी ने उनके खिलाफ हल्के शब्दों का प्रयोग किया है, जिसकी भाजपा कड़ी निंदा करती है। उन्होंने बताया कि इसकेविरोध में प्रदेशभर में कांग्रेस और राहुल गांधी के पुतले फूंके जाएंगे। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर जब उनसे पीएम मोदी के पुराने बयानों का जिक्र किया गया तो बड़ौली ने कहा कि कोई भी नेता अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करे, यह उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का कोई भी नेता इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करता। राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों पर उन्होंने कहा कि आयोग स्वतंत्र संस्था है और अपना काम कर रहा है। सीसीटीवी फुटेज देना या न देना उसका अधिकार है। भाजपा इसमें किसी का बचाव नहीं कर रही। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद परउठ रहे सवालों पर बड़ौली ने साफ कहा कि इस विषय पर पार्टी ने अभी तक कोई बैठक या फैसला नहीं किया है। मीडिया में चल रही खबरें सिर्फ अटकलें हैं।

पलवल के उपायुक्त ने जांची नेटबॉल खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाएं

पलवल। पलवल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित की जा रही चार दिवसीय नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप सीनियर वर्ग (फास्ट पाइव) के दूसरे दिन जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने आयोजन स्थल का दौरा किया। इस दौरान उपायुक्त ने खिलाड़ियों को उपलब्ध करवाए जा रहे भोजन समेत अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान खिलाड़ियों से भी बातचीत कर फीडबैक भी लिया। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि पलवल में कराई जा रही नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में देशभर के 26 राज्यों से 600 से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए हैं। इन खिलाड़ियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा भोजन, ठहरने, सुरक्षा समेत सभी व्यवस्थाएं कर रखी है। इन व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। उनका प्रयास है कि यहां देशभर से आए खिलाड़ी पलवल से सुनहरी यादें लेकर जाएं। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान महाराष्ट्र की खिलाड़ी श्रायु, हरियाणा की पलक, माही व साहिल तथा पंजाब की अमन समेत अन्य खिलाड़ियों से बातचीत कर फीडबैक लिया। इन खिलाडियों ने बताया कि उन्हें भोजन, ठहरने समेत सभी व्यवस्थाएं काफी अच्छी लगी हैं। उन्हें यहां किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आई है। इन खिलाडियों ने हरियाणा सरकार व खेल मंत्री गौरव गौतम समेत जिला प्रशासन का दी जा रही सुविधाओं के लिए आभार भी जताया।

हरियाणा विधान सचिवालय सेवा नियम में होगा बदलाव

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने मानसून सत्र पर रिपोर्ट जारी करते हुए कहा है कि चार दिनों तक चले इस सत्र में 21 घंटे 8 मिनट की कार्यवाही हुई। पहले और दूसरे दिन 71, तीसरे दिन 72 और चौथे दिन 70 विधायक मौजूद रहे। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्पीकर ने कहा कि हरियाणा विधान सचिवालय सेवा नियम 1981 में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए भारत सरकार के पूर्व विधि एवं न्याय सचिव डॉ. के.एन. चतुर्वेदी की सेवाएं ली जा रही हैं। उन्हें हरियाणा विधान सभा सचिवालय में वरिष्ठ विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र से पहले लोकसभा की तर्ज पर एआई बेसड रिकार्डिंग व ट्रांसलेशन लागू होगी। अब विधानसभा में एआई आधारित प्लेटफार्म को मजबूत किया जाएगा। विधानसभा के अधिकारियों व कर्मचारियों को ड्राफ्टिंग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्पीकर ने कहा कि विधानसभा अधिकारियों की एक टीम को जल्द ही विशेष ट्रेनिंग के लिए लोकसभा में भेजा जाएगा। चंडीगढ़ में हरियाणा के विधायकों के लिए बनाए गए एमएलए हॉस्टल के विस्तार का ऐलान करते हुए उन्होंने कहा कि यहां एक डिस्पेंसरी भी बनाई जाएगी।

युवा खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

'मेजर ध्यान चन्द हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। '

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की तरह अनुशासन, मेहनत और समर्पण के मार्ग पर चलें। उन्होंने वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में हरियाणा के खिलाडियों द्वारा सबसे अधिक मैडल जीतने के लिए प्रेरित भी किया। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित 'साइक्लाथोन' कार्यक्रम में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले , मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रमदान करके 'स्वच्छ कुरुक्षेत्र , मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमान' का शुभारम्भ किया। हरियाणा के खेल विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में साइक्लाथोन और स्वच्छता को जोड़कर युवाओं को स्वच्छ और स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्यमंत्री ने साइक्लाथोन में हिस्सा लेने से पूर्व 'मेरा कुरुक्षेत्र ,

मेरा अभिमान' वेबसाइट भी लांच की जिस पर कुरुक्षेत्र के लोग स्वच्छता से संबंधित फोटो अपलोड करके अपने सर्टिफ़िकेट डाऊनलोड कर सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो व्यक्ति को ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देती है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। उन्होंने मेजर ध्यानचंद को उनके जन्मदिवस पर नमन करते हुए कहा कि मेजर ध्यान चन्द हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में इसीलिए मनाया जाता है, ताकि हमारे खिलाड़ी उनके जैसी लगन और मेहनत करके वैसी ही उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए प्रेरित हों। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेजर ध्यान चन्द भारत माता के महान सपूत थे। उनके नेतृत्व में भारतीयों ने हॉकी का स्वर्णिम इतिहास रचा। इसके फलस्वरूप हॉकी को 'राष्ट्रीय खेल' का दर्जा मिला। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम को उन बुलन्दियों पर पहुंचाया, जिनसे हमने तीन बार ओलम्पिक स्वर्ण पदक जीते।

पानीपत में एक सितंबर से वाहनों के लिए लागू होगा ऑड-ईवन फार्मूला

एजेंसी

पानीपत। पानीपत शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सोमवार से ऑड-ईवन फार्मूला लागू होगा। शहर में रात दिन दौड़ रहे ई रिक्शा, ऑटो व अवैध वाहनों पर भी प्रशासन रोक लगा सकता है। इसी को लेकर प्रशासन ने की ई रिक्शा चालकों और ऑटो चालकों के साथ ऑड-ईवन फार्मूला लागू करने को लेकर बैठक की। उपायुक्त विरेंदर कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने नया कदम उठाया है। जिले में 'ऑड-ईवन फार्मूला' सोमवार एक सितंबर से लागू किया जा रहा है। फिलहाल इसका पहला ट्रायल कुछ वाहनों पर सप्ताह भर किया जाएगा। जिसके बाद परिणामों का आकलन कर प्रशासन की सहमति पर आगे निर्णय लिया जाएगा। इसी संबंध में जिला सचिवालय सभागार में निगम के अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी और ट्रैफिक पुलिस उप अधीक्षक सुरेश सैनी ने शहर के ऑटो चालकों और ई रिक्शा चालकों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और कुछ आवश्यक दिशा निर्देश दिए । उन्होंने बैठक में सुझाव भी मांगे। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अगर ट्रायल सफल रहा तो इसे बड़े पैमाने पर पूरे जिले में लागू किया जाएगा। प्रशासन ने वाहन चालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन सभी की जिम्मेदारी है और इस फार्मूले से शहर को बड़ी राहत मिलेगी। विवेक चौधरी ने बताया कि इस फार्मूले का मुख्य उद्देश्य सड़क पर लगने वाले जाम को कम करना, ईंधन की बचत करना और सड़क हादसों को रोकना है। ट्रैफिक पुलिस उप अधीक्षक सुरेश सैनी ने बताया कि शहर में रात दिन दौड़ते 4032 ई रिक्शा और 3414 ऑटो रिक्शा के रजिस्ट्रेशन के अंतिम अंक को ऑड-ईवन में शामिल करके उसे लागू किया जा रहा है।

बेसहारा गौवंश के लिए प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया 413 करोड़ रुपये का अनुदान- अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गऊशालाओं में रखे जाने वाले बेसहारा गौवंश के लिए वर्ष 2014 से लेकर अब तक प्रदेशभर में 413 करोड़ रुपये की राशि का अनुदान गौशालाओं को प्रदान किया गया है। इसी कड़ी में गौशाला एवं गौसदन विकास परियोजना के तहत आज श्री विज ने रामबाग गऊशाला समिति, अम्बाला छावनी को 20 लाख 77 हजार रुपये व भगवान श्री परशुराम गौशाला खतौली को 3 लाख 11 हजार रुपये की राशि के चैक गऊशालाओं के प्रतिनिधियों को प्रदान किए। मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोगों का गऊ माता के प्रति जो मन में सम्मान है, उसी सम्मान के तहत वे अपनी स्वेच्छा से आगे आकर गऊशालाओं की सहायता करें ताकि सड़क पर कोई भी आवारा पशु /गौवंश न हो। सरकार द्वारा समय-समय पर गऊशालाओं के संचालन के लिए सहयोग देने का काम किया जाता है, लेकिन इस कार्य में आमजन का सहयोग भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गऊशालाओं के संचालन के लिए बजट में भी बढोतरी की गई है तथा नई गऊशालाएं भी खोलने का काम भी किया है, जिसका उद्देश्य है कि कोई भी गौवंश आवारा सड़क पर न घूमे। उन्होंने गऊशालाओं के प्रतिनिधियों द्वारा बेसहारा गौवंश के रख-रखाव के लिए किए जा रहे कार्यो की भी सराहना की और कहा कि प्रतिनिधि इस प्रकार के कार्य को इसी सेवाभाव के साथ करते रहें, जिसके लिए उनका सहयोग उन्हें हमेशा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जब लोग आगे आकर गऊशालाओं का सहयोग करेंगे तो गऊशालाएं सक्षम बनेंगी और कोई भी बेसहारा गौवंश सड़क पर नहीं होगा। इस दौरान गऊशालाओं के प्रतिनिधियों ने मंत्री अनिल विज व प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

कृत्रिम अंगों द्वारा दूसरे की जिंदगी खुशहाल बनाने वाले पुण्य के भागी : राजेश नागर

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राजेश नागर ने कहा कि कृत्रिम अंगों द्वारा लोगों के जीवन में सुखद अवसर प्रदान करने वाले सभी चिकित्सक बधाई के पात्र हैं। आप जैसे योग्य चिकित्सक जरूरतमंदों के जीवन में नई रोशनी लाते हैं। उन्होंने यह बात होटल लेमन ट्री में आयोजित इलिजारोव तकनीक पर सेमिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही। राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि हरियाणा सरकार अपने सभी नागरिकों को बेहतर अवसर देने का प्रयास करती है लेकिन कुछ लोग शारीरिक अक्षमता के कारण उनका लाभ नहीं उठा सकते हैं। यहां तक अपने परिवार का भरण पोषण करने में कामयाब नहीं हो पाते हैं लेकिन जरूरतमंद लोगों के जीवन रोशनी लाने के लिए आपका कोटि कोटि वंदन करना चाहिए। हमारी सरकार भी स्वास्थ्य एवं दिव्यांग जनों की सहायता के लिए अनेक कार्य कर रही है। जिससे उनके जीवन स्तर में

सुधार देखने को मिल रहा है। लिंब रिकंस्ट्रक्शन सोसाइटी की वार्षिक बैठक में देशभर से आए चिकित्सकों ने कृत्रिम अंगों के विषय में अपनी विशेषज्ञता के बारे में खुल कर चर्चा की। इससे पहले सोसाइटी के चेयरमैन डॉ राजेश रोहिल्ला, को चेयरमैन डॉ सुनील चेची, सचिव डॉ विनीत वर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ वीरेंद्र कुमार ने मंत्री राजेश नागर का यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया। इस सम्मेलन में देशभर से करीब 200 चिकित्सकों ने भागीदारी की। जिनमें इटली से आए डॉ मैराजिया कटनी और डॉ जीयोवानी लोवीसेटी, पीजीआई रोहतक के निदेशक डॉ एसके सिंघल और रजिस्ट्रार एवं आर्थोपेडिक एचओडी डॉ रूप सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में जवानों का बढ़ाया हौसला

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने पंचकूला के चौंकी गांव स्थित हरियाणा पुलिस के कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों का हौंसला बढ़ाया। वे कमांडो ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित स्वैट डिस्ट्रिक्ट कोर्स और स्वैट एचएपी कोर्स के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनको 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया था तथा यहां प्रशिक्षित जवानों ने सुरक्षा से जुड़े अनेक साहसिक प्रदर्शन किए। विस अध्यक्ष कल्याण ने एडीजीपी सौरभ सिंह और आईजी (सुरक्षा) पंकज नैन समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एमपी-5 बंदूक से सटीक निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने एके-47, ग्लॉक पिस्तौल इत्यादि हथियारों पर भी हाथ आजमाया। वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए विस अध्यक्ष हरविन्द्र

कल्याण ने कहा कि पुलिस जवानों पर राष्ट्र की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण लेने वाले जवानों को वीआईपी सुरक्षा में तैनात किया जाता है। उन्हें अनेक बार आंतकवादी हमलों जैसी भारी चुनौतियों से भी निपटना होता है। वीआईपी सुरक्षा में तैनात जवानों का कर्तव्य निर्वहन चुनौतीपूर्ण होता है। एक तरफ उन्हें प्रशासनिक आदेशों का पालन करना है, वहीं इस दौरान उन्हें सामान्य लोगों की प्रतिक्रिया भी झेलनी पड़ती है। उन्हें आए दिन साहस और धैर्य की परीक्षा देनी होती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक फिल्म अपने कथानक व प्रस्तुति से दर्शकों को भावविभोर करती है, लेकिन उसके पीछे काफी लोगों की कई माह की सतत साधना होती है। कमांडों भी लंबी साधना से अपने आप को कर्तव्य निर्वहन के लिए तैयार करते हैं। आज इस कार्यक्रम में उनकी इस साधना को प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिला है। कल्याण ने कहा कि आज यहां प्रशिक्षित जवानों के साहसिक और चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन को देख उनके द्वारा की गई साधना की सहज झलक मिलती है। इस दृष्टि से इस कमांडो ट्रेनिंग सेंटर को तपोभूमि कहना न्यायोचित होगा। उन्होंने कहा कि अपने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि हम सबके सामूहिक प्रयास से संभव है। कल्याण ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हर विषय को सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में प्रदेश के विकास को सम्यक गति मिल रही है।

प्रदेश में बनाई जाएगी 'हरियाणा आपदा राहत बल' की दो बटालियन

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश में हरियाणा आपदा राहत बल की दो बटालियन बनाई जाएगी, जो राज्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने और लोगों की सहायता के लिए काम करेगी। इसके अलावा, जिला जींद में फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का शिलान्यास जल्द किया जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में कहा। नायब सिंह सैनी ने कहा कि फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की रिन्यूअल के लिए एनओसी आवेदन करते ही ऑटोमेटिक मिल जाएगी। रिन्यूअल होने के बाद विभाग के अधिकारी 15 दिन में रैन्डम चेक करेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि हर स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही और समय सीमा तय की जाए। साथ ही फायर एनओसी को सीएम डैशबोर्ड के साथ जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने फायर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग एनओसी रखने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नई तकनीक से लैस 101 मीटर वाली अग्रिशमन की दो गाड़ियां जल्द ही खरीदी जाएं, साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफ़ॉर्म की 13 अग्रिशमन वाहन, जो विभिन्न मीटर के होगें तथा 250 अग्रिशमन वाहन भी खरीदे जाऐंगे, जो ब्लॉक लेवल तक होंगे। इसके अलावा, फायर गाड़ियों में लगे पानी के पाइप की क्षमता को एक हजार मीटर तक बढ़ाया जाए ताकि भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में आपदा के दौरान यह काम आ सके। नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टिटयूट में एनडीआरएफ के मानदंडों के तहत कार्य होगे और भूकम्प, आग, बाढ़ आदि आपदा से सम्बंधित ट्रेनिंग करवाई जाएगी।

बरसात के मौसम से निपटने के लिए प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बरसात के मौसम को लेकर प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और हर परिस्थिति से निपटने का तैयार है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसी भी नागरिक को कोई हानि ना पहुंचे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि ऐसे मौसम में जनता भी सावधानी बरते। पहाड़ी क्षेत्र में जाने से बचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य खेल स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने खेल परिसर में खिलाडियों के साथ वालीबाल भी खेला और तीन प्वाइंट भी लिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। देश के जरुरतमंद? और गरीबो की मदद की है। इस बात को विपक्ष हजम नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि से भगवान बुद्ध ने अपना संदेश दिया, चाणक्य जैसे बुद्धिमान नीतिकार पैदा किए, श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने बिहार से प्रकाश फैलाया। ऐसी पवित्र भूमि पर कांग्रेस शीर्ष नेता राहुल गांधी की टिप्पणी शोभनीय नहीं है। उन्हें देश से माफी

मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष अपने कार्यकाल में किए गए विकास कार्यो और उपलब्धियों को बताने का काम करे। यदि तब काम किए होते तो आज ईवीएम को दोष ना देते। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस के सच को जानकर नकार चुकी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 सालों में देश में अभूतपूर्व विकास कर विश्वभर में सम्मान दिलवाने का काम किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इजराइल युद्ध पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि युद्ध में हानियां होना तय है, कहीं जान तो कहीं माल का नुकसान होता है। उन्होंने टैरिफ पर पूछे गए सवाल पर कहा कि देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में हैं। भारत किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है। लगातार देश की जीडीपी में सुधार हो रहा है। देश में लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे मार्ग, यूनिवर्सिटी सहित अनेक विकास कार्यो को गति से करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव से पहले संकल्प पत्र में बहनों को 2100 रुपए देने का वायदा किया था, जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। अब 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का पोर्टल लांच किया जाएगा। इस पोर्टल से बहनें अपना आवेदन कर सकती है। पहले फेज में 20 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद दूसरा फेज लाया जाएगा और फिर तीसरा फेज भी आएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने भी महिलाओं को सम्मान दिए जाने की घोषणाएं की थी, जिन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार है महिलाओं के लिए कोई योजना शुरू नहीं की गई । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है, इसदिन से सेवा पखवाड़ा की शुरूआत की जाएगी। इस सेवा पखवाड़ा के माध्यम से गरीब, जरुरतमंद, दिव्यांगजनों की सेवा की जाएगी।

मोदी शासन में सनातन विचारधारा को मिली नई मजबूतीः रीटा शर्मा

सोनीपत। गोहाना में सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी रीटाशर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सनातन विचारधारा को नई मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि आज भगवान राम भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए हैं, जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति के प्रति विश्वास को और प्रगाढ़ बनाता है।गांव सिकंदरपुर माजरा में श्रीमद भागवत कथा व कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर रीटा शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई और अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक प्रीति रामानुज के साथ सैकड़ों महिलाओं की कलश यात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि भागवत कथा का श्रवण जीवन में सकारात्मकता, धैर्य और सम्बल को बढ़ावा देता है, जो प्रतिस्पर्धा भरे दौर में रामबाण साबित होता है। रीटा शर्मा ने श्रद्धालुओं से युवाओं को धार्मिक आयोजनों में शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें शिक्षा और जीवन के अन्य लक्ष्यों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में प्रेरणा और शक्ति मिलेगी।

हरियाणा पुलिस ने अपनाया ड्रोन आधारित कॉन्टैक्टलेस लॉ एंड ऑर्डर मैनेजमेंट का आधुनिक मॉडल

एजेंसी

करनाल । हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के दूरदर्शी नेतृत्व में पुलिसिंग को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। करनाल के मधुबन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हरियाणा पुलिस ने ड्रोन-आधारित कॉन्टैक्टलेस लॉ एंड ऑर्डर मैनेजमेंट प्रणाली का डेमो दिया गया, जिसे भविष्य की पुलिसिंग की दिशा में क्रांतिकारी कदम माना जा सकता है। इस कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एचपीए मधुबन के डायरेक्ट डॉ अर्शिंदर सिंह चावला ने किया।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है, और इसके प्रयोग से कई जटिल कार्य अब सरल एवं प्रभावी तरीके से किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों से निपटने में तकनीक न केवल पुलिस की क्षमता बढ़ाती है, बल्कि कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में भी मददगार साबित होती है।उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 13 महीनों तक चले किसान आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा

कि उस दौरान पुलिस ने न्यूनतम बल प्रयोग कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का कार्य किया, चूंकि आंदोलन अथवा धरना देने वाले लोग भी हमारे देश के ही नागरिक हैं। अत~ उन पर एक सीमा के अंदर है बल प्रयोग उचित है 7 ऐसे में ड्रोन तकनीक का प्रयोग विशेष रूप से सफल हो सकता है। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई है ताकि भविष्य में इसे व्यवस्थित ढंग से लागू किया जा सके। डीजीपी ने कहा कि आज मधुबन परेड ग्राउंड में हुआ यह डेमोंस्ट्रेशन पूरी तरह सफल रहा और इस अवसर पर उन्होंने इसमें शामिल सभी पुलिस की टीमों को अपनी शुभकामनाएँ और बधाई दी।

NAME CHANGE

I, hitherto known as RISHI KUMAR SINGLA S/o SHIV LAL R/o 426, Kala Sadan, Near Jain Gali Ward No-07, City Police Chowky, Lal Sadak, Hansi, Hisar, Haryana-125033, have changed my name and shall hereafter be known as RISHI KUMAR.

बिल्डर्स सोसायटी में 24 व 30 मीटर रोड निर्माण को लेकर मंत्री राव नरबीर ने की समीक्षा बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि शहर में कई बिल्डर्स अपने प्रोजेक्ट्स की प्री-बुकिंग के समय बड़े-बड़े दावे करते हैं। 24 व 30 मीटर चौड़े रास्ते नक्शों में दिखाते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति यह रहती है कि वह जमीन किसी और की मिल्कियत होती है। बाद में जब खरीदारों को पजेशन दिया जाता है तो ऐसे रास्तों को बंद कर दिया जाता है, जिससे सोसायटी में रहने वाले लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

मंत्री पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में एचएसवीपी, सीटीपी और जीएमडीए अधिकारियों की विशेष बैठक ले रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सड़कें बंद होने से न केवल आवागमन बाधित होता है, बल्कि सोसायटी के अन्य बुनियादी ढांचे पर भी असर पड़ता है। इनमें एसटीपी के पानी का उपयोग, मुख्य ड्रेन से जुड़ाव और अन्य आवश्यक सेवाओं की कनेक्टिविटी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह सीधा जनता के हितों से जुड़ा मामला है और सरकार किसी भी स्थिति में लोगों को असुविधा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग जब भी किसी बिल्डर को ओसी (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) जारी करे तो यह सुनिश्चित करना ज़रूरी है कि बिल्डर ने अपने प्रोजेक्ट में दिखाए गए 24 अथवा 30 मीटर चौड़े रास्तों का वास्तविक निर्माण किया है। यदि ऐसा नहीं है, तो ओसी जारी नहीं किया जाना चाहिए। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने बताया कि इस मुद्दे का स्थायी समाधान तभी संभव है जब मुख्यालय स्तर पर पॉलिसी में बदलाव किया जाए। इस पर मंत्री ने निर्देश दिया कि अधिकारी इस विषय पर अपने सुझावों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें, जिसे जल्द से जल्द मुख्यालय भेजकर स्वीकृति दिलाई जाएगी। राव नरबीर सिंह ने कहा कि बिल्डरों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुनी हुई सरकार में जनता की समस्याओं का समाधान हमारी पहली प्राथमिकता है। किसी भी नागरिक को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि उसके साथ धोखा हुआ है। बिल्डर्स को अपने वादों का पालन करना ही होगा।

अमेरिकी टैरिफ से होने वाले नुकसान को लेकर केंद्र सरकार हुई सतर्क

-निर्यातकों के लिए छूट और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने शुरु की योजना

नई दिल्ली।

अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसके जवाब में भारत ने तुरंत राहत उपाय शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मकसद निर्यातकों को नकदी की कमी से बचाना, उत्पादन को बनाए रखना और नौकरियों को सुरक्षित रखना है। इसके अलावा विशेष आर्थिक क्षेत्रों में छूट और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने की योजना है। अमेरिका ने 7 अगस्त से 25 फीसदी और 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि यह कदम भारत के रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर उठाया गया है। इससे भारत के करीब 49 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है। यह भारत के अमेरिका को होने वाले कुल निर्यात का 55 फीसदी से ज्यादा है। खासकर कालीन (60 फीसदी), टेक्सटाइल (50 फीसदी), रत्न और आभूषण (30 फीसदी) और परिधान (40 फीसदी) जैसे क्षेत्रों पर ज्यादा असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निर्यातकों को ऑर्डर रद्द होने, भुगतान में देरी और नकदी की कमी का डर सता रहा है। सरकार ने इसके लिए कई योजनाएं तैयार की हैं। छोटे और मझोले उद्यमों को खास ध्यान दिया जा रहा है। इनके लिए ब्याज सब्सिडी, फैक्टरिंग, कोलैटरल सपोर्ट, निर्यात नियमों में मदद, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स सहायता दी जाएगी। साथ ही गोदाम सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। सेज यूनिट्स में ऑर्डर घटने की आशंका है।

सरकार इन इकाइयों को विशेष छूट देगी। जीएसटी में टैक्स स्लैब कम करने और ज्यादा सामान को कम टैक्स ब्रैकेट में लाने की योजना है। इससे घरेलू मांग बढ़ेगी, जो निर्यातकों को वैकल्पिक बाजार देगी। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात पर पूरी तरह निर्भर नहीं है। यह मुख्य रूप से घरेलू मांग पर टिकी है। वित्त वर्ष 2025 में 438 अरब डॉलर का माल निर्यात हुआ, जो जीडीपी का 10.4 फीसदी है। कुछ क्षेत्रों में कीमत में बढ़ोतरी सीमित है।

अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित

नई दिल्ली ।

डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी प्रकार की डाक सेवाओं को निलंबित किया है, जिसमें 100 डालर तक के पत्र, दस्तावेज और उपहार भी शामिल हैं। यह कदम अमेरिका में डाक के परिवहन में आने वाली दिक्कतों और नियामक तंत्र की अनिश्चितता के कारण उठाया गया है। अमेरिका ने 30 जुलाई 2025 को एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसमें 800 डालर तक के सामान पर मिलने वाली शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट को खत्म किया है। इसका मतलब है कि अब भारत से अमेरिका जाने वाले सभी डाक सामान पर, चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो, सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) लगेगा। यह शुल्क इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट (आईईईईपीए) के तहत लगाया जाएगा।अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने 15 अगस्त 2025 को कुछ दिशानिर्देश जारी किए, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि शुल्क कैसे इकट्ठा किया जाएगा और कौन सी परिवहन कंपनियाँ इसके लिए योग्य होंगी। इस अनिश्चितता के कारण, अमेरिका जाने वाली हवाई परिवहन कंपनियों ने 25 अगस्त 2025 के बाद डाक स्वीकार करने से मना कर दिया है क्योंकि उनके पास इसके लिए ज़रूरी तकनीकी और परिचालन व्यवस्था नहीं है। इस निलंबन से भारतीय निर्यातकों पर असर पड़ने की उम्मीद है, खासकर वे जो ई-कॉमर्स के माध्यम से छोटे सामान जैसे कपड़े, रत्न, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रॉनिक्स का व्यापार करते हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईआरओ) के महानिदेशक अजय सहाय के अनुसार, इस बदलाव के कारण व्यापार में लगभग एक महीने तक समस्या रह सकती है।

आईओसी अगले पांच सालों में व्यापार बढ़ाने 1.66 लाख करोड़ का करेगी निवेश

कंपनी 2046 तक प्रदूषण को शून्य करने के लक्ष्य पर भी कर रही काम

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) अगले पांच सालों में व्यापार को बढ़ाने के लिए 1.66 लाख करोड़ का निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने बताया कि यह निवेश तेल शोधन, ईंधन विपणन, पेट्रोकेमिकल्स, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा।

वार्षिक शेयरधारक बैठक में उन्होंने कहा कि कंपनी कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलने की क्षमता को मौजूदा 8.07 करोड़ टन हर साल से बढ़ाकर 2028 तक 9.84 करोड़ टन करने की योजना बना रही है। इसके लिए पानीपत, गुजरात और बरौनी में बड़े विस्तार किए जाएंगे। आईओसी देश का सबसे बड़ा पाइपलाइन नेटवर्क भी संचालित करती है। इसे 22 हजार किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा ताकि ऊर्जा को तेजी से और आसानी से पहुंचाया जा सके। इस विस्तार में नेपाल तक पाइपलाइन बिछाने और नए स्टोरेज केंद्र बनाना भी शामिल है।

कंपनी पेट्रोकेमिकल्स को भी एक बड़ा विकास क्षेत्र मानती है। इसकी क्षमता को 2030 तक 43 लाख टन से बढ़ाकर 1.3 करोड़ टन किया जाएगा। इसका मकसद खास तरह के रसायन बनाने पर होगा ताकि हमें इन्हें विदेश से कम मंगाना पड़े। आईओसी अपने 40 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप के नेटवर्क को भी बढ़ाएगी। इन पंपों पर इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जर, बैटरी बदलने के स्टेशन और सीएनजी और एलएनजी बेचने की सुविधा भी होगी। कंपनी 2046 तक प्रदूषण को शून्य करने के अपने लक्ष्य पर भी काम कर रही है। इसके लिए 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे।

आईओसी ग्रीन हाइड्रोजन और हवाई जहाजों के लिए खास ईंधन (एसएएफ) बनाने पर भी काम कर रही है। अगले तीन सालों में कंपनी अपनी नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को एक गीगावाट से 18 गीगावाट तक बढ़ाएगी। साहनी ने कहा कि कंपनी ने अगले पांच सालों में करीब 1.66 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने का संकल्प लिया है, जिसके तहत मुख्य ध्यान पेट्रोकेमिकल्स, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा पर रहेगा।

2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा इस सप्ताह

मुंबई ।

इस हफ्ते 2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। इसमें से एक कंपनी के शेयरों 50 रुपये से भी कम का है। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 1 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

शुक्रवार को मार्केट के बंद होते समय स्टॉक 413.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, एक साल से पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक करीब 14 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 759.55 रुपये और 52 वीक लो लेवल 295.20 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 576.54 करोड़ रुपये का है।

ब्लूगोड एंटरटेनमेंट लिमिटेड का मार्केट के क्लोजिंग के टाईम पर स्मॉल कैप स्टॉक का भाव 31.38 रुपये के लेवल पर था। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 221 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 368 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सो में होगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। ब्लूगोड एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने 2 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी मंगलवार को यह स्टॉक एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेगा। बता दें, कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 33.32 रुपये और 52 वीक लो लेवल 5.62 रुपये है।

2027 के बजट की तैयारी शुरु, 9 अक्टूबर से होंगी प्री-बजट की बैठकें

–सभी मंत्रालय व विभाग लेंगे भाग, खर्च, आय और गैर–कर राजस्व पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2027 का बजट की तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को मंत्रालय ने इसको लेकर एक सर्कुलर जारी कर दिया है। इसमें बताया गया है कि प्री-बजट की बैठक 9 अक्टूबर से शुरू होंगी। ये बैठक नवंबर के मध्य तक चलेंगी। इन बैठकों में सभी मंत्रालय और विभाग हिस्सा लेंगे। यहां खर्च, आय और गैर-कर राजस्व पर चर्चा की जाएगी। गैर-कर राजस्व में यूजर चार्ज और विभागों की बिजनेस यूनिट से होने वाली कमाई शामिल है। इन बैठकों में सकल खर्च और शुद्ध खर्च का भी हिसाब किया जाएगा।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने अगले वित्त वर्ष के बजट अनुमान जमा करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें सभी मंत्रालयों से स्वायत्त संस्थाओं और खास कोष के लिए बनाई गई एजेंसियों का पूरा विवरण मांगा है। साथ ही यह भी पूछा गया है कि इन्हें जारी रखने की जरूरत क्यों है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि खर्च की सीमा सरकार की प्राथमिकताओं और आय के अनुमान को देखते हुए तय की जाएगी।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि अगर 2026 के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान में, या वित्त वर्ष 2027 के आरई और बीई में 10 फीसदी से ज्यादा का फर्क आता है, तो उसका सही कारण देना होगा। सर्कुलर में साफ लिखा है ÷कम जरूरत÷ या ÷ज्यादा जरूरत÷ जैसी अस्पष्ट वजह मान्य नहीं होंगी। सभी मंत्रालयों को अपने बजट अनुमान समय पर और पूरी सटीकता के साथ जमा करने होंगे। ये अनुमान दिसंबर 2025 के आखिर तक या जनवरी 2026 की शुरुआत तक यूनियन बजट सूचना प्रणाली में दर्ज किए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह सब समय पर होना चाहिए ताकि बजट प्रक्रिया बिना देरी के पूरी हो सके।

भारत में अप्रैल से जून तक 10.12 लाख यात्री वाहन की बिक्री हुई

-महाराष्ट्र बिक्री चार्ट में सबसे ऊपर इसके बाद यूपी, गुजरात, कर्नाटक व हरियाणा

नई दिल्ली।

उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस साल अप्रैल-जून की अवधि में भारत में 10 लाख से ज्यादा यात्री वाहन बेचे गए, जिसमें महाराष्ट्र बिक्री चार्ट में सबसे ऊपर है। अप्रैल से जून तक, देश में 10.12 लाख यात्री वाहन विक्रय किए गए और पश्चिमी क्षेत्र 3.21 लाख यूनिट के साथ बिक्री में सबसे ऊपर रही। सियाम द्वारा संकलित बिक्री चार्ट में जून तिमाही में महाराष्ट्र में 1.19 लाख यूनिट बिकीं। इसके बाद यूपी, गुजरात, कर्नाटक और हरियाणा का नंबर आता है। उद्योग निकाय ने कहा कि इस अवधि में देश में दोपहिया वाहन खंड में 46.75 लाख यूनिट बिकीं, जबकि पश्चिमी राज्यों में बिक्री 14.19 लाख यूनिट तक पहुंच गई। यूपी दोपहिया वाहनों की बिक्री में सबसे आगे रहा, जहां कुल 8.18 लाख यूनिट बिकीं, इसके बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु, बिहार और मध्य प्रदेश का स्थान रहा।

सितंबर के पहले हफ्ते में कई कंपनियां अपने शेयरधारकों को देंगी डिविडेंड का तोहफा

नई दिल्ली। सितंबर का पहला हफ्ता शेयर बाजार के निवेशकों के लिए खास होगा। कई कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा देने जा रही हैं। डिविडेंड दरअसल कंपनी के मुनाफे का वह हिस्सा है, जिसे निवेशकों में बांटा जाता है। 1 से 6 सितंबर के बीच अलग-अलग तारीखों पर बड़ी संख्या में कंपनियां फाइनल डिविडेंड, स्पेशल डिविडेंड या फिर अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में एनटीपीसी, ओएनजीसी, ऑयल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, त्रिवेणी टरबाइन, पतंजलि फूड्स जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। वहीं अजमेरा रियल्टी, यशो इंडस्ट्रीज, मोडिसन लिमिटेड जैसी मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियां भी निवेशकों को फायदा देने जा रही हैं। इस दौरान निवेशकों को 0.10 रुपए से लेकर 35 रुपए प्रति शेयर तक का डिविडेंड मिलेगा। इसी हफ्ते इन कंपनियों की रिकॉर्ड डेट भी तय की गई है यानी अगर आप एक्स-डेट से पहले इन कंपनियों के शेयर रखते हैं तो आप डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। सितंबर की शुरुआत निवेशकों के लिए सिर्फ अतिरिक्त कमाई का अवसर ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक निवेश में भरोसा बनाए रखने का सुनहरा मौका भी होगा।

अमेरिकी टैरिफ से निटपने केंद्र और उद्योग संगठनों ने रणनीति बनाने तेज की प्रक्रिया

-सीईए ने कहा-मुख्य लक्ष्य प्रभावित क्षेत्रों को समय पर वित्तीय व नीतिगत मदद देना

नई दिल्ली। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि अमेरिका के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद केंद्र सरकार, निजी क्षेत्र और अन्य स्टेकहोल्डर्स मिलकर प्रभावित निर्यात क्षेत्रों को सहारा देने के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं। अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय सामानों पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लागू कर दिया है, जिसके बाद सरकार ने तात्कालिक रणनीति तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। नागेश्वरन ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक वर्चुअल कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ दिनों से सरकार की ओर से निर्यातकों, उद्योग संगठनों और निजी क्षेत्र की एजेंसियों के साथ चर्चा चल रही है। उनका कहना है कि मुख्य लक्ष्य प्रभावित क्षेत्रों को समय पर वित्तीय व नीतिगत सहायता देना है ताकि वे संकट से उबरकर और मजबूत हो सकें। हालांकि उन्होंने विस्तृत योजना का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक चुनौतियों के बीच ताजा जीडीपी आंकड़े सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में स्थिर कीमतों पर वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही, जबकि नाममात्र जीडीपी 8.8 फीसदी बढ़ी। यह अनुमानित 8-8.2 फीसदी से ज्यादा है और करीब 9 फीसदी तक पहुंचना एक उपलब्धि है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे संकट अक्सर समाज और अर्थव्यवस्था के सभी वर्गों को एकजुट करने और तेजी से कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं, जो सामान्य परिस्थितियों में देर से उठाए जाते हैं।

भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में गिरावट

मुंबई । बीते सप्ताह भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में करीब 2,24,630 करोड़ की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक सबसे अधिक प्रभावित रहीं। यह गिरावट शेयर बाजार में मंदी के संकेत दिख रही है। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स पिछले सप्ताह 1,497.2 अंक (1.84 प्रतिशत) गिर गया। टॉप-10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का मार्केट वैल्यू कम हुआ, जबकि टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में बढ़त देखी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 70,707 करोड़ घटकर 18,36,424 करोड़ हो गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 47,482 करोड़ घटकर 14,60,864 करोड़ पर आ गया।

पेटीएम ने साफ किया, यूपीआई पेमेंट में नहीं आएगी कोई परेशानी

नई दिल्ली ।

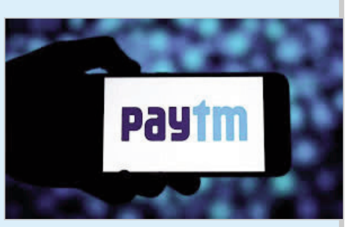

वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेटीएम ने साफ किया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल में बदलावों पर गूगल प्ले की हालिया अधिसूचना अधूरी थी और इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। कंपनी ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई भुगतान में कोई व्यवधान नहीं है और उपभोक्ता व व्यापारी दोनों के लेन–देन निर्बाध बने हुए हैं। पेटीएम ने बताया, इसका मतलब है कि अगर कोई यूजर यूट्यूब प्रीमियम या गूगल वन स्टोरेज या किसी भी आवर्ती प्लेटफॉर्म के लिए पेटीएम यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रहा था, तब उस बस अपने पुराने श्पेटीएम हैंडल को अपने बैंक से जुड़े नए हैंडल, जो श्पीटीएचडीएफसी, श्पीटीएक्सिस, श्पीटीयस या श्पीटीएसबीआई से बदलना होगा।पेटीएम ने बताया कि यह बदलाव, थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में काम करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से मंजूरी मिलने के बाद नए यूपीआई हैंडल्स पर उसके माइग्रेशन का हिस्सा है। आवर्ती मैंडेट्स के लिए अपडेट पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त, 2025 है, यही वजह है कि गूगल प्ले ने यह अलर्ट जारी किया है। ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए, पेटीएम ने कहा कि यह एक आसान अपडेट है जो निर्बाध आवर्ती भुगतान सुनिश्चित करता है

टैरिफ के चलते इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट

-पहली तिमाही की जीडीपी चुनौतियों से निपटने में बन सकती है सुरक्षा कवच

मुंबई।

अमेरिकी टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के दबाव के कारण बाजारों में शुरुआती आशावाद कम होने से इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स 2.2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। मेटल, आईटी, रियल्टी और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली साफ देखी गई, जिनमें 0.5 फीसदी से 1.5 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके विपरीत, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मीडिया और एफएमसीजी शेयरों में 0.4 फीसदी से 1 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन कमजोर रहा, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में क्रमशः 0.57 फीसदी और 0.39 फीसदी की गिरावट आई। प्रस्तावित जीएसटी रेशनलाइजेशन, अनुकूल मानसून आउटलुक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में कमी और सितंबर में फेड दरों में संभावित कटौती जैसे वैश्विक कारकों के कारण इस सप्ताह बाजार सकारात्मक रूप से खुले। अमेरिकी टैरिफ की समय सीमा से पहले सतर्कता बरती गई, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई और तीन सत्रों तक बाजार लाल निशान पर रहा। विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वस्तुओं पर बाद में लगाए गए टैरिफ ने विश्वास को कम किया, जिससे सभी क्षेत्रों में मुनाफावसूली को बढ़ावा मिला। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख ने कहा कि बड़े शेयरों में गिरावट आई, जबकि मध्यम और छोटे शेयरों में बढ़े हुए मूल्यांकन और बढ़ी हुई अनिश्चितता के कारण भारी गिरावट देखी गई। उन्होंने कहा सरकारी खर्च और नीतिगत उपायों से प्रेरित भारत का पहली तिमाही का मजबूत जीडीपी आंकड़ा बाहरी चुनौतियों से निपटने में एक सुरक्षा कवच प्रदान कर सकता है, हालांकि राजकोषीय चिंताएं बनी हुई हैं।

टैरिफ विवादों के समाधान से मार्केट सेंटीमेंट को बढ़ावा मिल सकता है, लेकिन 25 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ निकट से मध्यम अवधि तक प्रभावी रहने की संभावना है।

जिन क्षेत्रों पर असर पड़ने की संभावना है उनमें कपड़ा, उपकरण निर्माता, धातु, ऑटो और समुद्री खाद्य शामिल हैं। आईटी और फार्मा क्षेत्र में सेंटीमेंट पर दबाव देखने को मिल सकता है, हालांकि टैरिफ का उन पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। भारत की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2025 तिमाही में उम्मीदों से बेहतर 7.8 फीसदी की रियल जीडीपी वृद्धि के साथ बढ़त हासिल की। निकट भविष्य में बाजारों में मिश्रित रुझान की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि उपभोग और घरेलू विकास पर केंद्रित क्षेत्रों, जैसे कि एफएमसीजी, ड्यूरेबल्स, विवेकाधीन वस्तुएं, सीमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को जीएसटी में कटौती, मजबूत मांग और सरकारी खर्च में वृद्धि से लाभ होने की संभावना है।

मोदी सरकार को पूर्व आरबीआई गर्वनर राजन की सलाह, ऐसा करने से हमारे निर्यातकों का नुकसान कम होगा

नई दिल्ली ।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सुझाव दिया है कि मोदी सरकार को उन तेल रिफाइनर कंपनियों पर विंडफॉल टैक्स लगाना चाहिए, जिन्हें रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर बड़ा मुनाफा हो रहा है। पूर्व आरबीआई गर्वनर कहना है कि इस टैक्स से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल भारतीय एक्सपोर्टर्स (निर्यातकों) को मदद देने में हो सकता है, क्योंकि हाल ही में अमेरिका ने भारत पर भारी टैरिफ लगाए हैं, जिससे हमारे निर्यातकों को नुकसान हो रहा हैं।

पूर्व आरबीआई गर्वनर राजन ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ के कारण भारत के कई उद्योगों, खासकर छोटे और मझौले एक्सपोर्टर्स, पर दबाव बढ़ गया है और उनकी कमाई पर सीधा असर पड़ा है। राजन का मानना है कि यह कदम दोहरा फायदा देगा। एक ओर केंद्र सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा और दूसरी ओर निर्यातकों को राहत मिल सकेगी। इससे भारत की निर्यात क्षमता को सहारा मिलेगा और वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। राजन ने विंडफॉल टैक्स पर अपने विचार व्यक्त किए। वे कहते हैं, क्या वे अब भी अतिरिक्त मुनाफा कमा रहे हैं? क्या हमें उस मुनाफे में से कुछ लेकर उन निर्यातकों को फायदा पहुंचाना चाहिए जो रूस से तेल खरीदने से नुकसान उठा रहे हैं। वे कहते हैं, क्यों न हम अपने रिफाइनरों पर उनके द्वारा खरीदे गए रूसी तेल के अनुपात में विंडफॉल टैक्स लगाएं और उसे अपने छोटे और मध्यम निर्यातकों को हस्तांतरित करें? इससे यह सुनिश्चित होगा कि भारत में जो लोग रूसी तेल से लाभान्वित होते हैं, वे भी इसका भुगतान करें, न कि दूसरों को भुगतान करने दें।

बात दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी लिमिटेड के नेतृत्व वाली भारतीय रिफाइनर कंपनियां सितंबर में रूस से तेल खरीद में 10-20 प्रतिशत या प्रतिदिन 150,000-300,000 बैरल की वृद्धि कर सकती हैं, रिपोर्ट में बताया गया हैं कि रूस अधिक कच्चा तेल बेचने के लिए कीमतों में कटौती कर सकता है क्योंकि वे यूक्रेन के ड्रोन हमलों से क्षतिग्रस्त हुई रिफाइनरियों में उतना तेल संसाधित नहीं कर सकते। भारत के बिना, रूस को अपने निर्यात को मौजूदा स्तर पर बनाए रखने में कठिनाई होगी। इससे तेल निर्यात राजस्व में कमी आएगी, जिससे क्रेमलिन के बजट और यूक्रेन में रूस के जारी युद्ध का वित्तपोषण होता है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक

अर्थशास्त्री बोले- ऐसी तिमाही को टैरिफ तिमाही कहना उचित होगा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होने पर अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारत में विशाल जीडीपी वृद्धि और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने की क्षमता मौजूद है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एक ऐसी तिमाही में जिसे टैरिफ तिमाही का नाम देना उचित होगा, देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि यह वह तिमाही थी, जब रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की जा रही थी। यह वह समय था जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ की उच्च दरों से नाखुश थी और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता थी। इस समय हमने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। हमें हमारी तुलना विश्व के दूसरे देशों से करनी चाहिए। उन्होंने भारत की जीडीपी की तुलना अलग-अलग देशों से करते हुए कहा कि हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2023 और 2024, दो सालों तक, जर्मनी ने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना अमेरिका से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि -0.5 फीसदी दर्ज की। हमारी तुलना जापान से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक, उन्होंने -0.2 फीसदी नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की है।

विश्व को राह दिखाएं हमारे गांव

भारत डोगरा

विकास का अर्थ यह नहीं होगा कि अनिवार्य तौर पर गांव को पीछे हटा कर शहर ही बढ़ेंगे, अपितु गांवों और खेती-किसानी के विकास को विकास में सबसे महत्त्वपूर्ण और बुनियादी भूमिका दी जाएगी। दीर्घकालीन दृष्टि से देखें तो गांवों में जल-संरक्षण और हरियाली का बना रहना, ये दो सबसे बड़ी जरूरतें हैं। पानी तो विकास का ही नहीं, अस्तित्व का आधार है। सभी प्राकृतिक जल-स्रोतों की रक्षा होनी चाहिए। भू-जल का उपयोग सुरक्षित सीमा तक ही होना चाहिए। जल-उपयोग में पहली प्राथमिकता पेयजल, घरेलू उपयोग और फिर कृषि को मिलनी चाहिए। फसल-चक्र स्थानीय जल उपलब्धि के अनुकूल हेना चाहिए। स्थानीय वनस्पति और वृक्षों की प्रजातियों, को बचाना और पनपाना चाहिए। खाद्य, चारे, वन और मिट्टी संरक्षण के स्थानीय वृक्षों को समुचित मह'व देना चाहिए। विशेषकर पहाड़ों पर पेड़ों और हरियाली को बढ़ाना चाहिए

आज विश्व पर्यावरण विनाश और सामाजिक विघटन का जो संकट झेल रहा है, उसके समाधान के अधिक अवसर महानगरों की अपेक्षा ग्रामीण परिवेश में मिल सकते हैं। यदि भारत के गांवों के लिए उचित नीतियां अपनाई जाएं तो इससे विश्व स्तर के कई उलझे सवालों के समाधान में भी मदद मिल सकती है। इसके लिए जरूरी है कि समता, न्याय और समाज-सुधार की नीतियां अपनाई जाएं। महात्मा गांधी के विचारों से हमें बहुत सहायता मिल सकती है। सबसे प्रमुख सहमति का विषय यह होना चाहिए कि राष्ट्रीय विकास के केंद्र में ग्रामीण विकास होगा, गांवों को अति महत्त्वपूर्ण भूमिका मिलेगी।

विकास का अर्थ यह नहीं होगी कि अनिवार्य तौर पर गांव को पीछे हटा कर शहर ही आगे बढ़ेंगे, अपितु गांवों और खेती-किसानी के विकास को पूरे विकास में सबसे मह'वपूर्ण और बुनियादी भूमिका दी जाएगी। दीर्घकालीन दृष्टि से देखें तो गांवों में जल-संरक्षण और हरियाली का बना रहना, यह दो सबसे बड़ी जरूरतें हैं। पानी तो विकास का ही नहीं, अस्तित्व का आधार है। सभी प्राकृतिक जल-स्रोतों की रक्षा होनी चाहिए। भू-जल का उपयोग सुरक्षित सीमा तक ही होना चाहिए। जल-उपयोग में पहली प्राथमिकता पेयजल, घरेलू उपयोग और फिर कृषि को मिलनी चाहिए। फसल-चक्र स्थानीय जल उपलब्धि के अनुकूल होना चाहिए। स्थानीय वनस्पति और वृक्षों की प्रजातियों, को बचाना और पनपाना चाहिए। खाद्य, चारे, वन और मिट्टी संरक्षण के स्थानीय वृक्षों को समुचित महत्त्व देना चाहिए। विशेषकर पहाड़ों पर पेड़ों और हरियाली को बढ़ाना चाहिए। चरागाहों की रक्षा करनी चाहिए और उन्हें पनपने का अवसर मिलना चाहिए।

खेती की तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो पर्यावरण की रक्षा के अनुकूल हो, टिकाऊ हो, सस्ती हो, स्थानीय संसाधनों पर आधारित हो और बाहरी निर्भरता को न्यूनतम करे। रासायनिक खाद और दवाओं पर निर्भर होने के स्थान पर कंपोस्ट और गोबर-पत्ती आदि की खाद का उपयोग बढ़ाना चाहिए। पशुपालन को प्रोत्साहित करना चाहिए और पशुओं की अच्छी देखरेख होनी चाहिए, उनसे कोई क्रूरता नहीं होनी चाहिए। स्थानीय नस्लों को प्रोत्साहित करना चाहिए। पशुपालक समुदायों की सहायता करनी चाहिए। कृषि और पशुपालन के परंपरागत ज्ञान से भरपूर सीखना चाहिए। प्रकृति की प्रक्रियाओं से सीखते हुए बेहतर कृषि के तौर-तरीके सीखने चाहिए। देशीय नस्ल की मधुमक्खियों और परागीकरण करने वाले अन्य कीट-पतंगों और पक्षियों की रक्षा करनी चाहिए। परंपरागत फसल-विविधता, मिश्रित खेती, को प्रोत्साहित करना चाहिए। फसल-चक्र स्थानीय जल-उपलब्धि और मिट्टी के अनुकूल होना चाहिए और उसका जल-मिट्टी पर अधिक दबाव नहीं पड़ना चाहिए। कृषि का आधार छोटे और मझले किसान हैं। किसी के पास बहुत अधिक भूमि है तो उससे कुछ भूमि ले कर भूमिहीनों में वितरित होनी चाहिए। अन्य उपायों से भी भूमिहीन खेत मजदूरों को भूमि दी जानी चाहिए। भूमिहीनों सहित सभी स्थानीय गांववासियों के लिए आवास-अधिकार सुनिश्चित और स्पष्ट होना चाहिए और इसके लिए आवश्यक भूमि उन्हें प्राप्त होनी चाहिए। सबसे निर्धन गांववासियों को ग्रामीण विकास के प्रयासों में उच्चतम प्राथमिकता मिलनी चाहिए और उनकी टिकाऊ आजीविका सुनिश्चित करने, संसाधन आधार बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए।

विविधता भरी आजीविकाओं और रोजगारों के लिए अर्थव्यवस्था में ऐसे सुधार करने चाहिए जिससे अधिक रोजगारों का सृजन गांव, कस्बे, छोटे शहर के स्तर पर हो और इन रोजगारों में प्रदूषण न्यूनतम रखने के प्रयास आरंभ से हों। दस्तकारियों और हस्तशिल्प व दस्तकारों को प्रोत्साहित करना चाहिए। विविधता-भरे रोजगारों में परंपरागत के साथ आधुनिक रोजगारों (जैसे सूचना तकनीक, पर्यावरण की रक्षा पर आधारित पर्यटन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा ग्रिड आदि) का मिश्रण होना चाहिए। पंचायत स्तर पर स्थानीय किसानों से ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी, मिड-डे मील आदि के लिए विभिन्न कृषि उपज न्याय संगत कीमत पर खरीदनी चाहिए। भोजन पकाने और आपूर्ति का कार्य महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलना चाहिए। बच्चों के साथ असहाय व्यक्तियों के लिए भी मिड-डे मील उपलब्ध होना चाहिए। पंचायतों को मजबूत करना चाहिए और उन्हें अधिक संसाधन मिलने चाहिए, पर जो पद अभी विशेष उपयोगिता के नहीं पाए गए हैं उन्हें धीरे-धीरे हटा देना चाहिए। पंचायत चुनावों से गांव में गुटबाजी और दुश्मनी न आए, इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। न्याय के लिए कोर्ट-कचहरी में भटकने के स्थान पर निशुल्क न्याय पंचायत स्तर पर हो सके, इस दिशा में बढक्ष्ना चाहिए। ग्राम सभा और वार्ड सभा को सशक्त होना चाहिए। विस्थापन या गांव के भविष्य से जुड़े किसी बड़े निर्णय पर ग्राम-सभा के निर्णय को उच्च महत्त्व मिलना चाहिए। विस्थापन की संभावना न्यूनतम करनी चाहिए। फिर भी मजबूरी में किसी को विस्थापित होना पडक्ष् तो उससे पूरा न्याय होना चाहिए। गांव में पुरुषों और महिलाओं के स्वयंसहायता समूहों का गठन होना चाहिए। उनके माध्यम से बचत को हर तरह से प्रोत्साहित करना चाहिए। महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में आगे आने के अवसर मिलने चाहिए और उन्हें इसके लिए पूर्ण सुरक्षा की स्थिति भी मिलनी चाहिए। महिला-विरोधी हिंसा और यौन हिंसा को समाप्त करने को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। महिला जागृति समितियों का गठन होना चाहिए। महिला किसानों को किसान के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए। पति-पत्नी का मिल कर भूमि स्वामित्व होना चाहिए। दहेज प्रथा समाप्त होनी चाहिए। अश्लील सामग्री के प्रसार को रोकने के उपाय होने चाहिए।

सभी गांवों में महिलाओं के नेतृत्व में नशा-विरोधी समितियों का गठन होना चाहिए और शराब सहित हर तरह के नशे की न्यूनतम करने के प्रयास निरंतरता से होने चाहिए। गांवों में शराब के ठेके नहीं खुलने चाहिए और जो पहले से हैं उन्हें हटाना चाहिए। समाज-सुधार समितियां बना कर सब तरह के भेदभाव को गांव में समाप्त करना चाहिए और धर्म, जाति के भेदभाव मिटा कर सब के मेलजोल और सद्भावना को मजबूत करना चाहिए। परस्पर सहयोग से गांव के सामाजिक कार्य आगे बढ़ने चाहिए। एक-दूसरे के त्यौहारों-पर्वों में भागेदारी करने चाहिए और ऐसे मौकों पर सामान्यतः भी गांवों के परंपरागत कलाकारों को प्रोत्साहित करना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, उसमें नैतिक िक्षा का समावेश करने, अच्छी शिक्षा सब तक पहुंचाने और सरकारी स्कूलों को बेहतर करने के प्रयासों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। पंचायत स्तर पर ही सभी सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज की क्षमता वाला स्वास्थ्य केंद्र होना चाहिए। बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम के प्रयासों को इसे विशेष महत्त्व देना चाहिए। विश्व के अति गंभीर हो चले पर्यावरणीय संकट के समाधान के लिए ग्रामीण सभ्यता को बचाना आवश्यक है। यह पर्यावरणीय संकट ग्रामीण सभ्यता की रक्षा के बिना हल नहीं हो सकता है, और भारत जैसे अभी तक ग्राम-प्रधान बने हुए बड़े देश की इस प्रयास में महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी कि एक ग्रामीण सभ्यता के माध्यम से पर्यावरण के गंभीर संकट का समाधान प्राप्त किया जाए।

संपादकीय

सबक लेना जरूरी

देश में प्रति दिन औसतन 86 रेप होते हैं। यह संख्या वह है, जो पुलिस के रिकार्ड में दर्ज की जाती है। हर दिन होने वाले ढेरों रेप या रेप के प्रयास, हिंसक छेड़छाड़ और अभद्रता की संख्या का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट व सूचकांक-2025 के अनुसार दिल्ली समेत पटना, जयपुर, कोलकाता, श्रीनगर, रांची व फरीदाबाद महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित हैं जबकि मुंबई, कोहिमा, भुवनेर, विशाखापत्तनम व गंगटोक सबसे सुरक्षित। कोहिमा व अन्य सुरक्षित शहरों में महिलाओं को ज्यादा समानता, नागरिक भागीदारी, बेहतर पुलिस व्यवस्था व अनुकूल बुनियादी ढांचा बताया जा रहा है। यह सव्रेक्षण देश के इक्तीस शहरों की बारह हजार 770 महिलाओं पर किया गया। दस में से छह महिलाओं ने खुद को अपने शहर में सुरक्षित बताया जबकि 40% ने ज्यादा सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। करीब 91% महिलाएं कार्यस्थल पर खुद को सुरक्षित बता रही हैं। 7% महिलाएं मानती हैं कि सार्वजनिक स्थल पर उन्होंने बीते वर्ष उत्पीड़न झेला। हालांकि हर तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करतीं। 29% सार्वजनिक परिवहन में और 38% पड़ोस में उत्पीड़न का शिकार होती हैं। जिन शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी है, वहां महिलाएं ज्यादा असुरक्षित हैं। स्वीकार करना होगा कि असुरक्षित महसूस करने वाली जगहों के नागरिकों की शिक्षा, सोच व संस्थागत जवाबदेही का कमजोर होना प्रमुख कारण हैं। हालांकि सवा अरब की आबादी में पौने तेरह हजार महिलाओं पर अध्ययन नाममात्र ही कहा जाएगा। ऐसे अध्ययनों में कुछ लाख नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। रस्मादायगी के तौर पर सव्रेक्षण समाज या देश के लिए हितकारी नहीं कहे जा सकते। इनके निष्कषरे के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए। राज्य सरकारों, महिला आयोग जैसी संस्थाओं पर कड़ाई रहनी चाहिए। पितृसत्तात्मक बर्ताव, स्त्री उपेक्षा व लैंगिक विभेद के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होगा। आंकड़ों को प्रकाशित/प्रसारित करने भर की रस्म से सुधार संभव नहीं हैं। जमीनी स्तर पर भी गंभीरतापूर्वक काम होना चाहिए। रेप, छेड़छाड़, व्यभिचार को असुरक्षा की स्थिति से अलग नहीं किया जा सकता। सोच और रवैया, दोनों बदलने के साथ ही संबंधित विभागों, पुलिस और प्रशासन को जिम्मेदार बनाना भी जरूरी है।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

पोषण भी पढ़ाई भी: भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरूआत –अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्ये आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने–न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षाः आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है।

आज के भारत में, खेल अब सिर्फ.मनोरंजन भर नहीं, अपितु –नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुंल स्पखष्ट. और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्यावस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है–जीवन के शुरूआती छह वर्षों में।

वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में–पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरूआत, उतने बेहतर परिणाम–और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है–जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है।

ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है–यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है।

मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरूआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी जोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है।

बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्याँवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरूआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है।

व्य वस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है। जो परिवार पहले कभी आंगनवाड़ियों को केवल पोषण केंद्र मानते थे, अब उन्हें अपने बच्चे की शिक्षा की यात्रा में पहला कदम मानते हैं।

भारत में हर बच्चा जन्म से ही मजबूत शुरूआत का हकदार है। जन्म से तीन साल तक की आयु वर्ग के बुनियादी महत्व को समझते हुए मंत्रालय ने प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय ढाँचा-

नवचेतना की भी शुरूआत की है। यह पहल माता-पिता और देखरेखकताओं को बच्चों के विकास के लिए घर पर ही सरल, खेल-आधारित, आयु के -उपयुक्त गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाती है।

माता-पिता की भागीदारी बच्चे के विकास की कुंजी है। जहाँ एक ओर उच्च आय वाले परिवार खिलौनों और किताबों में निवेश कर सकते हैं, वहीं सरकार की भूमिका कम आय वाले परिवारों के लिए समान अवसर प्रदान करने की है। नवचेतना और पोषण भी पढ़ाई भी के माध्यम से, हम भारत के कोने- कोने में हर बच्चे को शुरू से ही आवश्यक प्रोत्साहन, देखभाल और पोषण मिलना सुनिश्चित करते हुए इस अंतर को पाट रहे हैं।

यदि भारत को सही मायनों में विकसित बनना है, तो हमारी युवा पीढ़ी को जीवन की सही शुरूआत के साथ सशक्त बनाना होगा। खेल कोई विलासिता नहीं है–यह सीखने का आधार है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत के प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिले–क्योंकि राष्ट्र निर्माण की शुरूआत उसके सबसे छोटे नागरिकों के पोषण से होती है।

(केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार)

आर्थिकी: अब निर्यात की नई रणनीति

ड़ॉ. जयंतीलाल भंड़ारी

एक ओर जब 27 अगस्त से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसद टैरिफ लागू कर दिया गया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कोई चाहे कितना भी दबाव डाले आत्मनिर्भर भारत झुकने वाला नहीं है। मोदी ने कहा कि देश के छोटे उद्योगों, किसानों और पशुपालकों के हित सर्वोपरि हैं। इसी परिप्रेक्ष्म में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ से देश की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होने पर केंद्रीय बैंक नीतिगत उपाय कर सकता है।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात प्रोत्साहन के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ा कर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। घरेलू खपत बढ़ा कर भारत कुछ हद तक अमेरिकी व्यापार में होने वाले नुकसान की भरपाई कर सकता है। भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता की प्रक्रिया भी जारी रखी है। अमेरिका ने कहा है कि दोनों देश साथ आएंगे और व्यापार वार्ता से विश्वास बहाल होगा।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर टैरिफ से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तु निर्यात का करीब 55 फीसद यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अपने कुल निर्यात का पांचवा हिस्सा यानी करीब 86.5 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का अमेरिका को निर्यात किया था। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने मुश्किलें खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। खास तौर से देश के सक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित निर्यात पर भारी असर पड़ने का परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि कपड़ा, रत्न, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण, झींगा, हस्तशिल्प और चमड़ा जैसे क्षेत्रों को ऊंचे टैरिफ से भारी नुकसान होना तय है। एमएसएमई की चुनौतियों से बड़ी संख्या में नौकरियां भी खतरे में पड़ गई हैं।

ट्रंप के टैरिफ से उभरीं चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। इस समय देश के पास मौजूद आर्थिक अनुकूलताएं देश की आर्थिक ताकत बन गई हैं। घरेलू बाजार मजबूत बना हुआ है। जीएसटी कलेक्शन बढ़ रहा है। महंगाई नियंत्रित है। इंखस्ट्रक्चर का विकास दिखाई दे रहा है। वैश्विक रेटिंग एजेंसियां भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा जता रही हैं। निर्यात चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए वाणिज्यिक बैंक ब्याज दरों में छूट, कर्ज भुगतान के लचीले विकल्प दे रहे हैं और निर्यात बीमा एवं ऋण गारंटी योजनाएं सुगमता से उपलब्ध करा रहे हैं।

तमाम उपाय किए जा रहे हैं जिनसे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न होने वाली वैश्विक व्यापार की अनिश्चितताओं से बचाया जा सके। इस कड़ी में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे नियातोन्मुख एमएसएमई लाभांवित होंगे। नवाचार पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। चूंकि एमएसएमई आर्थिकी के मजबूत इंजन की तरह काम कर रहे हैं। ऐसे में इस विकास को बनाए रखने के लिए एमएसएमई को सहयोग, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता दी जानी होगी। इन सबके साथ-साथ एमएसएमई क्षेत्र को भी ट्रंप टैरिफ की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी करना होगी। उम्मीद करें कि 27 अगस्त से अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसद टैरिफ की चुनौती से मुकाबले के लिए सरकार निर्यातकों को नई निर्यात प्रोत्साहन योजना की छतरी प्रदान करेगी। उम्मीद करें कि सरकार कारोबारी सरलता, डिजिटल ढांचा, कुशल श्रमिक, वैश्विक बाजार पहुंच, फंडिंग की पर्याप्तता, टेक्नोलॉजी के सहयोग, स्किल डवलपमेंट, अनुपालन बोझ में कमी और निर्यात के नये बाजारों में कदम जैसे रणनीतिक कदमों से एमएसएमई को सहारा देते हुए अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों का सफलता से मुकाबला करते दिखेगी।

संक्षिप्त समाचार

700 अप्रवासी बच्चों को वापस भेजने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के सीनेटर रॉन वायडन ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि ट्रंप प्रशासन लगभग 700 ग्वाटेमाला के ऐसे बच्चों को देश से बाहर भेजने की योजना बना रहा है जो अपने माता-पिता के बिना अमेरिका आए थे। सीनेटर वायडन ने यह जानकारी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की ऑफिस ऑफ रिफ्यूजी रिसेटलमेंट की कार्यकारी निदेशक एंजी सालाजार को भेजे एक पत्र में दी। यह दफ्तर उन बच्चों की देखरेख करता है जो बिना अभिभावक के अमेरिका आते हैं। वायडन ने लिखा कि इन बच्चों को वापस भेजना कार्यालय की बाल कल्याण जिम्मेदारी और इस देश की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता का उल्लंघन होगा।

यमन पर इस्राइली हमले में हूती पीएम रक्षा मंत्री व आर्मी चीफ की मौत का दावा

साना, एजेंसी। इस्राइल ने यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ा हवाई हमला किया है। हमले में हूती प्रधानमंत्री गालिब अल-रहावी और समूह के रक्षा मंत्री समेत कई सैन्य अधिकारी मारे जाने की आशंका है। हालांकि, हूती नेताओं की मौत पर समूह की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अल रहावी एक साल से हूतियों के कब्जे वाले यमन के प्रधानमंत्री थे। हालांकि, उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली थी। इस्राइली मीडिया ने इसे यमन के हूतियों पर सबसे बड़ा हमला करार दिया है। हमला उस वक्त किया गया जब ये शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। हमले की खबर सबसे पहले हूती समूह से संचालित अल मसीरा टीवी ने दी और फिर रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज और आईडीएफ ने भी हमले की पुष्टि की। यमन के अल-जम्हूरिया चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे, जब उन्हें निशाना बनाया गया। हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी इस हमले में मारे जाने की संभावना है।

सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को जेल की सजा, सड़क दुर्घटना में लॉ प्रोफेसर की मौत का दोषी

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक को 2023 में एक सड़क दुर्घटना में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के एक वरिष्ठ लॉ प्रोफेसर की मौत के लिए दो साल एक महीने की जेल और 2,000 सिंगापुर डॉलर के जुर्माने की सजा सुनाई। 7 जुलाई, 2023 को, एक निर्माण मजदूर नटराजन मोहनराज (28) ट्रक चलाते समय अपना मोबाइल फोन देख रहा था और उसी वक्त उसके ट्रक ने एमेरिटस प्रोफेसर टैन यॉक लिन (70) की कार से टक्कर मार दी। इस हादसे में प्रोफेसर की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नटराजन का लापरवाही से गाड़ी चलाने का इतिहास रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें जून 2023 में 25 जुलाई से पहले अपना लाइसेंस सरेंडर करने का नोटिस जारी किया था, लेकिन लाइसेंस सरेंडर करने की समय सीमा से दो हफ्ते पहले ही दुर्घटना हो गई। दुर्घटना के बावजूद, नटराजन ने 2024 में अपना लाइसेंस रद्द होने के बाद भी दो अलग-अलग मौकों पर दूसरी लॉरी चलाना जारी रखा। सिंगापुर मीडिया की रिपोर्ट में कहा कि अदालत ने मोहनराज को सिंगापुर में आजीवन गाड़ी चलाने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

अमेरिकी कोर्ट का बड़ा फैसला, ट्रंप के अधिकांश टैरिफ को बताया अवैध, राष्ट्रपति बोले- ये फैसला तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में संघीय अपील अदालतों में से एक ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए अधिकांश टैरिफ कानूनों के अनुरूप नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को पुष्टि की कि देशों पर लगाए गए सभी टैरिफ प्रभावी रहेंगे। साथ ही हाल ही में एक अत्यधिक पक्षपातपूर्ण अपील न्यायालय के फैसले को गलत बताया।

ट्रंप ने कहा,सभी टैरिफ अभी भी लागू हैं! आज एक बेहद पक्षपातपूर्ण अपील अदालत ने गलती से कहा कि हमारे टैरिफ हटा दिए जाने चाहिए, लेकिन वे जानते हैं कि अंत में जीत अमेरिका की ही होगी। अगर ये टैरिफ कभी हटा दिए गए तो यह देश के लिए पूरी तरह से विनाशकारी होगा। यह हमें आर्थिक रूप से कमजोर बना देगा, और हमें मजबूत होना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी एक संघीय अपील अदालत द्वारा यह फैसला सुनाए जाने के बाद आई है कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम किसी

राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। जैसा कि ट्रंप ने इस वर्ष की शुरुआत में कानून का इस्तेमाल किया था। संघीय सर्किट ने ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए यह बात कही।

सीएनएन के अनुसार न्यायाधीशों ने कहा कि ट्रम्प द्वारा लगाया गया अभूतपूर्व टैरिफ उनकी शक्ति का अतिक्रमण है क्योंकि टैरिफ सहित कर लगाने की क्षमता एक प्रमुख कांग्रेसी शक्ति है जो संविधान विधायी शाखा को प्रदान करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि उनका देश अब बड़े व्यापार घाटे या अन्य देशों द्वारा लगाए गए अनुचित टैरिफ और गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, अगर इसे ऐसे ही रहने दिया गया तो यह फैसला सचमुच अमेरिका को तबाह कर देगा।

मजदूर दिवस सप्ताहांत से पहले ट्रंप ने अमेरिकी कामगारों और कंपनियों की मदद के लिए टैरिफ के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, हम सभी को याद रखना चाहिए कि टैरिफ हमारे कामगारों की मदद करने और बेहतरीन मेड इन अमेरिका उत्पाद बनाने वाली कंपनियों का समर्थन करने का सबसे अच्छा जरिया है। ट्रंप ने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ लगाने की इजाजत देने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा, कई सालों तक, हमारे बेपरवाह और नासमझ राजनेताओं ने टैरिफ को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने दिया। अब, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की मदद से हम अपने देश के हित में इनका इस्तेमाल करेंगे और अमेरिका को फिर से समृद्ध, मजबूत और शक्तिशाली बनाएंगे! रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने जून में संकेत दिया था कि अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ वार्ता श्रम दिवस तक पूरी हो सकती है, हालांकि कानूनी अनिश्चितता के कारण अब यह समय-सीमा जटिल हो गई है।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के कदमों का बचाव किया। प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने विदेशी खतरों से हमारी राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए कांग्रेस द्वारा उन्हें दी गई टैरिफ शक्तियों का वैधानिक रूप से प्रयोग किया। राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ अभी भी प्रभावी हैं और हम इस मामले में अंतिम जीत की आशा करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार घाटे वाले लगभग साठ देशों या व्यापार समूहों पर नए टैरिफ की एक व्यापक श्रृंखला की घोषणा की। ये लगभग 100 वर्षों में अमेरिका द्वारा की गई सबसे बड़ी टैरिफ वृद्धि थी।

मैंने बहुत लोगों का मुंह तोड़ा, पत्रकार पर भड़के ऑस्ट्रेलियाई राजनेता ने दी धमकी, खड़ा हुआ विवाद

ब्रिस्बेन , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के राजनेता बॉब कैटर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकार को धमकाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। यह घटना ब्रिस्बेन में क्वीनस्लैंड संसद भवन के बाहर हुई, जहां एक पत्रकार ने बॉब कैटर से उनके लेबनानी मूल को लेकर सवाल पूछा। इस सवाल से कैटर भड़क गए और उन्होंने गुस्से में पत्रकार की ओर मुट्ठी उठाई।

कैटर ने चिल्लाते हुए कहा, अरे यार, ये मत बोलो! क्योंकि ये बात मुझे गुस्सा दिलाती है और मैंने ऐसे कहने वाले लोगों का मुंह तोड़ा है। मत बोलो ऐसा। मेरा परिवार यहां 140 साल से है। उन्होंने आगे कहा, मैंने कई बार लोगों का मुंह तोड़ा है, लेकिन आज खुद को रोक रहा हूं। मत बोलो ऐसा।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब एक दूसरे पत्रकार ने पूछा कि इस सवाल में क्या गलत है, तो कैटर ने जवाब दिया, मैं इस मुद्दे पर बात नहीं कर रहा। मैं एक ऑस्ट्रेलियाई हूं। मेरा परिवार यहां आदिकाल से है। बात खत्म।

हालांकि, धमकाए जाने के बावजूद चैनल 9 के पत्रकार जॉश बावास ने एक और सवाल पूछा। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत लोग हैं जो दूसरे देशों से

आए हैं, जैसे आप और आपका परिवार, और वे अच्छे मूल्यों को साथ लेकर आते हैं। लेकिन कैटर ने उन्हें बीच में रोकते हुए फिर से गुस्से में कहा, ऐसा मत कहो।

तुम नस्लवादी हो। उन्होंने बावास की ओर उंगली दिखाते हुए कहा, तुम नस्लवादी हो। तुमने जो कहा वो एक नस्लवादी बयान है। कैटर ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पत्रकार और चैनल से माफी की मांग की। उन्होंने लिखा, मुझे ऑस्ट्रेलियाई न मानना मेरे लिए बहुत अपमानजनक है। मैं इसके लिए माफी चाहता हूं।

वहीं, पत्रकार जॉश बावास ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को असामान्य बताया। उन्होंने कहा, मैंने बीते बीस वर्षों की पत्रकारिता में ऐसा कभी नहीं देखा। मैं केवल यह पूछना चाह रहा था कि प्रवासी परिवारों ने इस देश में साझा मूल्यों के जरिए क्या योगदान दिया है, जिसमें कैटर और मेरा परिवार भी शामिल है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी बॉब कैटर की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा, बॉब कैटर मुझे पसंद हैं, लेकिन उन्हें यह वीडियो देखना चाहिए। खुद को देखना चाहिए और समझना चाहिए कि किसी भी ऑस्ट्रेलियाई, खासकर सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती। उन्होंने आगे कहा, आप ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं, जिसका नाम अल्बनीज है। हमारे सीनेट नेता का नाम वोंग है। प्रवासन इस देश को समृद्ध करता है। पहले ऑस्ट्रेलियाई (फर्स्ट ऑस्ट्रेलियन) को छोड़कर हम सब या तो प्रवासी हैं या प्रवासियों की संताने की संताने हैं।

थाईलैंड की अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को किया बर्खास्त, फोन कॉल लीक से जुड़ा है मामला

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को नैतिकता के उल्लंघन के आरोप में शुक्रवार को पद से बर्खास्त कर दिया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सत्ता में आने के केवल एक साल बाद ही हुई बर्खास्तगी के बाद राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका है। पैतोंगतार्न, थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री थी।

अपने फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने जून में लीक हुए एक टेलीफोन कॉल में नैतिकता का उल्लंघन किया है, जिसमें वह कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के सामने झुकती हुई दिखाई दीं। जब दोनों देश सशस्त्र सीमा संघर्ष के कगार पर थे। कुछ हफ्तों बाद लड़ाई शुरू हुई और पांच दिनों तक चली। 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने अपने निजी हितों को राष्ट्र के हितों से ऊपर रखा और देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

आगे क्या होगा? : पैतोंगतार्न शिनावात्रा 17 वर्षों में संवैधानिक न्यायालय द्वारा हटाई जाने वाली पांचवीं प्रधानमंत्री बनीं। उप-प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और वर्तमान मंत्रिमंडल कार्यवाहक के रूप में तब तक सरकार की देखरेख करेंगे जब तक कि संसद द्वारा नए प्रधानमंत्री का चयन नहीं हो जाता, जिसकी तिथि सदन के अध्यक्ष द्वारा तय की जाएगी। संविधान में निचले सदन की बैठक कब होनी चाहिए, इसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है।

शिनावात्रा परिवार को नुकसानः अदालत के इस फैसले से पार्टियों और अन्य सत्ता-दलालों के बीच सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त का रास्ता खुल गया है। जिसका केंद्रबिंदु पैतोंगटार्न के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा हो सकते हैं। क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास केवल सात सीटों का मामूली बहुमत है, जिसका अर्थ है कि गठबंधन से किसी भी तरह की निष्ठा का बदलाव शिनावात्रा राजनीतिक परिवार के लिए महंगा पड़ सकता है।

अमेरिका की संसदीय समिति का चीन पर सख्त रुख एआई चिप निर्यात पर नई रणनीति लागू करने की सिफारिश की

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की विशेष संसदीय समिति के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने वाणिज्य विभाग के सचिव हावर्ड लटकनिक को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने चीन को निर्यात की जाने वाली एआई चिप पर रोलिंग टेक्निकल थ्रेशोल्ड (आरटीटी) रणनीति लागू करने की सिफारिश की है। मूलनार मिशिगन राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं।

इस रणनीति का मकसद यह है कि चीन को जो एआई चिप निर्यात किए जाएं, वे उन चिप से थोड़े बेहतर हों जिन्हें चीन खुद अपने देश में बड़े पैमाने पर बना सकता है। इस तरह अमेरिका अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख सकेगा। साथ ही, इस रणनीति का एक और लक्ष्य यह है कि चीन की कुल एआई कंप्यूटिंग शक्ति अमेरिका की तुलना में केवल 10 तक सीमित रहे, ताकि अमेरिका लंबे समय तक एआई में अग्रणी बना रहे। मूलनार ने पिछले महीने एनवीडिया कंपनी के एच20 जैसे चिप के चीन निर्यात पर नाराजगी जताई थी। ऐसे चिप चीन में बड़े पैमाने पर नहीं बना पाता है और ये चीन में बने चिप की तुलना में काफी उन्नत माने जाते हैं।

संसदीय समिति की अप्रैल 2025 की डीपसीक पर रिपोर्ट के अनुसार, इन चिप ने चीन के सबसे उन्नत एआई मॉडल आर1 को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। मूलनार ने पत्र

में लिखा है, हमने कई बार देखा है कि चीन अपनी तकनीक और हथियार रूस, ईरान और अन्य दुश्मन को देता है, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले होते हैं। खासकर ईरान, चीन की एआई क्षमताओं का लाभ उठाने को तैयार बैठा है।

उन्होंने आगे कहा कि डीपसीक द्वारा चीनी सेना के लिए खास तौर पर तैयार किया गया आर1 मॉडल अब चीन की सैन्य क्षमताओं में एक विकल्प के रूप में शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर चीन ऐसे एआई-सक्षम ड्रोन के झुंड ईरान को बेचता है, जिनमें खुद-ब-खुद चलने की क्षमता, आपस में जुड़ने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और लक्ष्य पहचान जैसी खूबियां हों, तो ये अमेरिका या इस्राइल की सेनाओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मौजूदा सुरक्षा प्रणाली शायद इन तकनीकों का मुकाबला आसानी से नहीं कर पाएगी।

आरटीटी रणनीति का मकसद यह है कि चीन अमेरिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर बना रहे, लेकिन उसकी एआई तकनीक सीमित रहे। संसदीय समिति के अनुसार, इससे अमेरिका की बढ़त बनी रहेगी। इससे पहले मूलनार ने तकनीकी रणनीति पर काम करने वाले क्रैक इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा था कि सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग केवल आर्थिक संसाधन नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए भी बेहद जरूरी है।

आयरिश मिशनरी समेत आठ लोग एक महीने बाद रिहा, अनाथालय पर हमले के दौरान किया गया था अगवा

पोर्ट-ओ-प्रिंस , एजेंसी। आयरलैंड की एक मिशनरी और तीन साल एक बच्चा उन आठ लोगों में शामिल हैं, जिन्हें हैती में बंदूकधारियों ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इन सभी को तीन अगस्त को एक अनाथालय पर हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था। अधिकारियों और पीड़ितों के परिजनों ने उनकी रिहाई की पुष्टि की है।

गिना हेरेटी नाम की यह मिशनरी 1993 से हैती में काम कर रही हैं। वह सेंट-हेलीन अनाथालय में विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वयस्कों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम की निदेशक हैं। उनके परिवार ने कहा, हमारे पास इस राहत को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति का धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारी मदद की। हम हैती के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा की कामना करते हैं, जो लगातार हिंसा से पीड़ित हैं।

आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने एक्स इस रिहाई की पुष्टि की। हालांकि, हैती की सरकार ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। गिना हेरेटी और अन्य सात लोगों को जिस अनाथालय से अगवा किया गया था, वह नोस पेटी फ्रेरे ए सूर्स नाम के एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की ओर से संचालित किया जाता है, जिसके कार्यालय मेक्सिको और

फ्रांस में हैं। संस्था की वेबसाइट के अनुसार, यह अनाथालय 240 से अधिक बच्चों की देखभाल करता है।

इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका विव अंसम नाम के गिरोह के नियंत्रण में है, जिसे अमेरिका ने इस साल विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गुरुवार को अमेरिका ने कहा कि वह हैती में हिंसा से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र से एक नई गिरोह नियंत्रण बल चाहता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बल पहले से तैनात केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल से अलग होगा या उसी का हिस्सा रहेगा।

हैती में लगातार हिंसा बढ़ रही है। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का अधिकांश हिस्सा अब गिरोहों के कब्जे में है। अपहरण की घटनाएं आम हो गई हैं और मिशनरियों को पहले भी निशाना बनाया गया है। वर्ष 2021 में 400 मावोजो नाम के गिरोह ने राजधानी के पास स्थित गंथियर इलाके से अमेरिका की एक संस्था के 17 मिशनरियों को अगवा कर लिया था, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल थे। इनमें से ज्यादातर को 61 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया था।

शांति बहाली में तेजी लाने की कवायद, जेलेंस्की फिर ट्रंप से मिलेंगे ; रूस पर लगाए आरोप

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन बीच तीन साल से चल रहे संघर्ष में स्थिति दिन प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। शांति वार्ता को लेकर चल रहे प्रयास भी धूमिल होते हुए दिख रहे है। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं से अगले हफ्ते मुलाकात करना चाहता है ताकि रूस के साथ चल रही तीन साल की जंग को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा की जा सके। इस दौरान जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि वह शांति वार्ता में कोई गंभीर पहल नहीं कर रहा, बल्कि अब भी यूक्रेन के आम इलाकों पर हवाई हमले कर रहा है।

यूक्रेन राष्ट्रपति कार्यालय प्रमुख आंद्रेई यरमाक ने न्यूयॉर्क में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य है कि वॉशिंगटन समिट में बनी सहमति को लागू किया जाए और कूटनीति को आगे बढ़ाया जाए। यरमाक ने बताया कि पुतिन इस महीने अलास्का में ट्रंप से मुलाकात के बाद भी शांति वार्ता में रुचि नहीं दिखा रहे। उन्होंने कहा कि रूस युद्ध रोकने के लिए जरूरी किसी भी कदम को नहीं मान रहा और जानबूझकर स्थिति को लटकाए रख रहा है।जेलेंस्की ने कहा कि अगले हफ्ते यूरोपीय नेताओं के साथ कई मुलाकातें अलग-अलग जगहों पर होंगी। यूक्रेन ने अमेरिका के सीजफायर प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और जेलेंस्की-पुतिन बैठक के लिए तैयार है, लेकिन रूस ने कुछ आपत्तियां जताई हैं। बता दें कि यूक्रेन ने अब तक कतर, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, स्विट्जरलैंड और अमेरिका में शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

अमेरिका ने कैंसिल किया फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास का वीजा

अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक से पहले फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और 80 अन्य अधिकारियों के वीजा रद कर दिए हैं। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इस कदम को अंतर्राष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया है।

विदेश विभाग के एक अधिकारी ने, जिन्होंने आमतौर पर गोपनीय रहने वाले वीजा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने शुक्रवार को खुलासा किया कि अब्बास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अन्य अधिकारी नए वीजा प्रतिबंधों से प्रभावित लोगों में शामिल हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र मिशन में नियुक्त फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों को छूट दी गई है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा फिलिस्तीनियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने के लिए उठाए गए कदमों की श्रृंखला में बिल्कुल नया है। साथ ही यह ऐसे समय में आया है जब इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। कुछ रुढ़िवादियों द्वारा सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन के बाद, विदेश विभाग ने उस कार्यक्रम को भी निलंबित कर दिया, जिसके तहत गाजा से घायल फिलिस्तीनी बच्चों को इलाज के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी गई थी।

विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि रुबियो ने फिलिस्तीनी अधिकारियों, जिनमें फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, के कुछ नए वीजा आवेदनों को भी अस्वीकार करने का आदेश दिया है।

बयान में कहा गया है, यह हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हित में है कि पीएलओ और पीए को अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन न करने और शांति की संभावनाओं को कमजोर करने के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। इसमें कहा गया है कि शांति के लिए भागीदार माने जाने के

लिए, इन समूहों को अमेरिकी कानून और पीएलओ के वादे के मुताबिक, आतंकवाद का लगातार खंडन करना होगा और शिक्षा में आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करना होगा।

फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने वीजा वापसी की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के रूप में अमेरिकी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन बताया और विदेश विभाग से अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। इसने एक बयान में कहा कि फिलिस्तीनी राष्ट्रपति कार्यालय ने वीजा संबंधी इस फैसले पर गहरा खेद और आश्चर्य व्यक्त किया है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून और मुख्यालय समझौते का उल्लंघन करता है। खासकर इसलिए क्योंकि फिलिस्तीन राज्य संयुक्त राष्ट्र का एक पर्यवेक्षक सदस्य है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि विश्व निकाय विदेश विभाग से स्पष्टीकरण मांगेगा। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि सभी सदस्य देशों, स्थायी पर्यवेक्षकों का प्रतिनिधित्व हो। विदेश विभाग ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी प्राधिकरण मिशन में नियुक्त प्रतिनिधियों को संयुक्त राष्ट्र के साथ अमेरिकी मेजबान देश समझौते के तहत छूट दी जाएगी, ताकि वे न्यूयॉर्क स्थित अपने अभियान जारी रख सकें। ट्रंप प्रशासन ने उन लोगों पर कड़ी कार्रवाई की है जिनके पास अमेरिका आने की कानूनी अनुमति है, और कई बार रद्द किए गए वीजा के बारे में कभी विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी जारी करने के मानकों में ढील दी गई है, ताकि सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी जा सके। उदाहरण के लिए, विदेश विभाग के दूसरे सबसे वरिष्ठ राजनयिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जब अमेरिका ने ब्रिटिश पंक-रैप जोड़ी बॉब वायलन के वीज़ा रद्द कर दिए थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने भीड़ को इजराइली सेना के लिए मौत के नारे लगाने के लिए प्रेरित किया था। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि अब्बास ने संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की योजना बनाई थी। साथ ही उनसे महासभा को संबोधित करने की उम्मीद की जा रही थी।

जानकारी

बाथरूम, टॉयलेट और किचन की सफाई के लिए ब्लीच वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक

हाल ही में की गई एक स्टडी से मालूम पड़ा है कि जो लोग अपने घर की साफ-सफाई में ब्लीच क्लीनर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनके घर की हवा प्रदूषित हो रही है। ऐसे घर की हवाओं में कई बीमारियां पल रही हैं, जिसका ध्यान न रखा जाए तो आप भी इसके शिकार हो सकते हैं। क्या आप अपने घर की साफ-सफाई का बहुत ख्याल रखते हैं। अपने घर के टॉयलेट्स, फर्श और वॉश-बेसिन को अच्छे क्लीनर्स और ब्लीच का इस्तेमाल करके साफ करते हैं, तो इस साफ-सफाई के साथ आप अपने घर की हवाओं को प्रदूषित कर रहे हैं। जी हां, इसे सुनकर हैरान न हों क्योंकि यह हम नहीं, हाल ही में की गई एक स्टडी बता रही है। हाल ही में की गई एक स्टडी का मानें तो, जिन लोगों को हर कुछ दिन बाद सर्दी-जुकाम हो जाता है, उनके पीछे आपके घर में इस्तेमाल किए जाने वाले क्लीनर्स हो सकते हैं। दरअसल आपके क्लीनर्स में मिले हुए ब्लीच कमपाउंड, घर में पहले से ही उपस्थित कुछ कणों के जैसे सिट्रस कमपाउंड के साथ मिलकर स्मॉग का रूप ले लेते हैं। यह वही स्मोग के कण हैं, जिसे हम प्रदूषण के उच्च रूप में देखते हैं। इस कमपाउंड के बनने को साइंस की भाषा में 'लिमोनेन' कहा जाता है और आमतौर पर बाहरी स्मोग के अपेक्षाकृत हल्का होता है। यह स्मोग हमारे आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा के लिए परेशानी का करण बन सकता है। दरअसल ब्लीच की गंध भी कुछ इंफेक्शन का कारण हो सकते हैं। खासकर ठंड और फ्लू के मौसम के दौरान यह ब्लीच की गंध कई बीमारियों का कारण बन सकती है।

आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा को पहुंचा सकते हैं नुकसान

शोधकर्ताओं के एक समूह ने पाया कि जब ब्लीच धुआं कई घरेलू क्लीनर में पाए जाने वाले सिट्रस कंपाउंड के साथ मिल जाता है, तो यह आपके और आपके पालतू जानवरों के लिए हानिकारक हवाई कण बना सकता है। इस साइट्रस कमपाउंड को लिमोनेन के रूप में जाना जाता है। यह हजारों सफाई उत्पादों और एयर फ्रेशनर्स में पाया जाता है, और कुछ लकड़ी के सामानों में भी पाया जाता है। हालांकि बड़ी मात्रा में इनका संपर्क त्वचा, आंखों, गले और फेफड़ों को परेशान कर सकता है। हवा की उपस्थिति में, यह यौगिक बनाने के लिए ऑक्सीकरण कर सकता है जो त्वचा की एलर्जी का कारण बनता है।

इनडोर वायु गुणवत्ता को करती है प्रभावित

वीओसी (VOC) कई घरेलू उत्पादों द्वारा उत्सर्जित गैसें हैं और यह इनडोर एयर गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। इस हवा का नुकसान यह होता है कि यह हवा में घूमते रहते हैं और घर की सतहों से चिपक जाते हैं। क्योंकि ब्लीच और लिमोनेन वाले उत्पादों का उपयोग अक्सर एक ही इनडोर में किया जाता है। इसे देखकर 'टोरंटो विश्वविद्यालय' और 'पेनसिल्वेनिया के बकनेल विश्वविद्यालय' के शोधकर्ताओं ने देखा कि इन रसायनों के संयुक्त होने पर घर की हवाओं में क्या असर हुआ? तो शोधकर्ताओं ने पाया कि ब्लीच-आधारित क्लीनर के उपयोग के दौरान और बाद में, उच्च मात्रा में हाइपोक्लोरस एसिड और क्लोरीन गैसें निकलती हैं, जो हमारे घर के इनडोर वातावरण में जल्दी से मिल कर अन्य हानिकारक गैसों का निर्माण करती हैं।

ब्लड के जरिए बॉडी में सर्कुलेट करते हैं हानिकारक कण

फ्लोरोसेंट लाइट या सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर, यह कमपाउंड कार्बनिक एरोसोल (SOAs) बनाते हैं। एसओएएस की ही वजह से स्मॉग बनना शुरू होता है। जब कण काफी छोटे होते हैं, तो वे फेफड़ों के अंदर जा सकते हैं और खाँसी और सांस की तकलीफ जैसे अल्पकालिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। बहुत महीन कण फेफड़ों के माध्यम से ब्लड में सर्कुलेट होती हैं, जिससे आगे जाकर ब्लड-इंफेक्शन आदि की भी परेशानी हो सकती है।

हार्ट अटैक होने का खतरा

पार्टिकुलेट मैटर के नियमित संपर्क से हार्ट अटैक और सांस लेने में तकलीफ जैसी स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। मौजूदा हृदय रोग, अस्थमा, या अन्य फेफड़ों की स्थिति वाले लोग के लिए यह और अधिक हानिकारक हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसे क्लीनर्स का इस्तेमाल करने से बचें, जिनमें ज्यादा मात्रा में ब्लीच कमपाउड्स हैं।

इन चीजों से करें घर की साफ-सफाई

- आप एक साधारण क्लीनर जैसे सिरका, पानी या बेकिंग सोडा को क्लीनर के रूप में चुन सकते हैं।
- खुशबू, अमोनिया और ब्लीच से मुक्त सफाई उत्पादों को चुनें।
- ग्रीन सील या इको लोगो द्वारा प्रमाणित उत्पादों की तलाश करें औप उन्हीं का सफाई में प्रयोग करें।

इस मौसम में त्वचा, बाल और नाखून पर फफूंद से इन्फेक्शन का खतरा

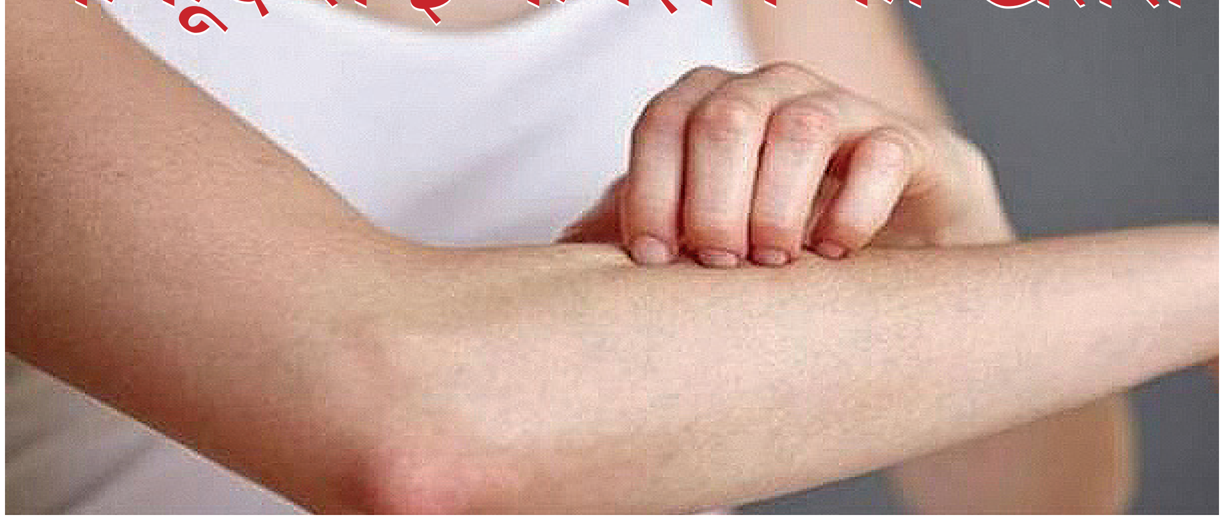

फंगस से होने वाले इन्फेक्शन पनपकर परेशानियों का सबब बन सकते हैं। आप जितना इन्फेक्शन को छिपाने की कोशिश करेंगी, जैसे मोजे या जूतों के भीतर, स्थिति उतनी ही खराब होती जाएगी। डॉक्टर अर्चना निरूला के अनुसार त्वचा, बालों और नाखूनों में तीन तरह के फंगस के कारण इन्फेक्शन होता है। यह होते हैं-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो जिंदा रहने के लिए प्रोटीन केरेटिन का इस्तेमाल करते हैं, केंडिडा एल्बिकन्स, यह अधिकांशतः बच्चों के कूल्हों, नाखूनों, नाखून के पास त्वचा की परतों में पाए जाते हैं, और नॉन-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो आमतौर पर चोट के कारण क्षतिग्रस्त पैरों की उंगलियों के नाखूनों पर हमला करते हैं।

लगातार बारिश और दिनों के गर्म और उमस भरे होने के कारण मानसून का मौसम फफूंद (फंगस) के बढ़ने के लिए माकूल होता है। शरीर के भीतर फंगस से होने वाले (फंगल) इन्फेक्शन के अलावा बारिश के मौसम में त्वचा, बालों और नाखूनों में भी यह इन्फेक्शन बढ़ जाता है।

पांच सबसे आम फंगल इन्फेक्शन

रिंगवर्म: यह एक संक्रामक फंगल इन्फेक्शन होता है, दाद (रिंगवर्म) बांहों, पैरों की त्वचा के केरेटिन को खा जाता है। यह शरीर के किसी भी भाग पर हमला कर सकता है। यह इन्फेक्टेड व्यक्ति या पशु के संपर्क में आने से फैलता है। एक सामान्य दाद में छल्ले के आकार के लाल घाव बन जाते हैं और त्वचा सूखी, खुजली वाली और कटी-फटी हो जाती है। अधिकांश मामलों में आसानी से मिल जाने वाली एंटी-फंगल क्रीम्स, जेल या स्प्रे के इस्तेमाल से इन्फेक्शन से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। सामान्यतया रिंगवर्म इन्फेक्शन कुछ हफ्तों में ठीक हो जाता है, अगर यह लंबा खींच रहा हो तो कृपया डॉक्टर से संपर्क करें।

एथलीट्स फुट: जैसा कि नाम से पता चलता है एथलीट्स फुट खिलाड़ियों में होने वाला एक सामान्य फंगल इन्फेक्शन है। यह रिंगवर्म फैलाने वाली प्रजाति द्वारा ही फैलाया जाता है और आमतौर पर इसकी शुरुआत पैरों की उंगलियों से होती है और यह पूरे पैर में फैल जाता है। रिंगवर्म की ही तरह इसमें भी खुजली, त्वचा का कट-फट जाना और त्वचा का उखड़ना देखने को मिलता है। आसानी से मिल जाने वाली माइकोनेजोल और टर्बिनेफिन जैसी दवाएं इन्फेक्शन के इलाज में सहायक होती हैं। चाय के पेड़ का तेल लगाने या नमक वाले गर्म पानी में पैर रखने जैसे घरेलू उपचारों से भी लक्षणों में राहत मिल सकती है। हालांकि यह गंभीर बीमारी

नहीं है, लेकिन अगर इलाज नहीं किया गया तो यह गंभीर रूप लेकर बहुत दर्दनाक भी हो जाती है।

नाखून का इन्फेक्शन: ओनिकोमायकॉसिस के कारण नाखून पीले और कटे-फटे हो जाते हैं। अमेरिकन अकादमी ऑफ डर्मेटॉलॉजी के मुताबिक पैर के नाखूनों को हाथ के नाखूनों की तुलना में इन्फेक्शन का ज्यादा खतरा होता है। इसकी वजह धीरे-धीरे बढ़ना, खून की कम आपूर्ति और जूतों के भीतर बंद रहना होता है। सामान्य रूप से मिल जाने वाली दवाएं इस मामले में कम कारगर साबित होती हैं। आपका डॉक्टर इन्फेक्शन के इलाज के लिए मुंह से ली जाने वाली एंटीफंगल दवाएं दे सकता है। विक्स वेपोरब लगाने जैसे घरेलू उपचार लक्षणों में हल्की राहत दे सकते हैं।

टिनिया केपिटिस: इसे खोपड़ी का दाद (रिंगवर्म ऑफ स्केल्प) भी कहा जाता है। यह बच्चों में आम होता है। इसमें केरियोन-बड़ा दर्द देने वाला घाव प्रमुखता से देखने को मिलता है। यह खोपड़ी पर सफेद धब्बों और अंततः बालों के झड़ने की वजह बन सकता है। इस बीमारी के लक्षणों में लालिमा, सूजन, परतें बन जाना और बाल झड़ना मुख्य लक्षण हैं। टिनिया केपिटिस का इलाज ग्रिसेयोफल्विन और इट्राकोनेजोल जैसी एंटीफंगल दवाओं के व्यवस्थित इस्तेमाल से किया जा सकता है। इसके अलावा डॉक्टर, फंगस के फैलाव को रोकने के लिए मेडिकेटेड शैम्पू के इस्तेमाल की भी सिफारिश कर सकते हैं। इलाज न किए जाने पर यह इन्फेक्शन गंभीर रूप ले लेता है और सूजन के अलावा बालों के स्थायी नुकसान की भी वजह बन सकता है।

जॉक इच: पेट और जांघ के बीच (ग्रॉइन) में यह इन्फेक्शन आमतौर पर पुरुषों को होता है। लक्षणों में चकत्ते होते हैं जो जांघ, कूल्हों और ग्रॉइन में फैल जाते हैं, खुजली से त्वचा परतदार और खुरदुरी हो जाती है। नेफ्टिफिन, सिस्लोपायरॉक्स और माइकोनेजोल जैसे एंटीफंगल लगाने पड़ते हैं। पैर की उंगलियों के फंगस की तरह जॉक इच के भी बार-बार होने की आशंका रहती है। ढीले कपड़े पहनना, नियमित तौर पर शरीर की सफाई, शरीर के फोल्ड्स (जैसे जांघ और पेट के बीच) को सूखा रखना, इन्फेक्शन से बचने में मदद कर सकता है। यहां पर चर्चा किए गए अन्य इन्फेक्शनों की ही तरह जैक इच भी गंभीर नहीं है, लेकिन अगर चकत्ते बड़े हो जाएं तो डॉक्टर से संपर्क किया जाना चाहिए। डॉक्टर का कहना अपनी त्वचा को सूखा रखें। अगर आप बारिश में गीले हो जाएं तो घर लौटते ही तत्काल कपड़े बदलें। जैसा कि हम सभी जानते हैं हर रोज साफ और ताजे मोजे व अंडरवियर पहनना कितना महत्वपूर्ण है। तो जब तक हम इन साधारण से नियमों का पालन करते हैं, मानसून हमारे लिए मुश्किल का सबब नहीं होगा।

सेहत

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर
जाने लक्षण व इलाज

जब ब्रेस्ट कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलने लगता है और इससे स्तन के साथ-साथ उसके पास के लिम्फ नोड्स में फैलने लगता है तो इससे मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। सबसे आम जगहों पर यह लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलता है।

ब्रेस्ट कैंसर आज के समय में एक आम समस्या बन गई है। हालात यह है कि भारत में हर 28 में से एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर का खतरा है, लेकिन फिर भी बहुत से लोग इसके बारे में पूरी तरह से नहीं जानते। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर (metastatic breast cancer) भी एक ऐसा ही कैंसर है। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर शब्द शायद बहुत से लोगों के लिए एकदम नया हो। इसे ब्रेस्ट कैंसर का एक फैला हुआ रूप कहा जा सकता है। यह स्तन कैंसर की IV या एडवांस स्टेज है, यह कोई विशिष्ट प्रकार का स्तन कैंसर नहीं है, बल्कि यह स्तन कैंसर की मोस्ट एडवांस स्टेज है। जब ब्रेस्ट कैंसर आपके स्तनों के पास लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलने लगता है तो यह स्टेज मेटास्टैटिक कही जाती है। कई मामलों में इस स्टेज पर ब्रेस्ट कैंसर का उपचार पूरी तरह नहीं किया जा सकता, लेकिन फिर भी कुछ तरीकों से इसे प्रबंधित किया जा सकता है।

कैंसर के लक्षण

- मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि यह शरीर के किस हिस्से में फैला है। अलग-अलग हिस्सों पर इसका प्रभाव अलग तरह से नजर आता है। जैसे-
- जब स्तन कैंसर हड्डियों तक फैलता है तो इसे बोन मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को अचानक दर्द का अहसास होता है। यह रिब्स, स्पाइन, पेल्विस और हाथ व पैर की लंबी हड्डियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है।
- ब्रेस्ट कैंसर के फेफड़ों पर फैलने पर उसे लंग मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को फेफड़े में दर्द या बेचैनी, सांस की तकलीफ, लगातार खांसी और अन्य कुछ लक्षण नजर आते हैं।
- दिमाग में फैलने वाले स्तन कैंसर के लक्षणों में सिरदर्द, देखने व बोलने की क्षमता का प्रभावित होना, मेमोरी समस्या व अन्य कुछ लक्षण हो सकते हैं।
- लिवर मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर होने पर व्यक्ति को मिड सेक्शन में दर्द का अहसास होता है। इसके अतिरिक्तद व्यक्ति को थकान और कमजोरी, वजन कम होना या भूख की कमी व बुखार जैसे लक्षण नजर आते हैं।

इलाज

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर का पता चल जाने के बाद उसके इलाज के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। इसके लिए आप अपने डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। इलाज के तरीकों में प्रमुख हैं-

सर्जरी

कुछ मामलों में मेटास्टैटिक स्तन कैंसर होने पर सर्जरी की सलाह दी जाती है। खासतौर से, हड्डियों को टूटने से बचाने या लिवर में कैंसर सेल को रोकने के लिए सर्जरी को एक अच्छा उपचार माना जाता है।

कीमोथेरपी

कीमोथेरेपी का उपयोग मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के उपचार में किया जाता है ताकि कैंसर कोशिकाओं को जितना संभव हो उतना नष्ट किया जा सके।

रेडिएशन थेरेपी

कैंसरयुक्त कोशिकाओं को नष्ट करने और कैंसर को फिर से होने से रोकने के लिए रेडिएशन थेरेपी करने की सलाह दी जाती है। रेडिएशन थेरेपी के बिना कैंसर फिर से होने की आशंका 25 प्रतिशत बढ़ जाती है। रेडिएशन थेरेपी के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कैंसर को नियंत्रित किया जा सकता है व दर्द से भी काफी हद तक राहत पाई जा सकती है।

हार्मोनल थेरेपी

हार्मोनल थेरेपी दवाओं का उपयोग हार्मोन-रिसेप्टर पॉजिटिव मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर के विकास को कम करने में मदद करने के लिए किया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी

टागरेटेड थैरेपी में कैंसर सेल्स को ब्लॉक करके केवल उसे नष्ट किया जाता है। इस थेरेपी के प्रयोग का एक लाभ यह है कि इससे स्वस्थ कोशिकाओं को किसी तरह का नुकसान नहीं होता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 2573

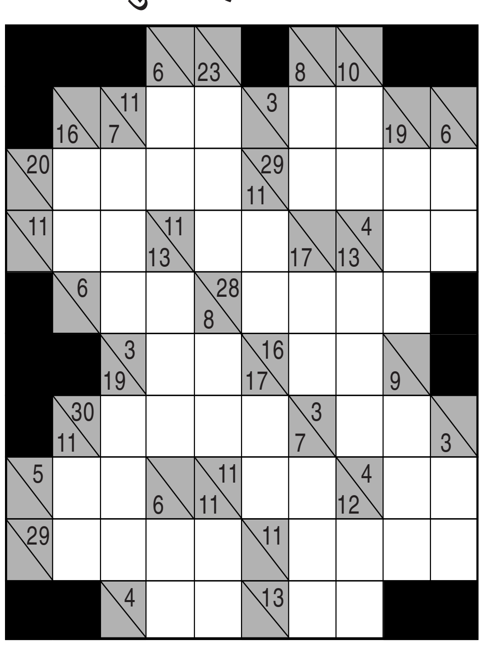

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

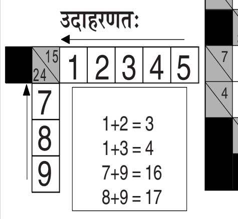

काकुरो - 2572 का हल

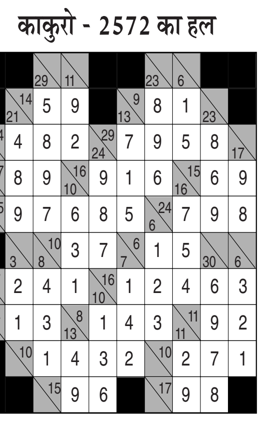

लॉफिंग ज़ोन

राकेश ने मुकेश से पूछा तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का पक्का फैसला कर लिया है?

मुकेश - हां यार, अब मजबूरी है.

राकेश - कैसी मजबूरी है?

मुकेश -वह लड़की इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी में जो अगूठी मैंने उसे दी थी, वह उतरती ही नहीं है.

☺ ☺ ☺

ड्राइंग रूम में सजे शेर को देखकर मेहमान ने मेजबान से पूछा, 'बडा सुन्दर शेर है. इसे कहां से लाये हो?'

मेजबान बोला, 'श्रीलंका से, जब वहां मै और चाचा शिकार खेलने गए थे.'

मेहमान - 'इसके पेट में क्या भरा है?'

'मेरे चाचा.' मेजबान बोला.

☺ ☺ ☺

एक सेठ जी अपने बेटे को स्कूल में दाखिल कराने गए तो प्रिंसीपल ने कहा, 'सेठ जी, आपने देर कर दी, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.'

'आप चिंता मत करे लड़के को दाखिल कर लें, बैठने के लिए कुर्सी मैं घर से भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

सेठ (खाने की थाली देखकर) - 'इतनी महंगाई में रोटी पर इतना घी?'

नौकर - 'मालिक, माफ करें. शायद गलती से मेरी रोटी आपके पास आ गई.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2573

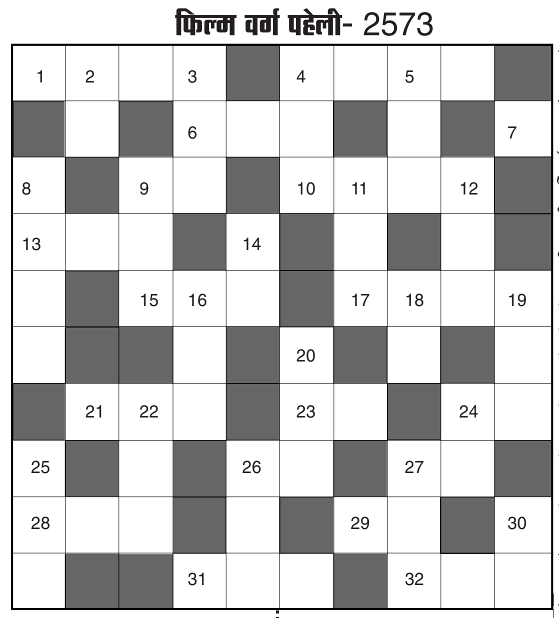

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2572

सूडोकु -2573

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2572 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 2573

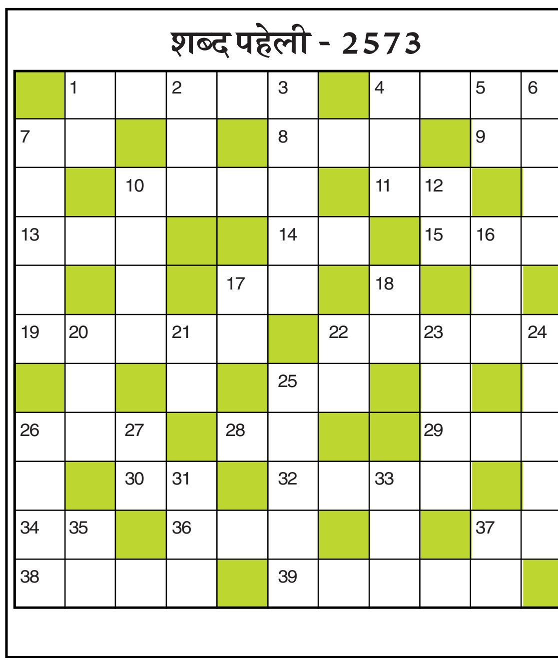

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -2572 का हल

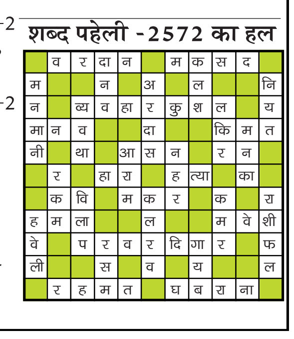

ट्रंप को भारत पर लगाया गया टैरिफ वापस लेना ही पड़ेगा : स्वामी रामदेव

एजेंसी
हरिद्वार। योग गुरु स्वामी रामदेव ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ की आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक आतंकवाद और तानाशाही करार दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की एक अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर रोक लगा दी है। अभी कुछ दिनों के अंदर कुछ और नए घटनाक्रम होंगे। आखिर में डोनाल्ड ट्रंप को ये टैरिफ वापस लेना ही पड़ेगा। बाबा रामदेव ने कहा कि जिस तरह से अमेरिका को चीन पर लगाए टैरिफ को वापस लेना पड़ा, उसी तरह अमेरिका को भारत पर भी लगाए टैरिफ को वापस लेना पड़ेगा। क्योंकि भारत भी बड़ा सामर्थ्यवान राष्ट्र है तथा चीन से कोई कम नहीं है। हरिद्वार में श्री श्रीचंद भगवान की शोभायात्रा में शामिल होने पहुंचे बाबा रामदेव ने मीडिया से बात की और डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर कहा कि कुछ समय से टैरिफ के नाम पर टेररिज्म, एक तरह का राजनीतिक आतंकवाद या फिर तानाशाही की जा रही है, वक्त आने पर इसका समाधान मिल जाएगा। उन्होंने कहा अमेरिकी प्रोडक्ट्स का बहिष्कार, स्वदेशी के सिद्धांत पर राष्ट्र को विकसित करने का संकल्प और राष्ट्र प्रथम की जो भावना है, वो ही इस देश को आगे लेकर जाएगी। आने वाले 10 से 15 सालों में पूरी दुनिया के मुकाबले भारत सबसे आगे होगा।

कटरा-जम्मू मार्ग पर रेल यातायात बाधित, 51 ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने बताया कि बीआर 17 ट्रैक पर पटरी खिसकने के कारण कठुआ-माधोपुर पंजाब के बीच रेल यातायात अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया। इसके चलते बड़ी संख्या में ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। रेलवे के अनुसार इस व्यवधान के चलते 51 ट्रेनें रद्द, एक ट्रेन को शॉर्ट-टर्मिनेट तथा दो ट्रेनों को शॉर्ट-ओरिजिनेट किया गया। जिन ट्रेनों को रद्द किया गया, उनमें जम्मूतवी-नई दिल्ली राजधानी (12426/12425), वंदे भारत एक्सप्रेस (22439/22440/22477/22478), श्रीशक्ति एक्सप्रेस (22461/22462), उत्तर संपर्क क्रांति (12445/12446), आर्चना एक्सप्रेस (12355/12356), हिमगिरी एक्सप्रेस (12331/12332), स्वराज एक्सप्रेस (12471/12472), अंडमान एक्सप्रेस (16031), मालवा एक्सप्रेस (12919/12920) समेत कई लंबी दूरी की ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा, वाराणसी-जम्मूतवी (12237/12238) और कोलकाता टर्मिनल-जम्मूतवी (13151/13152) एक्सप्रेस को अंबाला कैंट से शॉर्ट-टर्मिनेट अथवा शॉर्ट-ओरिजिनेट किया जाएगा। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी यात्रा से पूर्व एनटीईएस एप या हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से ट्रेनों की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर लें।

एआईसीटीई और डीएसटी ने राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत क्वांटम प्रौद्योगिकियों में एम.टेक कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली। भारत को उन्नत प्रौद्योगिकियों में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सहयोग से क्वांटम प्रौद्योगिकियों में एम.टेक कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत की गई है। इस नये शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन और क्वांटम सेंसिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में उच्च स्तरीय कौशल उपलब्ध कराना है। इसे इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि इसमें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर समाधान विकसित करने की क्षमता भी शामिल हो। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय के प्रो. एके सूद, डीएसटी के सचिव डॉ. अभय करंदीकर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक डॉ. अजय चौधरी, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम, एआईसीटीई की सदस्य सचिव प्रो. श्यामा रथ समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. सीताराम ने कहा कि यह कार्यक्रम कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन और सेंसिंग के क्षेत्र में क्वांटम तकनीक को नई दिशा देगा।

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा से ममता अभिषेक ने बनाई दूरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के पटना समापन कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। पार्टी की ओर से बहरामपुर से सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान तथा ललितेश त्रिपाठी को प्रतिनिधित्व के लिए भेजा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने व्यक्तिगत रूप से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को पटना आने का न्योता दिया था और समापन के बाद होने वाले डिनर कार्यक्रम में भी आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने इस कार्यक्रम में दूरी बनाने का फैसला किया है। राहुल गांधी की 16 दिन की 'वोटर अधिकार यात्रा' 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई थी और एक सितंबर को बिहार की राजधानी पटना में समाप्त होगी। शुरुआत में इसका समापन गांधी मैदान में एक बड़ी जनसभा से होना था, लेकिन अब इसे पदयात्रा के रूप में पूरा किया जाएगा।

किसान नैनो उर्वरक का उपयोग करें और कृषि का विविधीकरण अपनाएं : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी
विदिशा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से खेतों में नैनो उर्वरक का इस्तेमाल करने तथा कृषि क्षेत्र में विविधीकरण अपनाने का आह्वान किया है। कृषि मंत्री मध्य प्रदेश के विदिशा में सांची रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित वृद्ध वृक्षारोपण कार्यक्रम और उन्नत कृषि तकनीक संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों के हित में खड़ी है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसके प्राण हैं। किसानों की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है, इसलिए किसानों के हित में हर संभव कार्य किए जाएंगे। उन्होंने नैनो उर्वरक के फायदे

और यूरिया, डीएपी पर दिए जा रहे अनुदान सहित अन्य फायदों के बारे में किसानों को बताया। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती कार्य में नैनो उर्वरक का उपयोग करना चाहिए, जो कि फायदेमंद है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि खेती को लाभ का धंधा कैसे बनाएं, कैसे हम उत्पादन बढ़ाएं और लागत घटाएं, इसके लिए शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ लेते हुए कृषि का विविधीकरण अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को दलहनी फसलों की खेती भी करनी होगी, साथ प्राकृतिक खेती की ओर भी बढ़ना होगा। इसीलिए आज इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं और आगे भी किए जाएंगे। उन्होंने किसानों से पशुपालन के क्षेत्र में कार्य करने का भी आह्वान किया और इफको को भी उन्होंने धन्यवाद दिया कि वह इस तरह के आयोजन कर रही है। अभियान के माध्यम से अब गांव जाकर भी किसानों को नैनो उर्वरक की उपयोगिता से होने वाले फायदे से अवगत कराया जाएगा, जिससे किसानों के पैसे बचेंगे और खेती लाभ का धंधा बनेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कार्यक्रम में स्वदेशी वस्तुएं अपनाने का भी अनुरोध किया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में दस किलो के आईईडी को किया गया निष्क्रिय

एजेंसी
बिलासपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए नक्सलियों द्वारा लगाए गए तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को सुरक्षाबलों ने बरामद कर समय रहते निष्क्रिय कर दिया। यह बीजापुर के गोरना और मनकेली के बीच सड़क पर प्लांट किया गया था। बीजापुर के पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी कि आज डीआरजी बीजापुर, थाना बीजापुर और बीडीएस जवानों की टीम संयुक्त रूप से गोरना-मनकेली मार्ग पर डिमाइनिंग ड्यूटी पर निकली थी। सर्चिंग के दौरान जवानों को सड़क किनारे इलेक्ट्रिक तार दिखाई दी। शक होने पर इलाके को तत्काल घेराबंदी कर सघन तलाशी ली गई। सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने स्टील के टिफिन बॉक्स में छिपाकर रखा गया करीब 10 किलोग्राम का शक्तिशाली आईईडी बरामद किया। यह आईईडी लगभग 70 से 80 मीटर लंबी बिजली की तार से जुड़ा था। बम निरोधक दस्ता की टीम ने सतर्कता पूर्वक विस्फोटक को सावधानीपूर्वक निष्क्रिय कर नक्सलियों की साजिश को नाकाम कर दिया।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी
देहरादून। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री परिवर्तन संबंधी सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। देहरादून पुलिस ने तीन फेसबुक पेज संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। यह कार्रवाई भाजपा जिलाध्यक्ष देहरादून, सिद्धार्थ अग्रवाल की ओर से देहरादून एसएसपी अजय सिंह को दी गई शिकायत पत्र के आधार पर की गई है। जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फेसबुक पेज 'आई लव माय उत्तराखंड संस्कृति', 'उत्तराखंड वाले' और 'जनता जन आंदोलन इरिटेड' से मुख्यमंत्री परिवर्तन संबंधी झूठी व भ्रामक पोस्ट प्रसारित की गई थीं। इस आधार पर तीनों पेज संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। सोशल मीडिया पर भ्रामक और झूठी सूचनाएं प्रसारित कर जनमानस को गुमराह करने वाले तत्वों पर अब पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। राज्य के बागेश्वर, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जनपद इन दिनों आपदा से सबसे अधिक प्रभावित हैं। ऐसे कठिन समय में करता है। उत्तराखंड पुलिस की ओर से आमजन से अपील की गई है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अपुष्ट अथवा भ्रामक सूचना का प्रसार करने से बचें। पुलिस सोशल मीडिया की निरंतर निगरानी कर रही है। सोशल

मुख्यमंत्री बदलने जैसी झूठी खबरें फैलाना न केवल राहत एवं बचाव कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करता है, बल्कि सरकारी कामकाज और प्रशासनिक व्यवस्था को भी प्रभावित मीडिया के कालमियों को भी स्पष्ट चेतावनी दी जाती है कि अफवाह फैलाने अथवा भ्रामक पोस्ट करने पर उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी ने कठुआ का दौरा कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

एजेंसी
कठुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने जिला कठुआ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सहार पुल और राज्य के मुख्य प्रवेश द्वार लखनपुर में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। और अधिकारियों से मौजूदा स्थिति की जानकारी ली

डीजीपी ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त ढांचे और सड़कों की स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें डीआईजी शिव कुमार (जम्मू-कठुआ-सांबा रेंज), एसएसपी कठुआ शोभित सैक्सेना, एसपी ट्रैफिक जीएल शर्मा और अन्य अधिकारी शामिल थे।

निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाएं तथा इस आपदा की घड़ी में ट्रैफिक मूवमेंट को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखें। एसएसपी कठुआ सैक्सेना ने बताया कि डीजीपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और पुल की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि लेकिन कठुआ पुलिस और पंजाब पुलिस की मदद से यातायात को सुचारू रूप से चलाया जा रहा है।

इस दौरान पंजाब पुलिस के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। वहीं एसपी ट्रैफिक जीएल शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि फिलहाल ट्रैफिक का दबाव ज्यादा है, वहीं उन्होंने सांबा विजयपुर और कठुआ की ताजा स्थिति किस तरीके से है और क्या रूट प्लान है इसकी भी जानकारी मीडिया के साथ सांझा की।

एलिम्को 'सिनर्जी समिट'- डीलर सम्मेलन 2025 का आयोजन

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) ने स्कोप कन्वेंशन केंद्र में अपने वार्षिक डीलर सम्मेलन 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 'सिनर्जी समिट' नाम से आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य निगम के डीलरों और एलिम्को के अधिकारियों के बीच तालमेल बढ़ाना, सेवाओं में सुधार करना और दिव्यांगजन के लिए उपकरणों की गुणवत्ता एवं सुविधा को और बेहतर बनाना था। इस मौके पर एलिम्को के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि डीलरों और सामूहिक प्रयासों से एलिम्को अपने उद्देश्यों को और ऊँचाइयों तक ले जा सकता है। उन्होंने डीलरों से आह्वान किया कि वे सुझाव दें और हम आपको सहयोग देंगे। आपसी सामंजस्य और समन्वय से हम दिव्यांगजन के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित कर सकते हैं। एलिम्को के महाप्रबंधक अतुल रुस्तगी, ने वित्तीय

स्थिरता और डीलरों की सहभागिता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डीलरों के सहयोग से ही एलिम्को अपने उपकरण और सेवाओं का विस्तार और सुधार कर सकता है। उन्होंने समयबद्ध आपूर्ति और सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। एलिम्को के महाप्रबंधक अजय चौधरी ने बताया कि हाल के वर्षों में 80,000 ट्राइसाइकिल, 2 लाख कान की मशीन और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। उन्होंने आधुनिक उपकरण जैसे विशेष स्कूटी, कृत्रिम अंग और विद्युत-संचालित उपकरणों का परिचय दिया। उन्होंने डीलरों से आग्रह किया कि वे आसरा केंद्रों के लिए आवेदन करें और सेवा तंत्र को और मजबूत बनाने में सहयोग दें। उपमहाप्रबंधक शशि त्रिपाठी ने एलिम्को को केवल एक निगम नहीं बल्कि दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के हाशिए पर रहने वालों की सेवा के लिए समर्पित मिशन बताया। उन्होंने कहा कि एलिम्को आज 26 श्रेणियों में 264 प्रकार के उपकरण तैयार करता है। प्रधानमंत्री दिव्याशा केन्द्रों के माध्यम से निगम की पहुंच बढ़ी है और 78 आसरा केंद्रों के माध्यम से लाभार्थियों को निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि एलिम्को के उपकरण अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं। सम्मेलन में अधिकारियों और चैनल साझेदारों के बीच संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सेवा सुधार, उपकरणों की गुणवत्ता और दिव्यांगजन की सुविधा के लिए सुझाव साझा किए गए।

एनआईए ने माओवादी संगठन के पांच कैडरों के खिलाफ विशेष अदालत में दायर किया आरोप पत्र

एजेंसी
रायपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सीपीआई (माओवादी) आतंकी संगठन के 5 कार्यकर्ताओं/कैडरों के खिलाफ छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में 2023 में एक भारतीय सेना के जवान की हत्या में शामिल होने का आरोप पत्र दायर किया है। एनआईए द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि छत्तीसगढ़ के जगदलपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दायर पूरक आरोप पत्र में आरोपितों भवन लाल जैन, सुरेश कुमार सलाम, शैलेंद्र कुमार बघेल, अंदूराम सलाम और सोनू हेमला पर आईपीसी, शस्त्र अधिनियम और यूए(पी) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। एनआईए की विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय सेना के एक जवान मोतीराम अचला की फरवरी 2023 में कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र के उसेली गांव के मेले में सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कार्यकर्ताओं ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह अपने परिवार से मिलने गए थे। जांच में पता चला कि भवन लाल जैन, सुरेश कुमार सलाम, शैलेंद्र कुमार बघेल और अंदूराम सलाम सक्रिय ओवर ग्राउंड वर्कर(ओजीडब्ल्यूएस) थे और सोनू हेमला सीपीआई (माओवादी) के उत्तर बस्तर संभाग के कुयेमारी एरिया कमेटी का एक सशस्त्र कार्यकर्ता था। एक अन्य वरिष्ठ माओवादी नेता के साथ, उन्होंने मोतीराम अचला की पहचान की और स्थानीय बाजार में उसकी हत्या कर दी। एनआईए ने इस साल मार्च में स्थानीय लोगों के मन में दहशत पैदा करने की साजिश के सिलसिले में सभी पांचों को गिरफ्तार किया था।

सुदर्शन रेड्डी ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मांगा सभी सांसदों से समर्थन

एजेंसी
रांची। उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा है कि उपराष्ट्रपति चुनाव की गरिमा को बनाए रखते हुए हम सभी सांसदों से समर्थन की अपील करते हैं। न्यायमूर्ति रेड्डी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सरकारी आवास में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संविधान की रक्षा करने का काम वह पिछले 45 वर्षों से कर रहे हैं, लेकिन इस समय देश में जो माहौल है, उस कारण वह उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए अपनी अंतरआत्मा से राजी हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह झारखंड के मुख्यमंत्री से मिले और उनका समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना ही संविधान की मूल आत्मा है और इसकी रक्षा उच्चतम न्यायालय करती है। उन्होंने कहा कि झारखंड में जिस तरह हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया, इसके लिए संवैधानिक संस्थाएं जिम्मेदार है, क्योंकि कोर्ट ने हेमंत सोरेन पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। इसके बाद भी हेमंत सोरेन की जो प्रतिष्ठा को आघात लगा है, उसकी भरपाई कौन करेगा। यह प्रश्न है। न्यायमूर्ति रेड्डी ने कहा कि भारत में लोग मतदाता पहले बने और उन्हें दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन राज्य के निर्माण में लगा और उनके संघर्ष के कारण झारखंड बना।

नागरिकता बाद में मिली। वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण होना चाहिए, लेकिन इसमें वोटर को हटाने और जोड़ने का जो काम किया जा रहा है, वह जिस प्रकार हो रहा है, इसे लोग देख रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों को चिट्ठी लिखी है और समर्थन की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के टॉप लीडर से भी समय मिला तो उनके पास भी बातचीत करने जाएंगे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि संविधान का 130वां संशोधन बिल लोकसभा में पेश किया गया, उसे अब संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही वह इसपर अपनी प्रतिक्रिया देंगे। उच्च एवं उच्चतम न्यायालय ने कॉलेजियम के माध्यम से जजों की नियुक्ति को लेकर पूछे गए सवाल को उन्होंने टाल दिया और कहा कि इसके लिए बाद में बात करेंगे।

जनता ने बिहार में राहुल गांधी की यात्रा को दिया अभूतपूर्व समर्थन:वेणुगोपाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार में चल रही वोटर अधिकार यात्रा को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिलने वाला बाताया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने बिहार की जनता में एक नई उम्मीद जगाई है। वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि बिहार, जो ऐतिहासिक रूप से कठिनाइयों और अभावों का सामना करता रहा है, वहां मतदान के अधिकार का खतरा एक बड़ी चिंता का विषय था। ऐसे में राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और महागठबंधन ने यह यात्रा शुरू की, जो लोकतंत्र के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।वेणुगोपाल ने इस यात्रा को बिहार के जनांदोलनों की समृद्ध परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने 25 जिलों और 110 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया और कुल 1300 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय की। इस दौरान, देशभर के सम्मानित नेताओं ने यात्रा में भाग लिया और इसे समर्थन दिया।

राष्ट्रीय रक्षा विवि के प्रति कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सतत नवाचार पर दिया जोर

एजेंसी
गांधीनगर। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. (डॉ.) कल्पेश एच. वांद्रा ने सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसआईटी), नागपुर में आयोजित स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसआईटी 2025) के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने संबोधन में प्रो. वांद्रा ने राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी प्रगति के बीच महत्वपूर्ण और 'अटूट रूप से जुड़े संबंधी पर प्रकाश डाला, और नवीन एवं सतत प्रथाओं के माध्यम से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए आरआरयू के अनूठे अधिदेश को रेखांकित किया। संस्था के जन संपर्क विभाग ने अपने बयान में कहा कि आईईईई बॉम्बे द्वारा तकनीकी रूप से प्रायोजित इस सम्मेलन में दुनियाभर से 2,056 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 299 शोधपत्र प्रस्तुति के लिए चुने गए। स्थायित्व, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन में पो. वांद्रा ने राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी उन्नति के बीच महत्वपूर्ण और अटूट रूप से जुड़े

संबंध पर जोर दिया उन्होंने भारत की रक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ग्रीन आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता जैसे नवाचारों का लाभ उठाने के लिए आरआरयू के अनूठे अधिदेश पर प्रकाश डाला। अपने समापन भाषण में डॉ. वांद्रा ने भारत के नवप्रवर्तकों और युवाओं से आग्रह किया कि वे अकादमिक शोध को मूर्त समाधानों में तब्दील करके अपने काम को नया भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ संरेखित करें। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भरता के आह्वान को दोहराते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि ये प्रस्तुतियां केवल एक शुरुआत हैं। अब प्रतिभागियों को पेटेंट संरक्षण को आगे बढ़ाने और स्पष्ट सामाजिक और राष्ट्रीय लाभ प्रदान करने वाले आविष्कारों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सम्मेलन, विशेषज्ञों और वि?द्वानो का एक प्रमुख जमावड़ा, एक सुरक्षित और सुरक्षित राष्ट्र सुनिश्चित करने के लिए नया भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में अपने प्रयासों को समर्पित करने के लिए उपस्थित लोगों के बीच एक शक्तिशाली आम सहमति के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों का एक प्रतिष्ठित समूह उपस्थित था. जिसमें नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, डॉ. नितिन राकेश, निदेशक, एसआईटी नागपुर, डॉ. राघब प्रसाद दाश, सलाहकार एआईसीटीई, डॉ. रविंदर सिंघल (आई.पी.एस.). पुलिस आयुक्त, नागपुरः डॉ. लोहित मतानी (आई.पी.एस.), पुलिस उपायुक्त (यातायात), नागपुर, डॉ. अमेय येरवडेकर, प्रमुख सभी परिसर, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी), डॉ. शशिकांत पाटिल, सलाहकार आईईईई, बॉम्बे सेक्शनः और डॉ. सुधांशु मौर्य, सम्मेलन अध्यक्ष, आईसीएसआईटी 2025 शामिल थे।

महानदी जल विवाद सुलझाने को छत्तीसगढ़ और ओडिशा ने शुरू की पहल

एजेंसी
रायपुर। भारत की प्रमुख नदी, महानदी को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद को हल करने के लिए नई दिल्ली में एक अहम बैठक हुई। महानदी छत्तीसगढ़ से निकलकर ओडिशा होकर बंगाल की खाड़ी में जाकर मिलती है। बैठक में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिवों और जल संसाधन विभाग के सचिवों ने हिस्सा लिया। बैठक में दोनों राज्यों ने माना कि यह समस्या बहुत पुरानी और कठिन है, लेकिन लोगों और दोनों राज्यों के भले के लिए इसका समाधान मिल-बैठकर निकालना ही होगा। इस दौरान

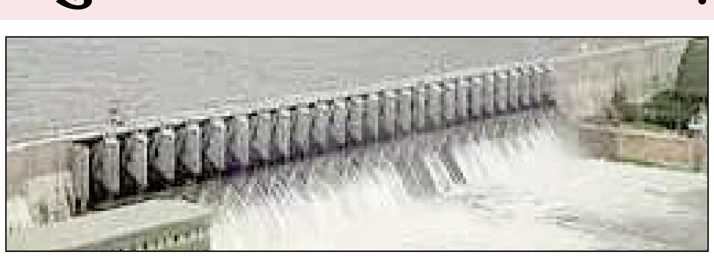

बैठक में यह तय हुआ कि, सितंबर 2025 से दोनों राज्यों की तकनीकी समितियां, जिनमें इंजीनियर और विशेषज्ञ होंगे, हर हफ़्ते बैठक करेंगी। ये समितियां मुख्य मुद्दों को पहचानेंगी और उनका हल निकालने की कोशिश करेंगी। साथ ही, वे यह भी देखेंगी कि कैसे दोनों राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाया जा सकता है। इसके साथ ही आगामी अक्टूबर, 2025 में दोनों राज्यों के मुख्य सचिव एक और बैठक करेंगे। इसमें बैठक में जल संसाधन सचिव भी शामिल होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो दिसंबर तक दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री भी मुलाकात कर सकते हैं ताकि महानदी जल विवाद का हल ऐसा निकले जो सबके लिए लाभकारी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह पहल सफल रही, तो यह न सिर्फ ओडिशा और छत्तीसगढ़ के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल होगी कि बड़े और पुराने विवाद भी आपसी बातचीत और सहयोग से सुलझाए जा सकते हैं।

हॉकी एशिया कप 2025 : भारत ने हॉकी एशिया कप के पूल मैच में जापान को हराया

राजगीर (बिहार) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को एशिया कप 2025 के ग्रुप ए के दूसरे मैच में जापान को 3-2 हरा दिया है। भारत की यह लगातार दूसरी जीत है और दो मैचों में छह अंकों के साथ वह पूल ए में शीर्ष पर है। इस जीत के साथ उसने टूर्नामेंट में सुपर 4 चरण में अपनी जगह पक्की कर ली है।

आज यहां स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पुरुष हॉकी रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज भारत के लिए मनदीप सिंह (चौथे मिनट में), हरमनप्रीत सिंह (5वें और 46वें मिनट में) ने गोल दागे। वहीं, 18वें स्थान पर मौजूद जापान के लिए कावाबे कोसेई ने दो गोल (38वें और 59वें मिनट) किए। भारत ने मैच की शानदार शुरुआत की और अपना दबदबा बनाए।

पहले क्वार्टर में भारत ने दो गोल दागे। मैच के चौथे मिनट में मनदीप सिंह ने मैदानी गोल के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मेजबान टीम ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर अपने नाम किए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मौके को भुनाते हुए ड्रैगफ्लिक के साथ पीसी को गोल में तब्दील किया और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं, जापान ने भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हुए। दूसरा क्वार्टर गोल रहित रहा। दोनो टीमों ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। जापान ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए थे। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने अपनी 2-0 की बढ़त को कायम रखा।

तीसरे क्वार्टर में जापान ने गोल के साथ मैच में वापसी की। जापान के लिए कावाबे कोसेई ने 38वें मिनट पर फील्ड गोल दागकर स्कोर 2-1 कर दिया। इस क्वार्टर में भारत ने अटैक करना जारी रखा और आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। जिसे हरमनप्रीत सिंह ने अपने शानदार ड्रैगफ्लिक से गोल में तब्दील कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा। जापान ने लगातार मौके बनाए और मैच खत्म होने से पहले कावाबे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। लेकिन मैच जीतने में कामयाब नहीं हो सके। भारतीय हॉकी टीम अपना अगला मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ खिलाफ सितंबर को खेलेगी।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी! इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिस : फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल : भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स : दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी IPL 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

ब्रेंडन ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 10 हजार रन पूरे करने वाले जिम्बाब्वे के तीसरे बल्लेबाज बने

हरारे (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रनों का आंकड़ा छूने वाले अपनी टीम के तीसरे खिलाड़ी बन गए, जो देश के क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा क्षण था। ब्रेंडन ने यह उपलब्धि हरारे में श्रीलंका के खिलाफ अपनी टीम के दूसरे वनडे के दौरान हासिल की। ??पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद टेलर ने 37 गेंदों में बिना किसी चौके या छक्के के 20 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की।

अब 287 मैचों में उन्होंने 320 पारियों में 33.92 की औसत से 10,009 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 57 अर्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। ब्रेंडन अब दिग्गज एंडी फ्लावर (276 मैचों में 16 शतकों के साथ 40.63 की औसत से 11,580 रन) और ग्रांट फ्लावर (288 मैचों में 32.03 की औसत से 12 शतकों के साथ 10,028 रन) के साथ 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन क्लब का हिस्सा हैं।

ब्रेंडन ने टेस्ट में 35 टेस्ट और 70 पारियों में 35.92 की औसत से 2,371 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 12 अर्द्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह इस प्रारूप में जिम्बाब्वे के लिए चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वनडे में ब्रेंडन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 35.28 की औसत से 6,704 रन बनाए हैं, जिसमें 11 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145* है। ब्रेंडन जिम्बाब्वे के लिए टी20आई में सातवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 45 मैचों और पारियों में 23.94 की औसत से 934 रन बनाए हैं, जिसमें 5 अर्द्धशतक और 75* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज चोपड़ा, क्वालीफिकेशन के बावजूद तीन खिलाड़ी चूके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अगुवाई में रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की। देश के इतिहास में पहली बार भारत के चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे जिसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी शामिल हैं।

पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालीफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया पांच महिलाएं भी शामिल हैं। भारत ने 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। इस बार देश किसी भी रिले स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया।

चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार भी उनके अलावा किसी अन्य भारतीय के पास पदक जीतने का कोई वास्तविक मौका नहीं है। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल के एथलीट अक्षदीप सिंह का नाम विश्व रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफाई करने के बावजूद शामिल नहीं है क्योंकि वह चिकित्सकीय रूप से

फिट नहीं हैं। एशियाई चैंपियन होने के कारण कट हासिल करने वाली हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा भी कोहनी की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं जैसा कि पीटीआई ने पहले बताया था।

तीन हजार मीटर स्टीपलचेज के स्टार खिलाड़ी अविनाश साबले ने स्वत~ पात्रता सीमा हासिल करके क्वालीफाई किया लेकिन जुलाई में एसीएल सर्जरी के कारण वह इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। एएफआई के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल मीडिया बातचीत में कहा, 'साबले, अक्षदीप और नंदिनी टीम में नहीं हैं क्योंकि वे चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं हैं।'

गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है।

चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालीफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। तोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 एथलीटों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है।

शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके। इसके बाद सदस्य देशों ने वैश्विक संस्था को अपने एथलीटों के नाम वापस लेने की सूचना दी और इस प्रकार खाली हुए स्थानों को विश्व रैंकिंग में अगले स्थान पर रहने वाले एथलीटों द्वारा भर दिया गया।

अब कोच की भूमिका निभाना चाहते हैं अश्विन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आने वाले समय में कोच की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके विदेशी लीग में खेलने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस पूर्व स्पिनर का कहना है कि उनकी अगली योजना कोचिंग करना है। अश्विन ने खुलासा किया कि कोच के तौर पर काम करना ही उनका भविष्य हो सकता है। अश्विन ने कहा, मैं जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे जाता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला काम कोच की भूमिका निभाना है। मैं इसे एक बहुत ही अहम साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है। अश्विन ने ये भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान भी एक बार उनकी खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने कोच और खिलाड़ी के खेलने पर बात की थी। तब हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में दोनो भूमिका भी निभा सकता है हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वो बात किससे हुई थी।

अय्यर की नेतृत्व क्षमता ही बनी उनके लिए मुसीबत : पनेसर

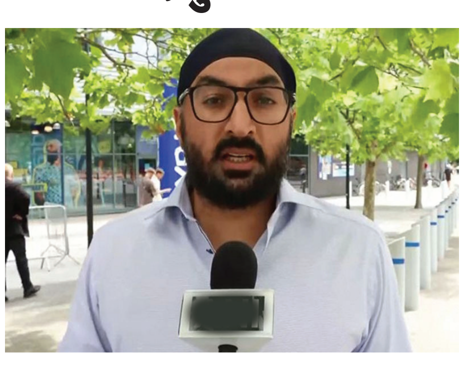

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर देश विदेश के कई क्रिकेटरों ने हैरानी जतायी थी। इन सभी का मानना है कि श्रेयस की जानबूझकर उपेक्षा की गयी है और इसका नुकसान भारतीय टीम को उठाना पड़ेगा। वहीं अब इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का कहना है कि श्रेयस की इसलिए उपेक्षा की गयी है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता है और यहीं उनके चयन में बाधा बन रही है। पनेसर के इस तंज से एक नई बहस शुरु हो सकती है। पनेसर का कहना है कि श्रेयस की अगुवाई में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 का खिताब जीता। वहीं पंजाब किंग्स को उन्होंने आईपीएल 2025 में फाइनल तक पहुंचाया, जहां उन्हें आरसीबी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट में भी कप्तानी का लंबा अनुभव है। पनेसर ने कहा, 'अय्यर को भारतीय टीम में जगह बनाने में शायद इसलिए दिक्कत हो रही है। चयनकर्ताओं ऐसे में किसी युवा खिलाड़ी को टीम में रखना चाहते हैं जिससे कोच गौतम गंभीर के साथ किसी प्रकार का टकराव न हो। इसलिए मुझे लगता है कि आईपीएल में कप्तान होने के नाते उनके लिए टीम में जगह बनाना थोड़ा मुश्किल है।卐 उन्होंने आगे कहा, 卐लेकिन मेरा मानना ??है कि अगर वह रन बनाते रहे, तो उन्हें अवसर मिलेगा ही। उनमें अविश्वसनीय प्रतिभा है।'

विश्व चैंपियनशिप: सात्विक-चिराग ने कांस्य पदक के साथ अभियान का किया समापन

पेरिस (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को यहां विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीय चेन बो यांग और लियू यी से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पदक सुनिश्चित करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारने के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया।

भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर 2011 से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में पदक जीतने का भारत का सिलसिला जारी रखा था। सेमीफाइनल में हालांकि भारतीय टीम चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सात्विक और चिराग ने शुरुआती गेम में आक्रामक रवैया अपनाया और जल्द ही 9-3 की बढ़त बना ली। लेकिन चेन और लियू ने इसके बाद शानदार वापसी की और भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद चिराग तीसरे गेम प्वाइंट पर चूक गए और चीन की टीम पहला गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 5-1 की बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और चिराग के नेट पर आक्रामक खेल से भारतीय टीम को बढ़त हासिल करने में मदद मिली। लेकिन इसके बाद चिराग ने नेट पर बार-बार गलतियां की और सात्विक की सर्विस भी अच्छी नहीं रही जिससे चीन की जोड़ी ने स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। सात्विक के ज़बरदस्त स्मैश और भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत उन्होंने 21-18 से जीत हासिल की और निर्णायक गेम में प्रवेश किया। तीसरा गेम हालांकि एकतरफा रहा। लियू की सर्विस ने चिराग को बार-बार परेशान किया और चीनी जोड़ी ने 9-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी इंटरवल के समय 3-11 से पीछे थी और इसके बाद वह वापसी करने में नाकाम रही।

आयुष बडोनी का दोहरा शतक, उत्तर क्षेत्र दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा

बेंगलुरु । आयुष बडोनी के नाबाद दोहरे शतक की मदद से उत्तर क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के चौथे और आखिरी दिन रविवार को यहां पूर्व क्षेत्र को वापसी करने का मौका नहीं दिया और पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। पहली पारी में 183 रन की बढ़त लेने वाली उत्तर क्षेत्र की टीम ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में दो विकेट पर 388 रन से आगे से की। टीम ने चार विकेट पर 658 रन पर पारी घोषित की तब उसकी बढ़त 833 रन की हो चुकी थी और दोनों कप्तानों ने मैच को ड्रॉ समाप्त करने पर सहमति जता दी। बडोनी 223 गेंद पर 204 रन पर नाबाद रहे जबकि कन्हैया वधावन 23 रन बनाकर नाबाद रहे। बडोनी ने उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजी जारी रखने के फैसले का पूरा फायदा उठाते हुए प्रथम श्रेणी करियर का दूसर दोहरा शतक पूरा किया। बीते दिन 56 रन पर नाबाद रहे दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने 93 रन के स्कोर पर छक्का जड़ा और फिर एक रन चुरा कर 123 गेंद में अपना शतक पूरा किया। कप्तान अंकित शर्मा दो रन से दोहरा शतक पूरा करने से चूक गये। दिन की शुरुआत 168 रन से करने वाले अंकित 198 रन बनाकर तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन की गेंद को मिड ऑन पर सूरज जायसवाल के हाथों में खेल गए। उन्होंने आउट होने से पहले बडोनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। इस विकेट के बाद भी पूर्व क्षेत्र के गेंदबाजों को राहत नहीं मिली। क्रीज पर आए निशांत सिंधू (91 गेंद में 68 रन) ने बडोनी के साथ 157 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 600 के पार पहुंचा दिया। टीम ने बडोनी का दोहरा शतक पूरा होने के बाद पारी घोषित कर दी। बडोनी ने 13 चौके और तीन छक्के जड़े जबकि सिंधू ने दो चौके और पांच छक्के लगाये। पहली पारी में हैट्रिक सहित 5 विकेट लेने वाले उत्तर क्षेत्र के गेंदबाज आकिब नबी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच ड्रॉ के बाद उत्तर क्षेत्र के कप्तान अंकित ने कहा, 'अगर हम चाहते तो परिणाम के लिए जा सकते थे। पहली पारी में बढ़त के कारण हमने कोशिश नहीं की। हम अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को भी (एशिया कप से पहले) जितना हो सके उतना तरोताजा रखना चाहते थे।'

विराट आने वाले समय में केवल आईपीएल में ही खेलेंगे : पठान

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है आने वाले समय में विराट कोहली केवल आईपीएल में ही खेलते हुए दिखेंगे। इरफान पठान का मानना है कि कोहली और रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मैच अभ्यास हासिल करना होगा क्योंकि दोनो ही काफी समय से खेल से दूर हैं। टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद उनके पास केवल आईपीएल और एकदिवसीय में खेलने का अवसर ही है। एकदिवसीय मैच कम होने से इन्हें अभ्यास का कम समय मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ असफल रहने पर इनके ऊपर संन्यास लेने का दबाव होगा। पठान ने कहा, 'कोहली और रोहित के लिए एकमात्र चुनौती नियमित क्रिकेट खेलना रहेगा। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती नियमित रूप से खेलना और फिट रहना होगा। विराट केवल आईपीएल खेलेंगे, और फिर जब भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट होगा, तो उसमें हिस्सा ले सकते हैं। टी20 ने एकदिवसीय को पीछे छोड़ दिया है, इसलिए एकदिवसीय फॉर्मेट के मैचों की संख्या काफी कम हो गई है। ऐसे में दोनों के ऊपर ही दबाव होगा।' 'जहां तक रोहित शर्मा की बात है, मैंने उनसे बात की है और वह फिटनेस को लेकर बहुत उत्सुक हैं। विराट भी ऐसे ही उत्साहित होंगे। खिलाड़ियों के नजर से देखें तो सबसे ज्यादा उनके अंदर खेलने की भूख रखती है। यह उनके बारे में एक बड़ी बात है कि वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।'

पाक ने त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे मैच में यूएई को हराया

दुबई । सलमान आगा की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां जारी त्रिकोणीय सीरीज का दूसरा मैच भी जीत लिया है। पाक टीम ने पहले ही मैच में अफगानिस्तान को हराने के बाद अपने दूसरे मैच में मेजबान यूएई को भी हरा दिया। पाक टीम ने साइम अयूब और हसन नवाज के अर्धशतक से यूएई के खिलाफ 207 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम यूएई को 176 रनों पर ही आउअ कर 37 रनों से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद फखर जमां भी केवल 6 रन बनाकर आउट हो गये। कप्तान सलमान भी 5 रन ही बना पाए। ऐसे में सईम अयूब ने अर्धशतक लगाकर पारी संभाली। उन्होंने 38 गेंदों में चार छक्के और सात चौके लगाकर 69 रन बनाये। अयूब का हसन नवाज ने भी साथ दिया। हसन ने 26 गेंदों में ही 56 रन बनाये। उन्होंने 2 चौके लगाये और छह छक्के मारे. दोनों पे 25 गेंदों पर 57 रन बनाये। वहीं मोहम्मद नवाज और फहीम अशरफ ने निचले अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 207 रनों तक पहुंचाया।

आप टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाते थे, पीएम मोदी ने की पुजारा की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की सराहना करते हुए लिखा कि उनकी दृढ़ खेल शैली टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाती थी। पुजारा ने पिछले रविवार को अपने 103 टेस्ट मैच के शानदार करियर का अंत करते हुए संन्यास की घोषणा की थी।

मोदी ने पुजारा को एक पत्र में लिखा, 'क्रिकेट के छोटे प्रारूपों के प्रभुत्व वाले युग में आप खेल के लंबे प्रारूप की खूबसूरती की याद दिलाते थे। आपके अडिग धैर्य और लंबे समय तक एकाग्रता के साथ बल्लेबाजी करने की क्षमता ने आपको भारतीय बल्लेबाजी क्रम का आधार बनाया।' भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने पत्र की प्रति सोशल मीडिया पर पोस्ट की और प्रधानमंत्री को उनके गर्मजोशी भरे शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 और 2021 में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो श्रृंखला जीतने के दौरान पुजारा की अहम भूमिका का जिक्र करते हुए लिखा, 'आपका उत्कृष्ट क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल तथा दृढ़ संकल्प के क्षणों से भरा पड़ा है, विशेषकर विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में।' उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए प्रशंसक ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जैसे मौकों को हमेशा याद रखेंगे जब आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत के पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतने की नींव रखी थी!' मोदी ने लिखा, 'सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमणों में से एक के सामने डटे रहकर आपने दिखाया कि टीम की जिम्मेदारी उठाने का क्या मतलब होता है।' मोदी ने घरेलू क्रिकेट के प्रति पुजारा की प्रतिबद्धता की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''खेल के प्रति आपका जुनून इस बात से भी झलकता है कि एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के बावजूद आपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना जरूरी समझा, चाहे वह सौराष्ट्र के लिए हो या विदेश में।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'सौराष्ट्र क्रिकेट के साथ आपका लंबा जुड़ाव और राजकोट को क्रिकेट के नक्शे पर लाने में आपका योगदान इस क्षेत्र के हर युवा के लिए अपार गर्व का स्रोत रहेगा।% पुजारा ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, 'मैं अपने संन्यास पर हमारे माननीय प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं। अपनी दूसरी पारी में कदम रखते हुए मैं मैदान पर बिताई हर याद और मुझे मिले प्यार और प्रशंसा को संजोकर रखूंगा। धन्यवाद सर।'

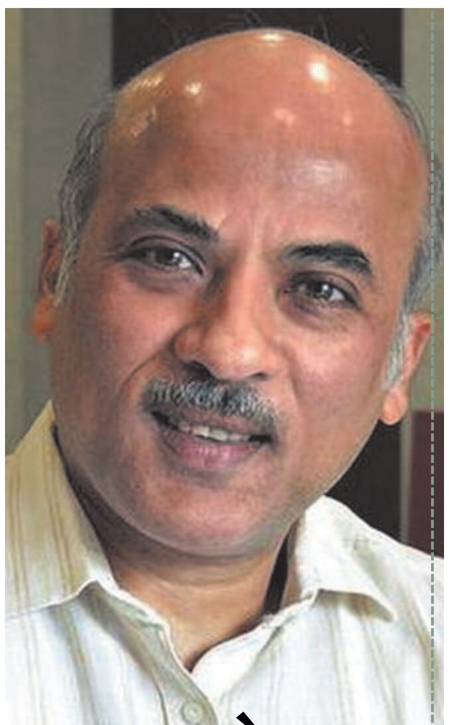

सलमान के साथ एक्शन फिल्म करना चाहते थे सूरज बड़जात्या

फिल्म डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने कहा है कि सुपरस्टार सलमान खान के लिए ऐसा काम करना जो आज के समय में रिलेवेंट और नया लगे, हमेशा एक बड़ी चुनौती रहती है। बड़जात्या सलमान के साथ एक एक्शन फिल्म बनाने की तैयारी में थे, लेकिन उन्होंने यह आइडिया छोड़ दिया क्योंकि वह सलमान के लिए सही कैरेक्टर नहीं बना पाए।

बड़जात्या ने कहा, कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन्हें आगे नहीं बढ़ा पाते। कभी क्लाइमैक्स नहीं मिलता, कभी कैरेक्टर नहीं बनता। जब तक सब चीजें साथ नहीं आतीं, फिल्म बनाना समझदारी नहीं है। मैंने अब तक सात फिल्में बनाई हैं। मेरा यही फैसला है कि जब तक खुद को यकीन न हो, फिल्म नहीं बनाऊंगा। मुझे खुशी है कि सलमान भाई मेरे साथ हैं। आज उनकी उम्र में उनके लिए कुछ नया और रिलेवेंट बनाना और बड़ी चुनौती है।

सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! , हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है। सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! , हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है।

सलमान की बहुत बड़ी वापसी होगी

सलमान खान के करियर को तीन दशक से ज्यादा हो गए हैं। वह लगातार ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हाल ही कुछ सालों में उनकी सिकंदर, किसी का भाई किसी की जान, राधे, और रेस 3 उस तरह खास प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। इसके बावजूद बड़जात्या सलमान के करियर को लेकर पॉजिटिव हैं। उन्होंने कहा,यह सबकी जिंदगी में होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि वह सेलिब्रिटी हैं, इसलिए उन पर ज्यादा ध्यान जाता है, लेकिन हर किसी को गलती करने और सीखने का मौका मिलना चाहिए। हमें एक-दूसरे को आगे बढ़ने देना चाहिए। सलमान बहुत अच्छे इंसान हैं और काफी मजबूत भी हैं। वह बहुत बड़ा कमबैक करेंगे। इस समय दोनों अपने-अपने नए प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। सूरज बड़जात्या एक फैमिली ड्रामा पर काम शुरू करने वाले हैं, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी नजर आएंगे। वहीं, सलमान खान ने फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग शुरू कर दी है।

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही चार्ट्स और डांस फ्लोर, दोनों पर आग लगा रही हैं! लॉस एंजिल्स में, नोरा ने एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने फैन्स और डांसर्स के साथ मिलकर ओ मामा! टेटेमा कोरियोग्राफी में शानदार प्रदर्शन किया। नोरा सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहीं — उन्होंने खुद डांस फ्लोर पर उतरकर युवा डांसर्स और कलाकारों को अपनी जोशीली एनर्जी से प्रोत्साहित किया। पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया, फैन्स ने नोरा के हर मूव को कैमरे में कैद किया, जब वह सभी को प्रोत्साहित कर रही थीं। यह वर्कशॉप सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया — संगीत, डांस और कम्युनिटी का उत्सव — जिसे नोरा हमेशा आगे बढ़ावा देती रही हैं। इस बीच, उनका नवीनतम ट्रैक ओह मामा! टेटेमा दुनिया भर में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यह गाना स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल सॉन्ग्स चार्ट पर 29वें स्थान पर पहुँच गया है और भारत में चौथे स्थान पर पहुँच गया है, जिससे इसके क्रॉसओवर प्रभाव का प्रमाण मिलता है।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, नोरा ने प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया- दोस्तों, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। आज सुबह उठते ही मुझे एक जबरदस्त खबर मिली। ओ मामा! टेटेमा स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल चार्ट्स में नंबर 29 पर है। ग्लोबल चार्ट्स, समझे? ये पागलपन है! और हम इंडिया में नंबर 4 पर हैं। तो हम सच में आ रहे हैं आप सभी के लिए! मुझे लगता है ये गाना 2025 का समर एंथम बनने वाला है। और ये बस यू ही चलता ही रहेगा। मुझे ये गाना बहुत पसंद है, और मुझे पता है आप सबको भी बहुत पसंद है। मुझे लगता है हम इंस्टाग्राम पर एक मिलियन रील्स छूने वाले हैं। हर कोई इस पर डांस कर रहा है — ये पागलपन है! हर तरफ सिर्फ रील्स ही रील्स हैं। ये एक स्पेशल मोमेंट है, ठीक है? एक सिंगर और म्यूजिकल आर्टिस्ट के रूप में ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं।

जहाँ एक ओर 'ओ मामा! टेटेमा' ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया है, वहीं नोरा 'कांचना 4' और कई अन्य फिल्मों के साथ स्क्रीन पर भी दस्तक देने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। लेकिन एलए की उस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, हँसे और वो पल जिए — उनके लिए असली जादू सिर्फ संगीत में नहीं था, बल्कि उस स्टार के विनम्र स्वभाव में था, जो हमेशा अपने चाहने वालों पर अपनी चमक बिखेरना कभी नहीं भूलती। प्लेलिस्ट्स पर राज करने से लेकर दुनियाभर में डांस फीवर जगाने तक, नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह एक सच्ची ग्लोबल सेंसेशन क्यों हैं।

अजुल को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर आए गुरु रंधावा

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'अजुल' को लेकर इन दिनों विवादों में हैं। एक तरफ जहां गाना रिलीज होते ही ट्रेंडिंग लिस्ट में छा गया, वहीं अब सोशल मीडिया पर इसके कंटेंट को लेकर एक बड़ा वर्ग आपत्ति जता रहा है। आरोप है कि म्यूजिक वीडियो में स्कूल गर्ल्स की छवि के साथ खिलवाड़ किया गया है और उनकी तुलना शराब ब्रांड्स से की गई है। इसी के लिए अब सिंगर को लोगों की तरफ से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

गाने को कंटेंट को लेकर उठे सवाल

'अजुल' में गुरु रंधावा एक फोटोग्राफर बने हैं, जो एक गर्ल्स स्कूल में क्लास फोटो खींचने पहुंचते हैं। यूजर्स की मानें तो जहां गाने में मासूमियत और सादगी दिखाई जानी चाहिए थी, वहां उन्हें अश्लीलता और भड़काऊ विजुअल्स दिखाई दिए। वीडियो में दिख रही सभी महिलाएं व्यस्क हैं, लेकिन उन्हें स्कूल की लड़कियों के रूप में दिखाया गया है। यही बात दर्शकों को खटक गई और आरोप लगा कि इस तरह के सीन युवाओं पर गलत असर डाल सकते हैं।

ट्रोलर्स के निशाने पर आए सिंगर

सोशल मीडिया पर 'अजुल' को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। एक यूजर ने लिखा, अजुल का वायरल होना अजीब है, जबकि लोग इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि गुरु रंधावा ने स्कूली लड़कियों की तुलना शराब से की। पीडोफिलिया को बढ़ावा देना सिर्फ अजीब बात नहीं, बल्कि घिनौना है। फिर भी, वह दूसरों को नीचा दिखाते हुए खुद बहुत ऊंचे और ताकतवर बन जाते हैं। वहीं एक और यूजर ने सिंगर की क्लास लगा दी। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा, ये देखकर हैरानी हुई कि 2025 में भी लोग सोशल मीडिया के प्रभाव को गंभीरता से नहीं लेते। बच्चे इसे देखकर क्या सोचेंगे? कितनी आसानी से पीडोफाइल बर्ताव को नॉर्मल बनाया जा रहा है।

गुरु रंधावा ने साधी चुप्पी

गाने के ट्रेंडिंग में आने पर जहां सिंगर ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया वहीं उन्होंने इस मामले को लेकर फिलहाल कुछ नहीं कहा है। इन आरोपों पर उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्या कावेरी कपूर को भारत के सबसे मुश्किल रियलिटी शो के लिए किया गया है अप्रोच?

उभरती स्टार, बहुप्रतिभाशाली कावेरी कपूर को कथित तौर पर एक ऐसे रियलिटी शो के लिए अप्रोच किया गया है जिसे हाल के टेलीविज़न इतिहास के सबसे मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रियलिटी शोज़ में से एक माना जा रहा है। शो की थीम के अनुसार प्रतिभागियों को ऐसे पावर डायनामिक्स और सामाजिक समीकरणों से गुजरना होगा, जहाँ उनके प्रभाव और स्थिति लगातार उनके फैसलों और रिश्तों के आधार पर बदलते रहेंगे। जिससे एक ऐसा माहौल बनता है जो भाग लेने के लिए पर्याप्त साहसी लोगों के लिए रोमांचक और भावनात्मक रूप से थका देने वाला दोनों हो सकता है।

कावेरी, जो अपने करियर को बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ा रही हैं, उनके लिए यह एक बड़ा मौका हो सकता है — जहाँ वह अपनी पर्सनालिटी, मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास को देश के सामने रख सकती हैं। हालांकि, कावेरी या उनकी टीम से संपर्क करने की कोशिशें अब तक बेनतीजा रही हैं। इस शो की प्रतिष्ठा ही ऐसी है कि इसे कमज़ोर दिल वालों के लिए नहीं कहा जाता है — ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कावेरी इसमें हिस्सा लेने के लिए हाँ कहती हैं या नहीं। कावेरी, जो पहले ही अपनी कविताओं, गीत लेखन, संगीत, और बॉलीवुड डेब्यू 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' के ज़रिए पहचान बना चुकी हैं, इस रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखकर एक नया मोड़ ले सकती हैं। हालांकि यह उनके लिए एक अनदेखा और अनजाना सफर होगा, लेकिन उनकी मौजूदगी यकीनन दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इसके साथ ही उनके पास 'मासूम 2' जैसी फिल्म भी है, जिससे ये साफ है कि कावेरी की झोली में कई बड़ी संभावनाएँ हैं। दर्शक बेसब्री से यह जानने का इंतज़ार कर रहे हैं कि कावेरी अगला कदम क्या उठाएंगी।

सोनाक्षी सिन्हा की 'जटाधरा' में हुई इस एक्ट्रेस की एंट्री

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की मच अवेटेड फिल्म 'जटाधरा' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का टीजर सामने आने के बाद इसको लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई थी। अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें फिल्म में एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है।

मेकर्स ने फिल्म 'जटाधरा' से अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर का लुक जारी कर दिया है। फिल्म में शिल्पा का स्वागत करते हुए मेकर्स ने उनके किरदार के बारे में भी जानकारी दी है। शिल्पा फिल्म में शोभा नाम का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार में बारे में जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया कि 'वह सिर्फ लालच से प्रेरित नहीं है, बल्कि वह उसे परिभाषित भी करती है।' मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टर में शिल्पा काली साड़ी पहने हवन कुंड में जलती हुई आग के पास बैठी हैं। इस दौरान वो आग की ओर चीखते हुए जीभ निकाले हुए हैं। उनके आस-पास कई सारे कंकालों की खोपड़ी भी नजर आ रही है। साथ ही पीछे कई दीए जल रहे हैं। उनके लुक को देखकर ऐसा लगता है कि वो कोई तंत्र या पूजा वगैरह कर रही है।

मराठी आना फायदेमंद है, मगर इसके लिए हिंसा का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए

इंस्टाग्राम पर अपने कॉमिक कॉन्टेंट के कारण कास्टिंग डायरेक्टर की निगाह में आए कॉन्टेंट क्रिएटर आदित्य ठाकरे को पहली बार के ऑडिशन में ही धड़क 2 जैसी फिल्म में अहम भूमिका मिल गई। मुंबईचा मुलगा आदित्य यहां अपने सफर पर बात करते हैं।

पिता का सपना पूरा किया

कॉन्टेंट क्रिएटर से एक्टर बनने के सफर के बारे में वे कहते हैं, मैं खुशकिस्मत हूं कि आज के दौर में पैदा हुआ, जब आज हमारे पास सोशल मीडिया और इंटरनेट है। आप अपना मौका खुद पैदा कर सकते हैं, जैसे मैंने किया। वरना मेरे पिताजी ने भी अभिनेता के रूप में काफी संघर्ष किया। वे भी अनगिनत ऑडिशन का हिस्सा रहे, मगर उन्हें मेरी तरह मौका नहीं मिला। वे ऑफिस से हाफ डे की छुट्टी लेकर ऑडिशन के लिए जाया करते थे। आज मैंने अपने पिता का सपना पूरा किया है। आपको शायद सुनकर अजीब लगे मगर मेरे पिता मेरी फिल्म 25-30 बार देख चुके हैं, थिएटर में जाकर। मेरे लिए यह गर्व की बात है।

मुझे जातिगत भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा

जातिगत भेदभाव पर वे कहते हैं, मुझे अपनी जाति का पता ज़िंदगी में दो ही बार चला था, जब मैंने टेंथ और ट्वेल्थ का फॉर्म भरा था। मुझे लगता था कास्ट सिस्टम होता ही नहीं। मगर ये फिल्म करने के बाद मैं इन मुद्दों को जान पाया और मैं इश्यूज के प्रति और संवेदनशील हुआ हूं। हमने जब उनसे पूछा कि मुंबई में मराठी भाषा को लेकर जो दबाव बनाया जा रहा है, उसके बारे में उनका क्या कहना है? कई विडियोज में तो इसके लिए हिंसा का सहारा भी लेते हुए दिखाया गया है, तो आदित्य बोले, देखिए, जोर तो नहीं दिया जाना चाहिए। हम सभी वायलेंस के सख्त खिलाफ हैं। मगर किसी भाषा का आना आपके लिए ही फायदेमंद होता है। अगर आपको फ्रांस जाना होता है, तो आपको वहां फ्रेंच का एग्जाम देना पड़ता है। इससे आपको काम के और मौके मिलेंगे। जो लोग महाराष्ट्र में हैं, उन्हें अगर मराठी नहीं आती, तो थोड़ी बहुत सीख लें, उन्हीं का फायदा होगा। जहां तक इस मुद्दे पर इंटरनेट पर आने वाले विडियोज की बात है, तो 30 सेकंड्स की रील पर क्या भरोसा किया जा सकता है, मगर इतना जरूर कहूंगा कि इस मामले में हिंसा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

पहले ऑडिशन में ही फिल्म मिल गई

बॉलिवुड में कई कलाकारों के लिए ऑडिशन का दौर बहुत लंबा होता है, मगर इस मामले में आदित्य ठाकरे भाग्यवान रहे। वे कहते हैं, मैं दोपहर में सो रहा था और मुझे एक ऑडिशन के लिए कॉल आया। ऑडिशन के बाद तीसरा दिन था और हम लोग गणपति विसर्जन के लिए जा रहे थे कि तभी कॉल आई कि करण जौहर के ऑफिस से बोल रहे हैं और आप चुन लिए गए हो। पहले तो मुझे लगा कि कोई प्रैंक कॉल है, मगर बाद में जब अहसास हुआ कि ये सच है, तो मैंने जोर से नारा लगाया, गणपति बप्पा मोरिया सबसे बड़ी बात ये है कि ये मेरा पहला ऑडिशन था, जो कास्टिंग डायरेक्टर उत्सव नरूला के जरिए हुआ और मैं पहले ही ऑडिशन में चुन लिया गया। फिल्म थी, धड़क और मेरा रोल था वासु का, जो फिल्म में नायक सिद्धांत चतुर्वेदी का दोस्त था। तृप्ति और सिद्धांत दोनों ने मुझे हर तरह से सपोर्ट किया।

नारी के लिए साज-श्रृंगार भी जरूरी

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर सलोना दिखना ही चाहिए।

विवाह जीवन का सबसे खूबसूरत मोड़ है लेकिन यह भी आश्चर्यजनक सत्य है कि अक्सर इसके बाद पित्नयां अपने सौंदर्य और आकर्षण की उपेक्षा करने लगती हैं। विवाह के समय वधू के हाथों में लगने वाली हल्दी मानो वधू का पीछा ही नहीं छोड़ती और रसोईघर में मसालों की गंध में लिपटी पत्नी के प्रति पति का आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है।

यही वह समय है जब पत्नियों को जीवन का यह शाश्वत सत्य समझ लेना चाहिए कि अगर उन्हें बेतरतीब, बढ़ी दाढ़ी और अस्त-व्यस्त कुर्ते-पायजामा में अखबार में चिपके पतिदेव पर खीज होती है तो उनका भी आपके बिखरे बाल, मुड़ी-तुड़ी साड़ी और मसाले-पसीने से महकती देह से मुंह मोड़ लेना नितांत स्वाभाविक है।

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर-सलोना दिखना ही चाहिए। थोड़ी-सी शोखियां और थोड़ी-सी शरारतें आपके वैवाहिक जीवन को स्थायी रूप से मधुमास बना देंगी।

इस दिशा में शुरूआत करने से पहले एक बड़ी ही महत्वपूर्ण बात को गांठ बांध लें कि जीवन साथी को प्रसन्न करने में न तो कोई बुराई है और न ही यह अहं का सवाल है। अगर शादी के बाद आपकी खुशी के लिए वह अपनी प्यारी मूंछों की कुर्बानी दे सकते हैं, आपकी प्रसन्नता के लिए मनपसंद नीली शेड को त्याग कर भूरे और काले शेड के परिधान पहन सकते हैं तो उनकी खुशी के लिए थोड़ा-सा स्लिम होकर कभी-कभी उनके मनपसंद आउटफिट को क्यों नही पहन सकतीं।

- सुगन्ध सभी को आकर्षित करती है इसलिए अंतरंग क्षणों में किसी बढ़िया परफ्यूम अथवा इत्र का प्रयोग अवश्य करें। सुबह उनके ऑफिस निकलने से पहले उसी सुगंध में डूबा एक शरारती-सा नोट लिख कर ब्रीफकेस में रख दें। फिर देखिए, उनकी शाम के साढ़े पांच सीधे पर की देहरी पर ही बजेंगे।

- ढीले-ढाले कपड़े पहनने में अच्छे रहते हैं लेकिन आपके वार्डरोब में चटख रंग और लेटैस्ट फैशन के टाइट्स और हाई हील प्लेटफार्म भी होने ही चाहिएं।
- आपकी बदली पसंद केवल पोशाक में ही नहीं, अंतर्वस्त्रों के मामले में भी दिखनी चाहिए जिसका मूलमंत्र है 'जितना आधुनिक, उतना आकर्षक'। पतिदेव को फैशन परेड और फिल्मी मैगजीन घूरने पर क्यों टोकती हैं? हीरोइनों और मॉडलों को तो केवल देखा भर जा सकता है लेकिन असली रानी तो आप हैं। मेकअप केवल मॉडलों के लिए ही नहीं है आप भी उसमें उतनी ही अच्छी लगेंगी।
- कौन कहता है कि आपकी शादी हुए पांच साल हो जाने का मतलब केवल चूल्हा-चौका और परिवार तथा नौकरी की व्यवस्था है। घर-कार्यालय की उलझनों में से थोड़ा समय निकालिए और पतिदेव को मनाकर निकल पड़िए। सनसनीखेज सप्ताहांतों के लिए जरूरी नहीं कि आपका यह 'मिनी हनीमून' किसी हिल स्टेशन अथवा रिसोर्ट में ही मनाया जाए। इसकी पहली और आखिरी शर्त है प्राइवेसी।
- भरी भीड़ में चुपके से पतिदेव को छेड़ देने की शरारत खूब कामयाब रहती है। जरा सोच कर तो देखिए कि वह रैस्टोरैंट में भोजन का आर्डर दे रहे हों और आप कपड़े से ढकी मेज के नीचे अपने पैरों से धीरे-धीरे उनके पैरों पर गुदगुदी कर दें। यकीनन वेटर को वह कुछ की जगह कुछ आर्डर दे जाएंगे।

और खाने के बाद मीठा, ऐसी शरारत करने से पहले घर के फ्रिज में खीर ठंडी करने को रख दीजिए। इन शोखियों के बाद अब भला रैस्टोरैंट में ठहरने का समय किसके पास होगा।

कर्ड सैंडविच

सामग्री : 1 कप दही, 6 स्लाइस ब्रैड, 1 कप बारीक लम्बाई में कटी हुई पत्तागोभी, शिमला मिर्च और गाजर, आधा टीस्पून अदरक का पेस्ट, 3-8 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, छौंक के लिए थोड़ी-सी राई और तेल।

विधि : दही को छलनी में डालकर एक तरफ रख दें, दही का पानी निकलते ही सभी सब्जियां, अदरक, हरी मिर्च और नमक मिला लें। हरी धनिया बारीक काटकर मिला लें। तवे पर 2 टीस्पून तेल डालें। राई डालकर चटकने दें। दही का मिश्रण दो ब्रैड के बीच भरकर तवे पर रख दें और क्रिस्पी होने तक सेंक लें। सॉस या चटनी के साथ सर्व करें।

शिशु के सौंदर्य का रखें ख्याल

सौंदर्य और सुंदर त्वचा पर मात्र युवा वर्ग का ही अधिकार नहीं है बल्कि इस पर बाल वर्ग का भी उतना ही अधिकार है जितना कि युवा वर्ग का। जन्म के समय नवजात शिशु की त्वचा एवं शरीर बेहद कोमल, नर्म और बेदाग होता है किन्तु समय के साथ-साथ त्वचा की सुरक्षा में बरती गई छोटी-सी असावधानी काफी सीमा तक खतरनाक सिद्ध होती है।

शिशु को जन्म के उपरांत कई प्रकार के वातावरण का सामना करना पड़ता है। कई माता-पिता अपने शिशु के स्वास्थ्य और सौंदर्य के प्रति लापरवाह होते हैं तो कई इतने जागरूक होते हैं कि उनकी शिशु के प्रति अधिक जागरूकता और आवश्यकता से अधिक देखरेख भी शिशु के स्वास्थ्य और त्वचा को हानि पहुंचाती है, जैसे कि मां द्वारा शिशु को दिन में कई-कई बार साबुन से नहलाना, अपने क्रीम-पाऊडर का उसकी त्वचा पर प्रयोग करना आदि। ऐसे कई कारण हैं जिसके कारण शिशु की त्वचा खराब हो जाती है और संक्रमित होकर अनेक रोगों एवं समस्याओं को निमंत्रण दे देती है- जैसे कि एलर्जी, त्वचा का फटना, फोड़े-फुंसी आदि। यदि आप अपने शिशु को स्वस्थ और सुंदर रखना चाहती हैं तो कृपया निम्न सावधनियों का पालन अवश्य करें:

शिशु की त्वचा संबंधी कुछ सावधानियां

- शिशु की त्वचा पर क्रीम और कॉस्मैटिक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- शिशु की त्वचा यदि शुष्क हो तो माइश्चराइजर के स्थान पर जॉनसन बेबी ऑयल या बादाम अथवा जैतून का तेल प्रयोग करना चाहिए।
- सप्ताह में एक या दो बार बेसन में दूध मिला कर उस पेस्ट को बच्चे के शरीर पर हल्के हाथों से मलना चाहिए, इस प्रयोग से त्वचा के भीतर तक की सफाई हो जाती है।
- शिशु की त्वचा पर साबुन का प्रयोग अधिर नहीं करना चाहिए, इससे शिशु की त्वचा क्षारीय बन जाती है और बैक्टीरिया भी सक्रिय होकर बच्चे की त्वचा को हानि पहुंचा सकते हैं।
- शिशु के शरीर पर नियमित जैतून के तेल की मसाज करनी चाहिए, इससे बच्चे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

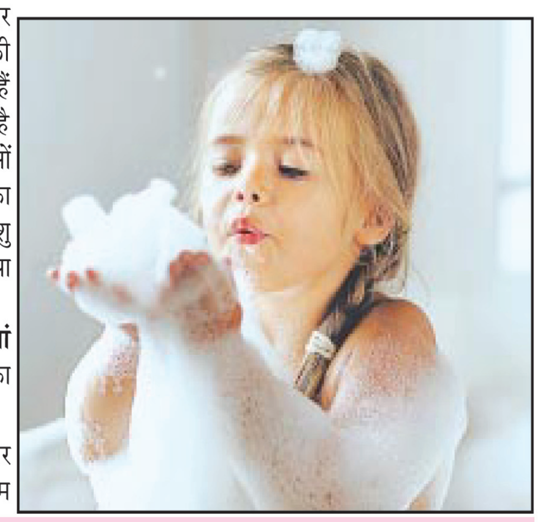

ऑफिस में सेंस ऑफ ह्यूमर

जरा सोचिए हंसी के बिना हमारी लाइफ कितनी बोरिंग होती। सुबह ट्रैफिक की रेलमपेल झेलते हुए जब हम ऑफिस पहुंचते हैं तो वहां भी कई तरह की परेशानियां पहले से ही हमारे स्वागत के लिए तैयार खडी होती हैं। समझ नहीं आता कि इतने कम समय में ढेर सारा काम कैसे पूरा किया जाए। ऐसे में आपका एक कलीग अचानक कोई ऐसी बात कहता है कि आप सब एक साथ हंस पडते हैं। मिनटों में आपका सारा तनाव छूमंतर हो जाता है और थोडी ही देर में आप पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम में जुट जाते हैं।

मुश्किल से मिलता है मौका

रोने के हजारों बहाने सभी के पास होते हैं, पर हंसने का मौका हमें बडी मुश्किल से मिलता है। खास तौर से ऑफिस के आपा धापी और अनुशासन भरे माहौल में अगर कभी कोई हंसने वाली बात हो तो हमें उसका लुत्फउठाने से चूकना नहीं चाहिए। एक विज्ञापन एजेंसी में कार्यरत मुग्धा घोष बताती हैं, एक रोज कुछ ऐसा संयोग हुआ कि ऑफिस की एक पार्टी में मैं और मेरी एक कलीग दोनों बिलकुल एक जैसी ड्रेस पहन कर आ गए। हमें साथ देख कर सब हंस पडे। हंसी के इस पल को हमने भी खूब एंज्वॉय किया।

अचूक औषधि है हंसी

मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अशुम गुप्ता कहती हैं, आजकल कई मल्टीनेश्नल कंपनियां अपने कर्मचारियों को तनावमुक्त करने के लिए कुछ महीनों के अंतराल पर उनके लिए पिकनिक या पार्टियों आयोजन करती हैं, ताकि लोग अपने सहकर्मियों के साथ हलके-फुलके माहौल में बातचीत करके एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझ सकें। कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां का माहौल बहुत तनावपूर्ण होता है। जैसे-आर्मी, पुलिस, मेडिकल प्रोफेशन आदि। यहां काम करने वाले लोगों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपने लिए हंसी-खुशी के कुछ पल ढूंढ कर खुद को तनावमुक्त रखने की कोशिश करें। इसी वजह से आजकल ऐसे महकमों में योग, काउंसलिंग और लाफ्टर थेरेपी से संबंधित कई वर्कशॉप आयोजित किए जाते हैं।

हंसें, पर जरा संभलकर

- काम के बीच में दो-चार मिनट के लिए हंसी-मजाक करना तो ठीक है, लेकिन यह सेशन ज्यादा लंबा नहीं चलना चाहिए।
- अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर की निशानी यही है कि आप केवल दूसरों पर नहीं, बल्कि खुद पर भी हंसना सीखें।
- इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत न हों।
- कुछ लोग छोटी-छोटी बातों का बहुत जल्दी बुरा मान जाते हैं। ऐसे लोगों पर किसी भी तरह की टीका-टिप्पणी करने से बचें।
- हर ऑफिस में पुरुषों के साथ स्त्रियां भी काम करती हैं। इसलिए सभी को इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि मजाक में कोई ऐसी बात न कही जाए, जिससे दूसरा व्यक्ति असहज महसूस करे।
- एसएमएस या ईमेल के जरिये एक-दूसरे को जोक्स भेजते समय शालीनता की सीमाओं का हमेशा खयाल रखें।
- जिन लोगों का सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा होता है, ऐसे लोग कभी-कभी अनजाने में दूसरों को डिस्टर्ब कर रहे होते हैं। इसलिए हमें अपने सेंस ऑफ ह्यूमर का सही मौके पर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए ऑफिस का कैफेटेरिया सबसे अच्छी जगह है। जहां आप अपने साथियों के साथ दिल खोल कर हंस सकते हैं।
- अगर आपको कोई अच्छा सा जोक याद आ रहा है, तो फिर देर किस बात की उसे अपने साथियों के साथ शेयर कीजिए और तनाव को भूल जाइए।

अब डैंड्रफ रहे काबू में

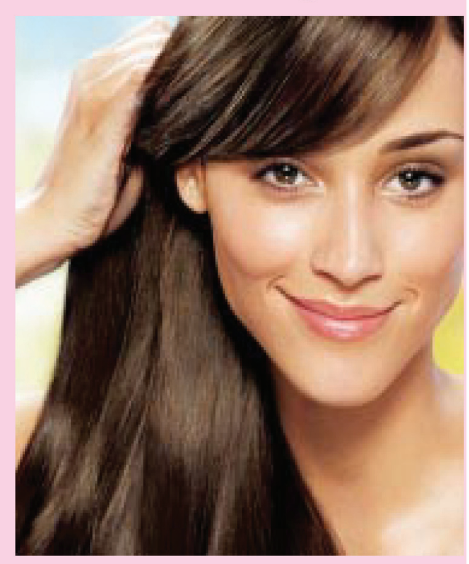

बारिश के मौसम में उमस और पसीने से बालों में चिपचिपाहट हो जाती है। रूसी एक प्रकार की निर्जीव त्वचा है, जो बालों की जडों के आसपास जमा हो जाती है। इसलिए अपने बालों को साफ रखें और महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें। ताकि सिर की त्वचा से आसानी से रूसी बाहर निकल जाए। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं, उपयोगी टिप्स।

- बालों में प्रतिदिन ब्रश करने और मालिश करने से डैंड्रफकी समस्या से छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि इन उपचारों से रक्तसंचार तीव्र गति से होता है और मृत त्वचा निकल जाती है।
- गर्म ऑलिव ऑयल में कुछ बूंदें अदरक के रस की डालकर इससे सिर पर कुछ देर मालिश करें। आधे घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू कर लें।
- बालों में रूसी होने से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। ऐसे में प्याज का रस लगाएं। आधा घंटे बाद एक मग में नीबू की कुछ बूंदें डाल कर उस पानी से धोएं।
- नीम की पत्तियों का रस नीबू के रस में मिलाकर सिर में लगभग तीस मिनट तक लगाएं। फिर शैंपू कर लें या फिर शैंपू करने के बाद सिरके और नीबू का रस बराबर मात्रा में लेकर 5-10 मिनट तक के लिए सिर में लगा रहने दें। उसके बाद बालों को धो लें।
- जोजोबा ऑयल और कोकोनट ऑयल को मिलाकर उंगली के पोरों से धीरे-धीरे सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसके बाद गर्म पानी में भीगे तौलिये को निचोडकर थोडी देर तक सिर पर लपेटकर रखें। आधे घंटे बाद शैंपू करें।

खूबसूरत बाल हर पल साथ

जब हम चाहते हैं कि किसी खास उत्सव पर हमारे बाल बेहद अच्छे दिखें तो जाने-अनजाने कोई ऐसी गडबड हो ही जाती है, जिससे पूरे दिन हम परेशान रहते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप पार्टी की शान बन सकती हैं।

● स्मार्ट हेयर कट

बालों का कट ऐसा होना चाहिए जो आपके चेहरे पर सूट करे और आपकी जीवनशैली के अनुकूल हो। इसके अलावा नियमित रूप से बालों की ट्रिमिंग कराएं। ऐसा हेयरस्टाइल बनाएं, जिसे संभालना आपके लिए आसान और संभव हो।

● जरूरी है हेयर एक्सेसरीज

बालों को संवारने के लिए खुद पर सूट करने वाली हेयर एक्सेसरीज का संग्रह करें। मौके की नजाकत को ध्यान में रख कर आप इन एक्सेसरीज का प्रयोग करके स्टाइलिश दिख सकती हैं।

● सही हेयर प्रोडक्ट का करें चयन

बालों के लिए जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करें वे आपके बालों की किस्म के अनुरूप होने के साथ ही बेहतरीन क्वॉलिटी के होने चाहिए। जहां तक हो हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट के अधिक प्रयोग से बचें। रूखे बालों के लिए कंडिशनर युक्त शैंपू का इस्तेमाल करें। तैलीय बालों के लिए सिट्रस युक्त शैंपू और अन्य हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों की अतिरिक्त चिपचिपाहट दूर हो जाए। रूखे बालों पर हॉट हेयर रोलर, हॉट एयर ड्रायर, पर्म या ब्लीच का प्रयोग न करें।

● सिर का मसाज

हफ्ते में एक-दो बार गुनगुने ऑलिव ऑयल या आमंड ऑयल से सिर की त्वचा की मालिश से बालों को पोषण मिलता है। साथ ही रूखे बालों को जरूरी मॉयस्चर भी मिल जाता है। इसके बाद बालों को अच्छे नरिशिंग शैंपू से धो लें।

ब्रेड इडली

सामग्री : 6 ब्रेड स्लाइस, 2 उबले हुए आलू, 1 टी स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टे.स्पून हरा धनिया (बारीक कटा), 1 टी स्पून (जीरा, उड़द की दाल, राई या सरसों), 1 कप दही, 2 टे.स्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

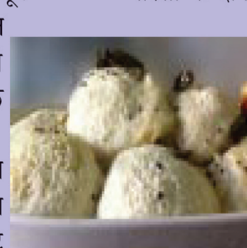

विधि : उबले हुए आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, नमक, धनिया पाउडर और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। दही को हल्का सा फेंट लें।

एक पैन में आधा टी स्पून तेल गरम करके उसमें जीरा, सरसों के दाने और उड़द की दाल डालकर चटकने दें। अब इस छौंक को फेंटी हुई दही में डाल दें।

ब्रेड को कटोरी या गिलास की सहायता से गोलाकार में काट लें। ब्रेड की एक तरफआलू का मिश्रण लगा दें।

एक पैन में तेल गरम करें और उसमें आलू लगी तरफसे ब्रेड को डाल दें। ब्रेड की दूसरे हिस्से पर 2 चम्मच दही का मिश्रण डालकर फैला दें। और फ्राइंग पैन को 2 मिनट के लिए ढक्कन से ढक दें। लीजिए तैयार है गर्मागर्म ब्रेड इडली इसे तुरंत सर्व करें।